दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — मंदिरों में चढ़े और सीएम हाउस से मिले...
4 अभिव्यक्ति — हुड़दंग का पर्व नहीं है होली...
9 मनोरंजन/खेल — करिश्मा ने अभी तक नहीं देखी फिल्म...
11 व्यापार — शेयर बाजार पर दिखेगा यस बैंक संकट...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, सोमवार 9 मार्च 2020, फाल्गुन पूर्णिमा, विक्रम संवत-2076 वर्ष-05 अंक-327 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

जख्मी दिलों का बदला चुकाने, आए है दीवाने, दिल में होली जल रही है...गाते हुए दिल्ली के दंगाईयों ने एक पखवाड़े पूर्व ही होली पर्व मना डाला। गाड़िया, मकान, दुकान, स्कूल और फैक्ट्री आदि जला डाली। गुलाल की जगह गुलेल और पिचकारी की जगह पिस्तौल से एक दूसरे का खून बहा डाला। दंगों की आग में खाक हुए दंगा पीड़ितों के जख्मों पर सरकार मरहम लगाने की कोशिश कर रही है। लेकिन इसकी टीस पता नहीं कब दूर होगी और दिल्ली के बाशिंदे कब नफरत की लाठी तोड़ेंगे और लालच खंजर छोडेंगे? उम्मीद करें की नफरत की दीवारें जल्द टूटेंगी।

महिलाओं को मिलीं सुविधाएं, अब लिख रहीं सफलता की कहानियां

नव प्रदेश संवाददाता

- मुख्यमंत्री बघेल लोकवाणी की 8वीं कड़ी में प्रदेशवासियों से हुए रूबरू
- महिलाओं को बराबरी के अवसर विषय पर साझा किए विचार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपनी मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की 8वीं कड़ी में 'महिलाओं को बराबरी के अवसर विषय पर प्रदेशवासियों के साथ विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है। आदिवासी अंचलों में तो महिलाओं की संख्या पुरूषों से भी अधिक है। जो देश और दुनिया के लिए एक उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में महिला सम्मान को उनके अधिकारों और स्वावलंबन से जोड़ने की रणनीति अपनाई गई है। जहां-जहां महिलाओं को सुविधाएं दी हैं, वहां उन्होंने आगे बढ़कर बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां उठाई हैं और सफलता की नई-नई कहानियां भी लिख रही हैं। उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मातृ शक्ति के बिना संसार की कल्पना नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ-शक्ति के बिना इस संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। हमारे छत्तीसगढ़ में तो देवी को अपने हर स्वरूप में मां माना जाता है। दन्तेवाड़ा में मां दन्तेश्वरी, डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी, रतनपुर में मां महामाया, चन्द्रपुर में माँ चन्द्रहासिनी के शक्तिपीठ और हर गांव-हर शहर में कोई न कोई लोक आस्था केन्द्र है। जिनके आशीर्वाद से हम तरक्की करते हैं। उन्होंने कहा कि रायगढ़ एवं बीजापुर जिले में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान' के तहत सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। हमारे यहाँ बहुत से समाजों में मातृ शक्ति की प्रधानता है, लेकिन इन सबके बावजूद, महिला और पुरुषों में बराबरी का सवाल सामयिक है।

कोरोना से डरे नहीं, कर लिए गए उपाय

लोकवाणी में मुख्यमंत्री ने कोरोना वायरस से उत्पन्न वातावरण का जिक्र करते हुए कहा कि इन दिनों 'कोरोना वायरस' की बहुत चर्चा है। आप डरें नहीं। बचाव के उपायों को समझें और अपनाएं। सरकार ने उपचार की पूरी तैयारी कर रखी है।

खास खबर

दिल्ली हिंसा पर लोकसभा में बुधवार को होगी चर्चा

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली के कुछ हिस्सों में पिछले दिनों हुई हिंसा की घटनाओं पर लोकसभा में बुधवार को चर्चा होगी। लोकसभा की कार्यसूची में बताया गया है कि 11 मार्च को प्रश्नकाल के बाद पहले सदन के पटल पर जरुरी कागजात रखवाये जाएंगे और उसके बाद दिल्ली के कुछ हिस्सों में कानून व्यवस्था की हालिया स्थिति पर चर्चा की जाएगी। इस कारण सदन में उस दिन शून्यकाल नहीं होगा।

100 से अधिक देश कोरोना की चपेट में

जिनेवा (वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि विश्व के 101 देशों में कोरोना वायरस के मरीजों की पुष्टि हो चुकी है और रविवार सुबह छह बजे तक 105,427 मामलें पाजिटिव पाए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता फदेला छेब ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक 105,427 मामलें पाजिटिव पाए गए हैं और 3,583 मरीजों की मौत हो गई है।

रानी-मनप्रीत को प्लेयर ऑफ द ईयर, हरविंदर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय कप्तानों मनप्रीत सिंह और रानी को रविवार को यहां तीसरे हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों में वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के ख़िताब से नवाजा गया जबकि तीन बार के ओलम्पियन हरविंदर सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू, भारतीय ओलम्पिक संघ और अंतराष्ट्रीय ओलम्पिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा तथा हॉकी इण्डिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने यह अवार्ड प्रदान किये। मनप्रीत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

यश बैंक मामले में ईडी के रडार पर 2 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट

- राणा कपूर ने लंदन में कैसे खरीदी संपत्ति, पता करने में जुटा प्रवर्तन निदेशालय
- राणा कपूर को 11 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजा गया
- उनकी पत्नी और बेटियों से भी पूछताछ

नई दिल्ली/नवप्रदेश। यस बैंक मामले में राणा कपूर के खिलाफ शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। शुक्रवार शाम से 30 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद शनिवार आधी रात के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। वह 11 मार्च तक कस्टडी में रहेंगे। राणा कपूर के अलावा उनकी पत्नी और बेटियों से भी पूछताछ की जा रही है। ईडी यह जानना चाह रहा है कि लंदन का असेट उन्होंने कैसे खरीदा। ईडी फिलहाल उस सोर्स का पता कर रही है जहां से पैसे आए और लंदन में असेट खरीदा गया। ईडी के रडार पर करीब 2 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट्स, 44 महंगी पेंटिंग्स और दर्जनों शेल कंपनियां हैं। इन कंपनियों की मदद से राणा कपूर और परिवार को पैसा ट्रांसफर किया जा रहा था।

ईडी के अधिकारी जानना चाहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ था कि नवंबर 2019 में राणा कपूर ने यस बैंक में अपने पूरे शेयर बेच दिए, जबकि वे बार-बार कहते आ रहे थे कि यस बैंक में कभी भी अपना शेयर नहीं बेचेंगे। वे इसे अपना डायमंड बताते थे। आरबीआई ने इसे एक महीने के लिए मोरैटोरियम पीरियड में डाल दिया है। यस बैंक के ग्राहक फिलहाल एक महीने में अधिकतम 50 हजार रुपये निकाल सकते हैं। इसके अलावा पुराने बोर्ड को भंग कर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

600 करोड़ के कोष मामले में भी पूछताछ

वहीं राणा कपूर के खिलाफअपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए उनकी बेटियों राखी कपूर टंडन, रोशनी कपूर और राधा कपूर से पूछताछ कर रही है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी को कुछ ऐसे दस्तावेज भी मिले हैं जो बताते हैं कि कपूर परिवार के लंदन में कुछ संपत्ति हैं। अब उस संपत्ति की खरीद के लिये इस्तेमाल हुए कोष के स्रोत की जांच की जा रही है। ईडी एक कंपनी द्वारा कथित रूप से प्राप्त 600 करोड़ रुपये के कोष के मामले में कपूर, उनकी पत्नी तथा तीन बेटियों के खिलाफजांच कर रहा है। जिस कंपनी को यह राशि मिली, उसका नियंत्रण कथित रूप से उनके द्वारा नियंत्रित थी। कंपनी को यह राशि दीवान हाउसिंग फाइनेंस लि. (डीएचएफएल) से जुड़ी इकाई से मिली थी।

मनमोहन सरकार की फोन बैंकिंग से डगमगाए हालात : प्रसाद

केन्द्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यस बैंक संकट के लिए कांग्रेस की यूपीए सरकार को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा है कि जहां तक यस बैक का सवाल है तो सरकार तो सख्ती से काम कर रही है। स्टेट बैंक उस दिशा में आगे बढ़ रहा है और निर्मला जी ने ने विस्तार से बताया है कि जिन लोन के कारण यस बैंक की हालत डगमगाई है। उन्होंने कहा कि वो लोन कब दिया गया था। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब वित्त मंत्री चिदंबरम साहब थे। फोन बैंकिंग होती थी ना। इसको लोन दो उसको लोन दो। इसको लोन दो और उससे कट लो। तो ये कट लेने का सिस्टम जो चलता था उसके कारण संस्थाएं परेशान होती हैं। हमारी सरकार कार्रवाई कर रही है और किसी भी निवेशकों का अहित नहीं होगा।

ऐसे बिजनेसमैन को बांटा लोन कि हो गया एनपीए

अपने कॉर्पोरेट ग्रोथ के लिए उन्होंने उन बिजनसमैन को लोन बांटना शुरू किया जिन्हें दूसरे बैंकों ने बुरे प्रदर्शन के कारण लोन देने से मना कर दिया था। वह लोन बांटते चले गए और यस बैंक का ग्रोथ तेजी से होने लगा। इसी कड़ी में उन्होंने डीएचएफल अनिल अंबानी, वोडाफोन, कैफे कॉफी डे जैसे बिजनसमैन को लोन दिया और बाद में ज्यादातर लोन एनपीए हो गया।

सीएए विरोध : दंपति के आईएस से लिंक!

- दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार
- दोनों के लिंक आतंकी संगठन आईएस के खुरासान मॉड्यूल से होने का दावा

नई दिल्ली ए.। दिल्ली पुलिस की ताजा कार्रवाई से यह सवाल उठ रहा है कि क्या सीएए के खिलाफचल रहे प्रदर्शनों का कोई संबंध आतंकी संगठन आईएस से भी है? दिल्ली पुलिस ने दिल्ली से एक दंपति को गिरफ्तार किया है। दोनों के संबंध आईएस से बताए जा रहे हैं। यह दंपति सीएए विरोधी प्रदर्शनों को भी हवा दे रहा था। दिल्ली पुलिस की तरफसे डेप्युटी कमिशनर ऑफ पुलिस (डीसीपी) प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि ओखला के जामिया नगर से एक दंपति को पकड़ा गया है। इनका नाम जहानजेब सामी और हिना बशीर बेग है। दोनों के कुछ लिंक आईएस के खुरासान मॉड्यूल से बताए जा रहे हैं। कपल सीएए के खिलाफ प्रदर्शनों को भी भड़काने का काम कर रहे थे।

बता दें कि राजधानी दिल्ली में कई जगह सीएए-एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे हैं। जामिया का शाहीन बाग इलाका भी इसमें से एक है। शाहीन बाग में प्रदर्शनकारियों ने एक मुख्य सड़क को बंद किया हुआ है। यह सड़क नोएडा और दिल्ली को जोड़ती है।

बीमा प्रीमियम में वृद्धि और भविष्य निधि की ब्याज दर में कटौती वापस ले सरकारः कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने बीमा प्रीमियम में वृद्धि और कर्मचारी भविष्य निधि की ब्याज दर में कटौती तथा बढ़ती खुदरा महंगाई के लिए सरकार की कड़ी निंदा करते हुए रविवार को कहा कि बेरोजगारी के रिकार्ड स्तर के बीच आम आदमी की कमर तोड़ी जा रही है। पार्टी ने कहा कि सरकार को अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए बीमा प्रीमियम में वृद्धि तथा भविष्य निधि की ब्याज दर में कटौती की फैसले वापस कराने चाहिए और बढ़ती महंगाई पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता मनु अभिषेक सिंघवी ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बेरोजगारी 45 वर्ष के रिकार्ड स्तर पर है और सरकार अपने फैसलों से आम आदमी पर भार बढ़ा रही है। इससे आम आदमी की मर टूट रही है और उसकी आर्थिक हालत बिगड़ रही है। श्री सिंघवी ने कहा कि जीवन बीमा के प्रीमियम में 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत और वाहनों के तीसरे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मप्र : राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा दावेदारों के नाम लिफाफे में बंद

भोपाल (नव प्रदेश)। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए इसी माह होने जा रहे चुनाव को लेकर भाजपा नेताओं की रविवार को पार्टी के प्रदेश कायार्लय में बैठक हुई। चुनाव अभियान समिति की बैठक में कई नामों पर चर्चा कर सूची को लिफाफे में बंद कर दिल्ली हाईकमान को भेजा जा रहा है। भाजपा मध्यप्रदेश की दो राज्यसभा सीटें जीतना चाहती है और इसके लिए उसकी ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वी.डी. शर्मा की मौजूदगी में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में विभिन्न नामों पर मंथन हुआ, साथ ही राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव के अलावा अपना कार्यकाल पूरा करने जा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोविंद ने प्रदान किये नारी शक्ति पुरस्कार 2019

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को महिला सशक्तिकरण और समाज में असाधारण तथा उल्लेखनीय योगदान करने वाली 15 महिलाओं को 'नारी शक्ति पुरस्कार 2019' से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के अलावा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। सम्मान पाने वाली महिलाओं में आंध्रप्रदेश में श्रीकाकुलम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उपद्रवियों को पोस्टर पर हाई कोर्ट करेगी सुनवाई

- डीएम और कमिश्नर से सवाल- किस प्रावधान से किया ऐसा?

प्रयागराज ए.। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित अन्य शहरों में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में गत दिसंबर में हुई हिंसा के आरोपियों के पोस्टर और होर्डिंग लगाने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। स्वतः संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट आज दोपहर में 3 बजे इस मामले में सुनवाई करेगी। इन पोस्टर्स को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। चीफ जस्टिस की बेंच ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेकर लखनऊ के डीएम और डिविजनल पुलिस कमिश्नर से पूछा है कि वह हाई कोर्ट को बताएं कि कानून के किस प्रावधान के तहत लखनऊ में इस प्रकार का सड़क पर पोस्टर लगाया जा रहा है। हाई कोर्ट रविवार को अवकाश के बावजूद ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महिला दिवस — प्रधानमंत्री ने देश की सात सम्मानित महिलाओं को सौंपा था अपना अकाउंट

पीएम मोदी के ट्विटर पर छायी रहीं प्रेरणा देने वाली महिलाएं

नई दिल्ली,(वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ट्विटर अकाउंट पर सात ऐसी महिलाएं छायी रही जिन्होंने अपने कामों से देश और दुनिया को प्रेरणा दी है।

मोदी ने रविवार सुबह महिला दिवस के अवसर पर अपना सोशल मीडिया अकाउंट इन सात सम्मानित महिलाओं के हाथों में सौंप दिया। इन महिलाओं ने ट्विटर पर लोगों के साथ अपने यादगार लम्हों को साझा किया और अपनी कहानी बताकर लोगों को प्रेरित किया। इन महिलाओं में स्नेहा मोहनदास, डा मालविका अय्यर, अरिफा, कल्पना रमेश, विजया पवार, कलावती देवी और मुंगेर की वीणा देवी शामिल हैं। स्नेहा मोहनदास ने अपनी माता से प्रेरणा लेकर भूखमरी मिटाने के लिए फूडबैंक इंडिया की पहल की। इसमें बड़े पैमाने पर भोजन बनाने, भोजन बनाने के अलग अलग तरीके और स्तनपान के बारे में जागरूकता अभियान चलाना शामिल है।

पीएम मोदी मोदी ने सुबह ट्वीट किया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई। हम 'नारी शक्ति' की भावना और उपलब्धियों को सलाम करते हैं। जैसा कि मैंने कुछ दिन पहले कहा था कि महिला दिवस के मौके पर मैं सोशल मीडिया से दूर रहूंगा। आज दिन भर सात महिलाएं अपने जीवन से जुड़े यादगार लम्हों को साझा करेंगी और सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए बातचीत करेंगी।

उन्होंने ट्विट किया, आप खाने के बारे में सोचते होंगे लेकिन अब कुछ करने और गरीबों के भविष्य के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नारी शक्ति पुरस्कार विजेताओं से बोले पीएम

आप विजेता ही नहीं दूसरों के लिए प्रेरक भी बने

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति पुरस्कार विजेताओं को संबोधित करते हुए आठ मार्च यानि रविवार को कहा कि आप प्रेरणा के स्त्रोत हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब आपने काम शुरू किया था तो अवश्य आपने इसे मिशन बनाकर किया या फिर जीवन में उसे महत्व देते हुए किया या फिर हो सकता है कि ये सामान्य तौर पर किया होगा। यह सिर्फअवॉर्ड ही नहीं बल्कि आज आप दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन गए हैं। पीए ने नारी शक्ति पुरस्कर विजेता और आदिवासी इलाकों में रहनेवाली महिलाओं को उद्यम विकसित करने में मदद करनेवाली भुवादेवी से कहा- मैं आपके प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। सरकार ने इस साल फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन को बड़े मिशन पर उठाया है।

रामपुर रियासत के शस्त्रों का संरक्षण करना चाहती है भारतीय सेना, तोहफे के तौर पर मांगे हथियार

■ लेफ्टिनेंट ने रामपुर रियासत के नवाब काजिम अली खां को अनुरोध पत्र भेजा है

■ 'यह दुर्लभ हथियार सशस्त्र बलों के लिए खास साबित होंगे

रामपुर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में रामपुर शाही खानदान के पास मौजूद नायाब तोहफें पर हर किसी की नजर है। संपत्ति बंटवारे के बाद लगातार आलीशान शस्त्रों का जखीरा सामने आने के बाद हर कोई इनके बारे में जानने को उत्सुक है। इन शस्त्रों पर पूरे देश के साथ-साथ भारतीय सेना की भी नजर है। सेना ने रामपुर रियासत के इन हथियारों के संरक्षण की इच्छा जाहिर की है।

उत्तर भारतीय एरिया मुख्यालय के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने रामपुर रियासत के अंतिम शासक नवाब रजा अली खां के पौत्र पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां को इस बारे में अनुरोध पत्र भी भेजा है। पूर्व मंत्री के पीआरओ काशिफ खां ने पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि 28 फरवरी को उत्तर भारतीय एरिया मुख्यालय के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का अनुरोध पत्र नूरमहल रामपुर पहुंचा है। पूर्व मंत्री सेना को इसका जवाब जल्द भेजेंगे।

उन्होंने कहा, 'सदियों पहले के यह दुर्लभ हथियार सशस्त्र बलों के लिए खास साबित होंगे। मेरा मानना है कि संग्रहालय और सेना के स्थानों पर प्रदर्शित होने यह धरोहरें अच्छे से संरक्षित होंगी। अनुरोध है कि कुछ शस्त्र सेना को उपहार के तौर पर देने पर विचार करें।'

पत्र में पूर्व मंत्री को विश्वास दिलाया है कि रामपुर राज्य की पट्टिका के साथ सैन्य संस्थानों में इन धरोहरों के जरिए रामपुर रियासत का का गौरव बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने आशा जताई है कि सभी परिवार के सदस्य गर्व की भावना महसूस करेंगे कि तत्कालीन रामपुर राज्य हथियार अब भारतीय सेना के संरक्षण में होगा। गौरतलब है कि नवाब खानदान में इन दिनों संपत्ति की बंटवारा चल रहा हैं। शुक्रवार को बेशकीमती जेवरात होने की उम्मीद में स्ट्रॉग रूम भी कटवाकर खोला गया था।ह्य

रियासत के 16 वारिस हैं इस वक्त

रामपुर के नवाब खानदान में संपत्ति के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद को हल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर, 2019 में रामपुर के आखिरी नवाब रजा अली खां की संपत्ति का बंटवारा मुस्लिम पर्सनल लॉ और शिया पर्सनल लॉ के हिसाब से सभी वारिसों में करने का आदेश दिया था। संपत्ति पर 18 लोगों ने दावा किया था, जिनमें 2 की मौत हो चुकी है। संपत्ति का बंटवारा 16 लोगों में किया जाना है। कोर्ट की ओर से नियुक्त दो कमिश्नर रामपुर के नवाब की संपत्ति का मूल्यांकन कर रहे हैं।

'जनरल ऑफिसर सुब्रमणि ने नवाब को पत्र भेज किया आग्रह'

जनरल राजा सुब्रमणि ने रामपुर के पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां को पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने 20 फरवरी को मुख्यालय के ब्रिगेडियर एम.एस. जोधा के साथ हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के परिणामस्वरूप शाही परिवार के सदस्यों के बीच निजी संपत्तियों के विभाजन में बड़ी संख्या में दुर्लभ एंटीक बंदूकें, पिस्तौल, तलवार, चाकू और अन्य शस्त्र मिले हैं।

नारी शक्ति से सम्मानित महिला पायलट्स का संदेश- कड़ी मेहनत ही दिलाएगी सपनों को उड़ान

■ 2018 में मिग-21 विमान की पहली उड़ान भरने वाली महिला पायलट्स को मिला सम्मान

■ मोहना जितरवाल, अवनी चतुर्वेदी और भावना कांत को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली(ए.)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इंडियन एयरफोर्स की पहली महिला पायलट्स में शामिल भावना कांत, मोहना जितरवाल और अवनी चतुर्वेदी को नारी शक्ति पुरस्कार दिया। महिला पायलट्स ने संदेश देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत की बदौलत ही सपनों की उड़ान का सफर तय किया जा सकता है।

साल 2018 में एयरफोर्स की पहली महिला फाइटर पायलट्स के रूप में तैनात हुईं मोहना जितरवाल, अवनी चतुर्वेदी और भावना कांत को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन तीनों ने 2018 में मिग-21 विमान की पहली उड़ान भरने वाली पायलट होने का गौरव प्राप्त किया। फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहाना सिंह जितरवाल ने कहा, 'मैं भारतीय वायुसेना का धन्यवाद देना चाहती हूं कि अब हमें फाइटर्स में जाने का मौका मिल रहा है। सभी लोगों के लिए मेरा संदेश यही है कि अपने सपनों को पाने के लिए प्रयास करते रहें।'

पाक पर चुप्पी, भारत पर उंगली, भड़के जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने UNHRC चीफ के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है

■ जयशंकर ने कहा कि दुनिया को कश्मीर में पाकिस्तान और भारत की भूमिका को समझना चाहिए

नई दिल्ली(ए.)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आर्टिकल 370 और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की उच्चायुक्त मिशेल बैश्ले की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सीमापार आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका पर आंखें मूंदे रखने पर हैरानी जताई और कहा कि संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था का आकलन बिल्कुल गलत है। बैश्ले ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को निष्प्रभावी किए जाने और नागरिकता (संशोधन) कानून लाने जैसे फैसलों की आलोचना की थी।

विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा, 'यूएनएचआरसी सीमापार आतंकवाद पर चुप रहती है। मानो उसे पड़ोसी देश (पाकिस्तान) की गतिविधियों से कुछ लेनादेना ही नहीं है। कृपया समझिए कि वे (आंतकवादी) कहां से आ रहे हैं।

भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

भारत यूरोपियन यूनियन या अमेरिकी संसद की कुछ समितियों जैसे विभिन्न विदेशी संगठनों की ओर से की गई आलोचना पर भी कड़ी प्रतिक्रिया जता चुका है। भारत ने यह कहकर इन संगठनों की आलोचना की कि इन्होंने कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा और समर्थन देने में पाकिस्तान की भूमिका और वहां 'शांति' स्थापित करने की दिशा में भारत की जद्दोजहद को नजरअंदाज किया है। विदेश मंत्री की ताजा टिप्पणियां भी इसी तर्ज पर हैं।

राष्ट्रविहीन लोगों की संख्या घटाने के लिए सीएए: विदेश मंत्री

एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने यह कहते हुए सीएए का बचाव किया कि इससे राष्ट्रविहीन लोगों की संख्या घटाने का मकसद पूरा होगा जिसकी तारीफ होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'नागरिकता की बात करते हुए संदर्भ और मानक को ध्यान में रखा जाता है। दुनिया के एक भी देश बताइए जो कहता हो कि दुनिया के हर व्यक्ति का स्वागत है। ऐसा एक भी देश नहीं है।' उन्होंने सीएए के विशेष उद्देश्य की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'हमने इस कानून के जरिए राष्ट्रविहीन लोगों की संख्या घटाने की कोशिश की है... हमने इसे इस तरह किया जिससे हमारे सामने और बड़ी समस्या खड़ी न हो जाए।'

प्रशांत किशोर को राज्यसभा का टिकट? अटकलों पर ममता बनर्जी ने लगाया ब्रेक

■ टीएमसी ने जिन चार नामों का ऐलान किया है, उसमें प्रशांत किशोर का नाम नहीं

कोलकाता(ए.)। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है कि प्रशांत किशोर को उनकी पार्टी राज्यसभा भेज रही है। पश्चिम बंगाल की पांच राज्यसभा सीटों में से चार के लिए टीएमसी ने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। ये चार नाम अर्पिता घोष, मौसम नूर, दिनेश त्रिवेदी और सुब्रत बख्शी के हैं। इनमें प्रशांत किशोर का नाम ना होने से यह स्पष्ट है कि टीएमसी पीके को राज्यसभा नहीं भेज रही है।

चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर को हाल ही में नीतीश कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। उसी वक्त से कयास लगाए जा रहे थे कि प्रशांत किशोर टीएमसी या अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का हाथ थाम सकते हैं।

ममता बनर्जी बोलीं- गर्व है कि आधे नाम महिलाओं के हैं

उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करते हुए ममता बनर्जी ने इसे महिला दिवस से भी जोड़ा। ममता बनर्जी ने अपने ट्वीट में लिखा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टीएमसी राज्यसभा के लिए अर्पिता घोष, मौसम नूर, दिनेश त्रिवेदी और सुब्रत बख्शी को नॉमिनेट कर रहे है। जैसा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में मेरा हमेशा प्रयास रहा है, मुझे गर्व है कि हमने जो नाम दिए हैं, उनमें आधे नाम महिलाओं के हैं।'

'थप्पड़' फ्लॉप : बौखलाए अनुभव ने आलोचकों के लिए लिख दिए अपशब्द

मुंबई(ए.)। अनुभव सिन्हा के डायरेक्शन में बनी थप्पड़ बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास जलवा नहीं दिखा सकी है। इस फिल्म को तारीफ तो मिली लेकिन इसे लोगों का रिस्पॉन्स कुछ खास नहीं मिला। अब इसके कलेक्शन पर हो रहीं आलोचनाओं पर डायरेक्टर अनुभव सिन्हा इतना बौखला गए हैं कि उन्होंने सोशल मीडिया पर गंदी-गंदी गालियां लिख दीं।

हाल में तापसी पन्नू के लीड रोल वाली फिल्म 'थप्पड़' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को क्रिटिक्स ने काफी सराहा था लेकिन पब्लिक को यह फिल्म कुछ खास पसंद नहीं आई और बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। अब लगता है कि इस फिल्म के डायरेक्टर अनुभव सिन्हा भी इस फिल्म की असफलता से बौखला गए हैं। अनुभव ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की आलोचना करने वालों के लिए अपशब्द लिख दिए हैं। अनुभव सिन्हा ने 'थप्पड़' से पहले 'आर्टिकल 15', 'मुल्क' और 'तुम बिन' जैसी बेहतरीन फिल्मों का डायरेक्शन किया है।

कोरोना से लड़ने तैयारी पूरी | दिल्ली के सीएम बोले- 25 अस्पतालों में कोरोना के संक्रमण की जांच की व्यवस्था

केजरीवाल ने बताया, कितनों के संपर्क में आए संक्रमित

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश की राजधानी में कोरोना वायरस से संक्रमित 3 पॉजिटिव और एक संदिग्ध केस सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि पहला रोगी 105 लोगों के संपर्क में आया, दूसरा रोगी 168 लोगों के संपर्क में आया और तीसरा रोगी 64 लोगों के संपर्क में आया। इन सभी लोगों अलग जगह पर रखा गया है और उनके सैंपल लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में अब तक 1 लाख 40 हजार 603 यात्रियों की स्क्रीनिंग की गई है। 25 अस्पतालों में कोरोना के संक्रमण की जांच की व्यवस्था की गई है।

25 अस्पतालों में कोरोना के जांच की व्यवस्था: केजरीवाल: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि उनकी सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए एहतियातन कदम उठाते हुए डीटीसी और कलस्टर बसों, मेट्रो और अस्पतालों को नियमित आधार पर संक्रमण मुक्त करने के आदेश दिए हैं। केजरीवाल ने कहा कि कोरोना वायरस मरीजों के लिए 25 अस्पतालों में 168 अलग बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से अपील की है कि अगर उनका कोई पड़ोसी पिछले 14 दिन में विदेश से लौटा है तो उन्हें सरकार को इसकी सूचना देनी चाहिए।

'संक्रमित लोग जिनके संपर्क में आए उनकी भी जांच'

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अभी तक कोरोना वायरस के तीन केस हैं, हम इसके लिए सचेत हैं। ये संक्रमित लोग जिनके भी संपर्क में आए थे, उन सभी लोगों की जांच कराई जा रही है। अभी तक दो अस्पतालों में कोरोना वायरस की जांच होती थी, अब 25 अस्पतालों में इसकी व्यवस्था की जा चुकी है। दिल्ली सरकार के 40 डॉक्टर दिल्ली एयरपोर्ट पर मौजूद हैं। सभी लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग हो रही है। अभी तक 1 लाख 40 हज़ार से ज्यादा लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि संक्रमित लोगों को पेड लीव प्रदान करें, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित नहीं हो।

दिल्ली में कोरोना से संक्रमित 3 पॉजिटिव केस

कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने टास्क फोर्स के साथ एक बैठक की। इस बैठक के बाद उन्होंने कहा कि कोरोना मामले को लेकर दिल्ली सरकार पूरी तरह से तैयार है। आप सभी को घबराने की जरूरत नहीं है, हम आपकी सेहत को लेकर चिंतित हैं। अपने आपको कोरोना से बचाकर रखें। सभी लोग एहतियात बरतें, सरकार आपके परिवार के लिए सभी कदम उठा रही है। लोगों को मास्क और सैनिटाइजर को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है।

कोरोना वायरस : केरल में 5 नए पॉजिटिव केस, देश-दुनिया का हाल

केरल में 5 नए पॉजिटिव केस, जानिए देश-दुनिया का हालदेश में कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे हैं। केरल में कोरोना के पांच और तमिलनाडु में एक पॉजिटिव केस सामने आया है। इसके साथ ही देश में अब तक कोरोना से पीड़ित लोगों की संख्या 40 पहुंच गई है। इससे पहले शनिवार को जम्मू-कश्मीर में कोरोना वायरस का पहला पॉजिटिव केस मिला था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने बताया कि कोरोना वायरस से पीड़ित पांच लोगों को आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है। ये सभी मामले पथानामथिट्टा जिले में सामने आए हैं। यहां हाल ही में तीन लोग इटली से लौटे थे। इनको कोराना का संक्रमण था और इसकी वजह से दो अन्य लोग भी वायरस का शिकार हो गए।

भारत में कोरोना के 40 पॉजिटिव केस

भारत सरकार इस वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। जिन लोगों में कोरोना के लक्षण मिले हैं उनमें इटली के 16 नागरिक हैं। इसके अलावा केरल में 5, तमिलनाडु में 2, आगरा में 6, दिल्ली में 3, नोएडा, गाजियाबाद और तेलंगाना में एक-एक मामले की पुष्टि हुई है। खुद पीएम नरेंद्र मोदी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। तमिलनाडु ही हेल्थ सेक्रटरी बीला राजेश ने बताया कि एक शख्स कोरोना पॉजिटिव मिला है और उसे अस्पताल में निगरानी में रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में 1086 संदिग्ध मरीजों को घर में आइसोलेट करके रखा गया है।

J&K में भी कोरोना का पहला पॉजिटिव केस

शनिवार को जम्मू-कश्मीर में कोरोना वायरस का पहला पॉजिटिव केस सामने आया। वहीं, अमृतसर में भी 2 संदिग्ध केस मिले हैं। ये दोनों केस शुरुआती जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं। दोनों ही मरीज हाल ही में इटली गए थे और दोनों ही होशियारपुर के रहने वाले हैं। अब उनके सैंपल को फाइनल टेस्ट के लिए नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजा गया है। वहीं, लद्दाख और तमिलनाडु में भी कोरोना के दो-दो पॉजिटिव केस का पता चला है।

ट्रंप के कार्यक्रम में कोरोना संक्रमित शामिल!

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यक्रम में कोराना संक्रमित के पहुंचने की खबर सामने आने से हड़कंप मच गया। अमेरिका में शीर्ष राजनीतिक कंजर्वेटिव्स के एक सम्मेलन में यह शख्स शरीक हुआ। इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति माइक पेंस भी शामिल हुए थे। वाशिंगटन के पास 26-29 फरवरी को हुए इस कार्यक्रम में वाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के आयोजक अमेरिकन कंजर्वेटिव यूनियन ने ट्वीट किया, 'यह वायरस सम्मेलन से पहले फैला था। न्यू जर्सी के एक अस्पताल ने व्यक्ति की जांच की और पॉजिटिव नतीजे की घोषणा की।' इस व्यक्ति को अलग रखा गया है और वह न्यू जर्सी में डॉक्टरों की निगरानी में है। बयान में कहा गया है, 'इस व्यक्ति का राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति से कोई संपर्क नहीं था और वह मुख्य सभागार में कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुआ।'

इटली में म्यूजियम, सिनेमा हॉल हुए बंद

इस बीच इटली ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत देश भर में संग्रहालय, सिनेमा और थिअटर बंद कर दिए हैं। उत्तरी इटली में लाखों लोगों को रविवार तड़के जबरन अलग-थलग कर दिया गया। घातक वायरस को फैलने से रोकने के सरकार के कठोर प्रयासों के तहत यह कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ग्युसेप कोंटे ने बताया कि उन्होंने वेनिस और मिलान समेत उत्तरी इटली के बड़े हिस्सों में आवाजाही पर सख्त पाबंदियां लगाने की योजना पर दस्तखत किए हैं।

अर्जेंटीना में कोरोना से मौत का पहला मामला

अर्जेंटीना में कोरोना वायरस संक्रमण से 64 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। लातिन अमेरिकी देश में संक्रमण से मौत का यह पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरीज ब्यूनस आयर्स में रहते थे। वह हाल में यूरोप की यात्रा पर गए थे, जहां से लौटने के बाद, उन्हें जुकाम, बुखार और गले में तकलीफ होने की समस्या हुई थी। इसके बाद उनके खून के नमूनों की जांच की गई तो उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके अलावा पेरू में शनिवार को कोविड -19 के पांच नए मामले सामने आए। इसी के साथ देश में संक्रमण के छह मामले हो गए हैं।

मेडिकल मास्क के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाएगा फेसबुक

फेसबुक ने चेहरे पर लगाए जाने वाले मेडिकल मास्क संबंधी विज्ञापनों पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। कोरोना के बारे में सोशल मीडिया के जरिए फैल रही अफवाहों को रोकने के मकसद से ऐसा किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि इस फैसले के तहत सोशल मीडिया मंच पर विज्ञापनों पर रोक लगने के साथ साथ फेसबुक मार्केटप्लेस पर कमर्शल उद्देश्य से भी पोस्ट डालने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

मंदिरों में चढ़े और सीएम हाउस से मिले फूलों से बनाया हर्बल गुलाल

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। इस होली के पर्व पर बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने कवर्धा के भोरमदेव मंदिर में चढ़े फूलों और मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त गुलदस्तों से हर्बल गुलाल तैयार कर लोगों को हर्बल रंग से होली खेलने की सौगात दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में रायपुर जिले के सेरीखेड़ी महिला स्व-सहायता समूह और कबीरधाम जिले के जय गंगा मईया महिला स्व-सहायता समूह के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और मुख्यमंत्री को उन्होंने फूलों से निर्मित हर्बल गुलाल भेंट किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महिला समूहों को हर्बल गुलाल के निर्माण के लिए संचालित गतिविधियों पर अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इन महिला समूहों के अभिनव पहल की खूब सराहना की। महिला समूहों द्वारा मंदिरों में चढ़े और मुख्यमंत्री निवास से मिले फूलों का बेहतरीन ढंग से उपयोग कर हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री बघेल को महिला स्व-सहायता समूहों ने भेंट किया हर्बल गुलाल

समूह की महिलाओं की अभिनव पहल को सीएम भूपेश बघेल ने सराहा

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर कहा - मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि महिलाओं ने मंदिरों से पूजा के बाद निकलने वाले फूलों का सदुपयोग गुलाल बनाने में किया है। इसी तरह शादी विवाह, अन्य कार्यक्रम के साथ मुख्यमंत्री निवास के निकलने वाले फूलों का उपयोग भी हर्बल गुलाल बनाने में किया जा रहा है। इसके लिए इन सभी महिलाओं को साधुवाद देता हूं। रायपुर जिले के सेरीखेड़ी की महिलाओं ने अभी तक 8 क्विंटल गुलाल बनाया है। केवल यही नहीं बुके और गुलदस्तों के पन्नियों और रेपर का उपयोग इन महिलाओं ने साबुन को पैक करने में कर रही है तथा फूलों और बुके के अन्य डिंडियो आदि का उपयोग वे जैविक खाद बनाने में कर रही है। इसी तरह कबीरधाम जिले की जय गंगा मईया महिला स्व-सहायता समूह द्वारा छत्तीसगढ़ के खजुराहो के नाम से विख्यात श्री भोरमदेव मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए फूलों से हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। इनके द्वारा अब तक तैयार 4 क्विंटल गुलाल को बाजार में बिक्रय कर 52 हजार रूपए की आय अर्जित कर ली गई है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने जय गंगा मईया महिला स्व-सहायता समूह द्वारा 9 अलग-अलग रंगों में तैयार किए जा रहे हर्बल गुलाल को भी सराहनीय बताया। श्री भोरमदेव मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिदिन लगभग 200 से 300 किलो फूल चढ़ाया जाता है, जो सप्ताह के अंत में 400 से 500 किलो तक हो जाता है। उमंग और उल्लास के त्यौहार होली में अब लोगों को हर्बल गुलाल सहजता से सस्ते कीमत पर उपलब्ध होगा। गौरतलब है कि हर्बल गुलाल का स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है, बल्कि यह ठण्डक प्रदान करता है। इसके आंखों में चले जाने से कोई जलन नहीं होता है। इसके अलावा त्वचा तथा बालों को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। हल्दी, गेंदा, गुलाब, चुकन्दर, पालक, अनार जैसे प्राकृतिक पुष्प तथा फलों से बने जैविक अथवा हर्बल गुलाल स्वास्थ्य के लाभकारी है।

न्यूज गैलरी

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर आज आएंगे रायपुर

रायपुर। केन्द्रीय वित्त एवं कारपोरेट राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर एक दिवसीय यात्रापर 09 मार्च को रायपुर आएंगे । अपनी यात्रा के दौरान केन्द्रीय मंत्री सुबह 11.00 से 12.30 बजे तक व्यावसायिक संगठनों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों से और 12.30 से 01.30 बजे तक प्रोफेशनल्स के साथ चर्चा करेंगे । इसके बाद केन्द्रीय मंत्री 03.00 से 03.30 बजे तक प्रेस को संबोधित करेंगे । 03.30 से 04.40 बजे वे सीबीआईसी और सीबीडीटी के अधिकारियों से संवाद करेंगे । 04.30 बजे से 05.50 बजे तक बुद्धिजीवियों और ओपिनियन मेकर्स से मुख्य हाल, होटल मेरियट कोर्टयार्ड में चर्चा करेंगे।

भाजपा नहीं उतारेगी राज्यसभा सदस्य के लिए उम्मीदवार-कौशिक

रायपुर। विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा है कि राज्यसभा सदस्य के लिए भाजपा इस बार अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। श्री कौशिक ने मीडिया को दिए बयान में कहा है कि विधानसभा में इस बार हमारे दल की संख्या कम होने के कारण छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य के लिए भाजपा अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। उन्होंने नये प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कहा कि नया प्रदेश अध्यक्ष किसे बनाना है यह पार्टी तय करती है।

होली मिलन समारोह का आयोजन 12 को

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विवि से लगे ग्राम कुकुरबेड़ा के सामुदायिक भवन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीणों द्वारा 12 मार्च को शाम 6 बजे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। समिति की सदस्य डॉ. अर्चना साहू ने बताया कि उनके ग्राम में सभी धर्मों एवं समुदायों के साथ होली मिलन समारोह मनाने की परंपरा काफी पुरानी रही है।

मशरूम उत्पादन केंद्र से देशी मुर्गा, मुर्गियों की चोरी

रायपुर। ग्राम तेंदूआ निवासी श्रीमती नम्रता यदु पति डॉ. सीएल यदु ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थिया सेक्टर 2 देवेंद्र नगर रायपुर की निवासी हैं नवा रायपुर तेन्दुआ में छत्तीसगढ़ मशरूम उत्पादन केन्द्र है जिसमे मै देशी एवं कड़कनाथ नश्ल के मुर्गा, मुर्गी रखकर पालन कर रही है 5 मार्च की रात्रि कोई अज्ञात चोर मशरूम उत्पादन केन्द्र मे प्रवेश कर प्रजनन के लिए रखे गये देशी/कड़कनाथ मुर्गा, मुर्गियों मे से 1 देशी मुर्गा 7 किलो एवं 4 कड़कनाथ मुर्गा लगभग 2 से 3 किलो ग्राम को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है चोर का हुलिया फार्म में लगे सीसीटीवी केमरा में आया हैं।

प्रदेश में जनगणना 2011 के आधार पर कराई जाए: जांगड़े

रायपुर। केन्द्र सरकार द्वारा देश में जब से सीएए, एनआरसी और एनपीआर कानून लागू हुआ है तब से देश में नागरिकता के संबंध में अहम सवाल उठे हैं। यह कानून क्रूर, अनैतिक, अप्राकृतिक, अवैधानिक, असंवैधानिक काला कानून है। उक्त कानून के जरिए नागरिकता रजिस्टर में दिए गए कालम में माता-पिता का जन्म स्थान सन एवं तारीख दर्ज कराई जानी है जबकि प्रदेश में बड़े- बुढ़ों द्वारा सालों साल पहले निरक्षर होने के कारण इस तरह की जानकारी बस्तर, सरगुजा सहित आदिवासी बहुल क्षेत्रों में उपलब्ध कराना असंभव है।

उक्त आरोप प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में रामकृष्ण जांगड़े अधिवक्ता, शत्रुघन साहू अधिवक्ता, प्रभाकर ग्वाल पूर्व न्यायाधीश एवं ओपी वर्मा पूर्व ज्वाइंट कलेक्टर ने प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में दी। वार्ताकारों ने पत्रकारवार्ता में कहा कि 150 साल पहले जिन पूर्वजों की मृत्यु हो गई है। उनका जन्म प्रमाण पत्र कहां से लाया जाए।

बिहार, बंगाल, आंध्रप्रदेश, केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश की तर्ज में छत्तीसगढ़ में भी 2011 की जनगणना को आधार बनाके गणना करने का अनुरोध उनके संगठन द्वारा मुख्यमंत्री से किया गया है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो छत्तीसगढ़ के 80 प्रतिशत एसटी-एससी, 70 प्रतिशत एससी, 60 प्रतिशत ओबीसी एवं 50 प्रतिशत अल्पसंख्यक लोग अपनी नागरिकता प्रमाणित नहीं कर पाने के कारण डिटेंशन सेंटर में डाल दिए जाएंगे।

नाबालिग से किया अनाचार पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

रायपुर। कम उम्र की किशोरियों के साथ खुले आम अनाचार होने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। ग्राम चरमुड़िया तहसील कुरूद जिला धमतरी की पीड़िता ने अपने अधिवक्ता प्रभाकर ग्वाल पूर्व न्यायाधीश के साथ संयुक्त पत्रकारवार्ता प्रेसक्लब रायपुर में लेते हुए बताया कि उनके साथ बब्बा, बिरजू साहू, दिनेश, राजकुमार साहू, माला साहू, आदि ने षडयंत्र पूर्वक उन्हें अपने घर में दो जून 2019 को घर में बुलाकर अकारण मारपीट की। उसके बाद बब्बा एवं बिरजू उन्हें घसीटते हुए आटों में बैठाकर देवपुर ले गए जहां पर माला साहू ने उन्हें नशीला पेय पिलाया जिसके उन्हें चक्कर आया और वे बेहोश हो गईं। उन्होंने बताया कि आरोपी रसूखदार परिवारों के लड़के हैं जिसके चलते अब तक कुरूद पुलिस एवं धमतरी पुलिस द्वारा दंडात्कम कार्यवाही हेतु मामले की एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इस संबंध में पीड़िता के अधिवक्ता प्रभाकर ग्वाल ने बताया कि मामले के संबंध में पुलिस अधीक्षक धमतरी को लिखित में ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है। उक्त मांग पूर्ण नहीं होने पर होली के बाद न्यायालय खुलने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुरूद के न्यायालय में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी।

होली पर शांति व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिस के होंगे तगड़े इंतजाम

हुड़दंगियों पर होगी तत्काल कार्रवाई

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी फाल्गुन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 9 एवं 10 मार्च को प्रदेश एवं देश भर में होली त्योहार धूमधाम से मनाये जाने की तैयारियां अंतिम चरणों पर चल रही हैं। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ढोल नगाड़े के साथ ही देर रात तक ग्रामीणों एवं शहरवासियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों के साथ ही होली पर्व पर उत्साह प्रकट किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि होली के अवसर पर इस वर्ष भी पुलिस प्रशासन द्वारा डीजीपी छत्तीसगढ़ के निर्देश पर शांति व्यवस्था कायम करे के लिए कड़े निर्देश जारी किये गये हैं।

हर चौक-चौराहों में तैनात रहेंगे जवान

किसी भी अवस्था में अप्रिय वारदात को रोकने के लिए शहर के प्रत्येक चौक चौराहों पर पुलिस के जवान ड्यूटी में तैनात रहेंगे। मिली जानकारी के अनुसार पीसीआर वैन भी शहर के भीतरी इलाकों में गश्त कर माहौल का जायजा लेगी। हुड़दंगियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। किसी भी दशा में शराब पीकर वाहन चलाने वालों एवं हुड़दंग करने वालों पर ड्यूटी में तैनात जवान एवं अधिकारी तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कर मामले को दर्ज करेंगे। गौरतलब है कि विधानसभा का बजट सत्र भी चल रहा है। ऐसी दशा में पुलिस अधीक्षक रायपुर एवं समस्त जिलों के पुलिस अधिकारी होली के अवसर पर शांति व्यवस्था कायम करने के लिए सक्रिय हो गय हैं।

100 से अधिक जगहों पर होलिका दहन किया जाएगा

राजधानी रायपुर में 09 मार्च सोमवार को छोटी-बड़ी मिलाकर 100 से अधिक जगहों पर होलिका दहन किया जाएगा। होलिका दहन से सड़कों को नुकसान ना पहुंचे और होलिका दहन के बाद राख और अधजली लकड़ियों सड़कों पर बिखरे नहीं इसे ध्यान में रखते हुए होलिका दहन जगह पर नगर निगम द्वारा मुरूम बिछाया जा रहा है। मुरूम बिछाने से होलिका दहन के बाद राख और अधजली लकड़ियों को उठाने में आसानी होगी, जिससे सड़कों पर साफ-सफाई भी बनी रहेगी। निगम प्रशासन ने होलिका दहन जगहों के आसपास रात में रोशनी आदि व्यवस्था करने के साथ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी

शहर में होलिका दहन की तैयारियां तेज

होलिका दहन को लेकर रायपुर शहर के गली-मोहल्लों के साथ ही चौक-चौराहों में जोरदार तैयारियां शुरू हो गई है। प्रमुख चौक-चौराहों में होलिका दहन के लिए सूखी लकड़ियों, कंडों के ढेर सजाया जा रहा है। कल होलिका दहन के बाद मंगलवार को होली पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर में होली पर्व की खुमारी अभी से सिर चढ़कर बोलने लगी है। प्रमुख चौक-चौराहों में जहां होलिका दहन के लिए तैयारी शुरू हो गई है तो वहीं शहर के बाजारों में रंग-गुलाल और पिचकारी की दुकानें भी सजकर तैयार हो गई है। बाजार में होली की खुमारी भी शुरू हो गई है। बाजार में होली पर्व को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है। शहर में भी होली का उत्साह अब झलकने लगा है। बच्चे आज से ही रंग-गुलाल खेलना शुरू कर चुके हैं। शासकीय और निजी कार्यालयों में कल शनिवार को ही कर्मचारियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार कर दिया था। शहर के गली-मोहल्लों में नगाड़ों की थाप पर फाग की मस्ती भी फिजा में घुल रही है।

शुरुआत राज्य में पोषण पखवाड़ा शुरू , महिला व बालविकास मंत्री के वनकॉलोनी स्थित आवास से रवाना हुआ रथ

मंत्री भेंड़िया ने सुपोषण रथ को दिखाई हरी झंडी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने 8 मार्च पोषण पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर राजधानी के वन कॉलोनी स्थित अपने निवास से जनजागरूकता के लिए सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। इस दौरान महिलाओं ने श्रीमती भेंड़िया को पोषण पखवाड़ा का संदेश 'पोषण मेरी भी जिम्मेदारी...' लिए राखी बांधी। यह रथ रायपुर सहित बिलासपुर, राजनांदगांव, बालोद और कोरबा जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घूम कर सुपोषण का संदेश देगा। छत्तीसगढ़ को कुपोषण मुक्त करने के लिए राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत प्रदेश में पोषण पखवाड़ा आज 8 मार्च से शुरू होकर 22 मार्च तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश भर में सुपोषण के प्रति जन-जागरूकता के प्रयास किये जाएगें और स्वास्थ्य सुरक्षा सबंधी कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। मंत्री श्रीमती भेंडिया ने इस अभियान के सूत्र वाक्य 'सही पोषण देश रोशन' को अपनाने के लिए कहा जिससे एक नये स्वस्थ और सुपोषित समाज का निर्माण हो सके। सुपोषण रथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के गांवों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर कुपोषण दूर करने के संबंध में जन-जागरूकता लाने का काम करेगा। सुपोषण रथ से आडियो वीडियो के माध्यम से लोग महिलाओं और बच्चों में स्वच्छता और सुपोषण के महत्व के बारे में जान सकेंगे। सुपोषण रथ से पौष्टिक आहर और मां और बच्चे को सही पोषण और देखभार संबंधी पॉम्प्लेट भी वितरित किये जाएंगे। इसके तहत शिशु को प्रथम एक हजार दिन तक दिए जाने वाले भोजन, एनीमिया, डायरिया से बचाव, हाथ धुलाई और स्वच्छता के बारे में गांव वासियों को बताया जाएगा और कुपोषण दूर करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस इस मौके पर विभागीय आयुक्त जनमेजय मोहबे, वर्ल्ड विजन इंडिया के के एसोसिएट डायरेक्टर सत्य प्रकाश सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थी।

शासन रत्न सागर की बड़ी दीक्षा महोत्सव में पहुंचे अनेक प्रान्तों के श्रद्धालु

मनीष सागर जी महाराज साहब ने दिलाई बड़ी दीक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। पंचम आरे में जो इंसान साधु बने वो महान है ? शिल्पी और शिल्पकार जैसा ही गुरु - और नूतन साधु का (शिष्य) संबंध होता है। जैसे शिल्पकार कड़े से कड़े पत्थर को भी तराश कर पूज्यनीय बना देता है। वैसे ही नूतन साधु को समर्पित भाव से गुरु भगवंत तराश देते हैं। साधु विन्रम सागर जी महाराज साहब ने अपने उदगार बड़ी दीक्षा महोत्सव के अवसर पर कैवल्यधाम तीर्थ परिसर में व्यक्त किया।जिन महोदय सागर सूरि आराधना भवन (उपाश्रय) में 'अध्यात्म योगी 'परम पूज्य महेन्द्र सागर जी महाराज साहब के सुशिष्य युवा मनीषी डॉ मनीष सागर जी महाराज साहब ने नूतन दीक्षित साधु शासन रत्न सागर जी महाराज साहब को प्रातःनौ बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक बडी दीक्षा की विधि सम्पन्न करायी। परम पूज्य महेन्द्र सागर जी महाराज आदि ठाणा, बस्तर प्रहरी परम पूज्या राजेश जी महाराज साहब आदि ठाणा अठठारह साधु साध्वी भगवन्तों की पावन निश्रा में चतुर्विद संघ की उपस्थिति में बड़ी दीक्षा महोत्सव संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कैवल्यधाम तीर्थ परिसर में अनेक प्रान्तों में से महाराष्ट्र ,ओडिसा, मध्यप्रदेश, बैंगलोर, गुजरात, छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कैवल्य धाम जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष धरम चंद लूनिया, महामंत्री सुपारस चंद , कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर बैदमुथा, मंत्री तिलोकचंद बरडिया, ट्रस्टी सर्व सुरेश कांकरिया, स्वरूप चंद श्रीश्रीमाल, अजय गोलछा,योगेश लूनावत,पारसचंद झाबक, जीवनचंद लोढ़ा, प्रकाशचंद मालू, डॉ वीरेंद्र नाहर, उज्जवल झाबक, राजेश गिडिया,विजय कांकरिया, सुभाष मेहमवाल, महेंद्र खजांची,प्रकाश गोलछा, सुरेश चंद्र जैन,रूपेश नाहर,मदन गोलछा, महेंद्र गोलछा,कांतीलाल चतुरमुथा,भरत बुरड़,दिनेश बैद, प्रेमचन्द चोपड़ा, रमेश पाटीदार विजय कोठारी, संजय चोपड़ा,सहित विचक्षण जैन विद्यापीठ के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाये उपस्थित थे। कैवल्यधाम तीर्थ में अबतक ग्यारह साध्वी भगवंत व चार साधु भगवंत की बडी दीक्षा सम्पन्न हो चुकी है।आज शासन रत्न सागर जी महाराज साहब की बड़ी दीक्षा के साथ साधु भगवंतो की संख्या पांच हो गयी।

संपादकीय

आधी आबादी को आजादी कब

हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। साल में एक दिन महिलाओं को सम्मानित किया जाता है लेकिन बाकि बचे 364 दिनों तक महिलाएं प्रताड़ित होती रहती है। देश की आधी आबादी महिलाओं को आखिर उत्पीड़न से आजादी कब मिलेगी। भारत में तो नारी शक्ति की पूजा करने की परंपरा रही है। कहा गया है कि जहां नारी कीपूजा होती है। वहीं भगवान बसते है। इसके बावजूद भारत में महिलाओं की स्थिति बद्तर बनी हुई है। यह ठीक है कि भारतीय महिलाओं ने खुद को साबित किया है और आज वे हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है और अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख रही है। महिलाएं सिर्फ घर की चार दिवारी तक सीमित नहीं है। वे राजनीति से लेकर व्यवसाय तक हर क्षेत्र में अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज करा रही है और देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इसके बाऊजूद महिलाओं के साथ आज भी दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। घर हो या बाहर महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हो रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 15 वर्ष से 50 वर्ष तक की उम्र वाली लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा की शिकार होती है। इनमें घरेलू और कामकाजी महिलाएं शामिल है। महिलाओं के प्रति अत्याचार के हर साल लगभग डेढ़ लाख मामले सामने आते है। जबकि इनसे कई गुनाह मामले सामने ही नहीं आ पाते। सरकार ने महिलाओं को हिंसा से बचाने कई कड़े कानून बनाए है लेकिन वे प्रभावी सिद्ध नहीं हो पा रहे है। कानून और व्यवस्था की इस कदर खराब है कि महिलाओं को न्याय नहीं मिल पाता इसका ज्वलंत उदाहरण निर्भया है। जिसके गुनाहगारें को सात साल गुजर जाने के बाद भी फांसी की सजा नहीं मिल पाई है। निर्भया की मां लगातार निर्भया को इंसाफ दिलाने के लिए संघर्ष कर रही है। देश में ऐसी और कई निर्भया है। जो वर्षों से न्याय की बांट जोह रही है। भारत में महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मामला भी दशकों से खटाई में पड़ा हुआ है। जब तक महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र में पर्याप्त भागीदारी नहीं दी जाएगी और समाज में उन्हें उचित स्थान नहीं दिया जाएगा। तब तक महिला सशक्तिकरण का सपना साकार नहीं हो पाएगा। अतंराष्ट्रीय महिला दिवस की सर्थकता उसी दिन सिद्ध हो पाएगी। जब देश की आधी आबादी खुली हवा में सांस ले पाएगी और इस पुरूष प्रधान समाज में सही अर्थों में बराबरी का दर्जा प्राप्त कर पाएगी।

हुड़दंग का पर्व नहीं है होली

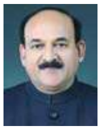

विजय मिश्रा 'अमित'

अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) छ.ग. राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी रायपुर

> इस पौराणिक कथा से यह बात स्पष्ट उजागर हो जाती है कि होली के दिन हुड़ दंगकरने वाले लोग राक्षस कुल के होते हैं तथा नशापान से दूर फाग गाते आपस में गले मिलते लोग भगवान कुल के होते हैं। होलिका दहन समाज के कुप्रथा के अंत और बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत को दर्शाती है। यह पर्व इस बात को भी व्यक्त करता है कि परहित और प्रभु सेवा मे रहने वाले लोग प्रहलाद की तरह अजर-अमर हो जाते है तथा बैर भाव रखने वाले, निन्दाचारी-अत्याचारी लोगों का विनाश होलिका की तरह हो जाता है। इसे भली-भांति जानते हुये भी जो लोग होली के दिन राक्षसों की तरह आचार-विचार रखते हैं और रंगों के त्यौहार को दंगों-हुड़दंगों का त्यौहार के रूप में कलंकित करते हैं, उन्हें ललकारते हुये अंत में कवि अशोक साहिल के शब्दों में कहना होगा कि ''होली पर रंगों की कसम देता हूं तुम्हें, मुझे मजहब के तराजू में न तौला जाये, इंसान रहने की कसम खाई हैं मैने, मुझे हिन्दूया मुसलमान न समझा जाये''।

हमारे देश के किसी भी धर्म के पर्व-त्यौहार हमको हमारी रीति-रिवाज, परम्परा, संस्कार और संस्कृति का ज्ञान कराते हैं। जन-मन के हदृय में उमंग, उल्लास और खुशियों की नई ऊर्जा का संचार करते हैं। यही वजह है कि त्यौहारों की तैयारी में डूबे जनमन अपना सुख-दुख भुला देता है। ऐसा ही एक त्यौहार है, होली जो कि फागुन माह का सिरमौर पर्व है। फागुन माह में चारों ओर हलचल मचा देने वाली होली सुख-दुख, छोटे बड़े जात-पांत, ऊँच-नीच को भूला के एक हो जाने का त्यौहार है। फागुन माह के इस पर्व का नाम आते ही मनमस्तिष्क में राग, रंग, मौज-मस्ती, हंसी-ठिठोली की मनमोहक तस्वीर उभर आती है। सरसो, धनिया, अलसी, सेंभर, पलास के रंग-बिरंगे महकते फूल, आम के बौर और कोयल की कुहु कुहु इस पर्व के आनंद को द्विगुणित कर देते हैं। वर्ष के पूरे ग्यारह माह की भागम-भाग और दौड़-धूप भरी जिंदगी के बाद माह फागुन का पर्व आनंद सागर में हिलोरे लेने का सुख देता है, लेकिन बदलते दौर में आनंद उल्लास के माह फागुन का सिरमौर पर्व होली अब रंग के बजाय हुडदंग का त्यौहार बनते जा रहा है। रंग अबीर, गुलाल से सराबोर होली त्यौहार के आड़ में लोग अश्लील भौंडा और फूहड़ प्रदर्शन करते इसे हुड़दंग का पर्व बनाते जारहे हैं।

सच्चे अर्थों में देखा जाये तो यह पर्व कम खर्चों में ज्यादा सुख देने वाला त्यौहार है। इस दिन लाल, हरा, पीला, गुलाल का एक छोटा सा टीका हरगरीब-अमीर, छोटे-बड़े, ऊंच-नीच के भेदभाव को भूला देने की ताकत से लबरेज होता है। मन में पड़ी गांठें को खोलकर आपसी मनमुटाव को भूला देने वाला यह त्यौहार है। इसी बात को कवि आनंद तिवारी ने छत्तीसगढ़ी भाषा में बखूबी व्यक्त किया है कि ''मया के रंगम मन ल चिभोर ले, अपन अंचरा म मोर गांठ जोर ले, अंतस के सब्बो संसो मिटा जाही, गोठ में थोरिक मदरस ल घोर ले।'' मुझे ध्यान है कि पहले हमारे गॉव में बसंत पंचमी के दिन अरंडी की डंगाल को किसी सार्वजनिक स्थान में गाड़ दिया जाता था और घर-घर से बटोरी हुई सूखे पेड़ की लकडियां तथा कण्डों से होली रचाई जाती थी। हमारे कई साथी गोबर से निर्मित भरभौलियां बनाकर होली में जलाते थे। भरभोलियां बनाने के लिए गोबर के छोटे-छोटे लोई बना कर उसके बीच मे छेदा करके सुखा दिया जाता था। उसके बाद उसे सुतली में माला की तरह गूथ दिया जाता था। एक माला मे सात भरभोलियागुंथा होता था। होलिका दहन के बाद नंगाड़ा बजाते फाग गाने की परम्परा थी। होली की ऐसी सुंदर परम्परा को बनाकर रखना चाहिये। इस पर्व पर हरे पेड़-पौधों को काटने के बजाय इनकी सुरक्षा होनी चाहिये। इसके विपरीत अब होली त्यौहार की आड़ में जो सामाजिक एवं पर्यावरण प्रदूषण का खेल चल रहा है वह इस सुंदर त्यौहार को कलंकित करता है। अतः इस पर्व पर आगे आकर बहके हुये दिशाहीन लोगों को संदेश देना चाहिये कि ''हरे पेड़ कटने न दे, जल स्तर घटने न दे, भाई चारे को जात-धरम में बंटने न दे, होली पर यहीं पैगाम है, हिन्दू को राम राम, मुस्लिम भाईयों को सलाम है।'' जिस तरह दीवाली

दिया और फटाका के बिना रक्षाबंधन रौली और राखी के बिना अधूरा है, उसी तरह रंग-गुलाल के बिना होली की कल्पना नहीं की जा सकती। पर आज-कल रंग गुलाल को छोड़ कर लोग डामर, कीचड़, वार्निष आदि को एक-दूसरे के ऊपर पोतते-उछालते, फूहड़ नाच गाना करते दिखाई देते है। अब तो गाली गलौच और गांजा-भांग, शराब का नशा करना ही होली त्यौहार की पहचान बनती जा रही है। यही वजह है कि होली पर्व पर गांव-शहर में होली खेलने वालों से कहीं ज्यादा पुलिस की टुकड़ी डंडे और राइफल, अश्रु गोलें से लैस गश्त करती हुई दिखाई देती है। होली त्यौहार में मांस-मदिरा का सेवन करके मार-धाड़, चोरी-चकारी और असभ्य हरकतों को प्रदर्शित करने वाले लोगों को सक्ती राज के राजपुरोहित स्वर्गीय शिवकुमार चैबे जी राक्षस कुल के तथा सौम्यतापूर्वक फाग गाते रंग-गुलाल खेलते लोगों को देव कुल के इंसान कहते थे। होली पर हुड़दंग करने वालों को सुधर जाने का संदेश देते हुये वे एक पौराणिक कथा बताते थे कि - हिरण्य कश्यप नाम का एक भारी बलशाली असुर राजा था। वो स्वयं को देवी-देवताओं से बड़ा मानता था। उसके राज में देवी-देवताओं का नाम लेने की कल्पना मात्र से प्रजा थर-थर कांपती थी, इसके विपरीत हिरण्य कष्यप का बेटा प्रहलाद हमेशा प्रभु स्मरण में लीन रहता था। अपने बेटे की भगवान भक्ति को देख-देख कर रात-दिन वह तिलमिलाते रहते प्रहलाद के भक्ति भाव को खतम करने के प्रयास में जुटा रहता था। एक दिन हिरण्य कष्यप ने अपनी बहिन होलिका की गोद में प्रहलाद को बैठा कर बड़ी-बड़ी लकड़ियों से उसे घेरकर आग लगाने का आदेश दिया। दरअसल होलिका को आग में नहीं जलने का वरदान प्राप्त था। यही वजह से हिरण्य कष्यप के मन में विचार आया कि प्रहलाद जल के खाक हो जायेगा, इस घटना को प्रत्यक्ष देखने बड़े-बड़े राक्षसों के साथ ही बड़ी संख्या में आम प्रजा की भीड़ वहां जुट गई। इन सबके सामने लकड़ियों में आग लगा दी गई। धू-धू करती लकड़ियों के संग होलिका भी जलकर राख हो गई पर प्रहलाद प्रभु लीला में लीन भजन गाते, हंसते-मुसकराते जीवित मिला।

इसे देख कर हिरण्य कष्यप के साथ ही साथ वहां उपस्थित राक्षस नशापान करके प्रजाजन को मारने-पीटने लगे, जबकि उनके विपरीत आम प्रजा भक्त प्रहलाद के बचने की खुशी मनाते रंग-गुलाल में लीन प्रभु भजन करते नाचने, गाने में मस्त थे। इस पौराणिक कथा से यह बात स्पष्ट उजागर हो जाती है कि होली के दिन हुड़ दंगकरने वाले लोग राक्षस कुल के होते हैं तथा नशापान से दूर फाग गाते आपस में गले मिलते लोग भगवान कुल के होते हैं। होलिका दहन समाज के कुप्रथा के अंत और बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत को दर्शाती है। यह पर्व इस बात को भी व्यक्त करता है कि परहित और प्रभु सेवा मे रहने वाले लोग प्रहलाद की तरह अजर-अमर हो जाते है तथा बैर भाव रखने वाले, निन्दाचारी-अत्याचारी लोगों का विनाश होलिका की तरह हो जाता है। इसे भली-भांति जानते हुये भी जो लोग होली के दिन राक्षसों की तरह आचार-विचार रखते हैं और रंगों के त्यौहार को दंगों-हुड़दंगों का त्यौहार के रूप में कलंकित करते हैं, उन्हें ललकारते हुये अंत में कवि अशोक साहिल के शब्दों में कहना होगा कि ''होली पर रंगों की कसम देता हूं तुम्हें, मुझे मजहब के तराजू में न तौला जाये, इंसान रहने की कसम खाई हैं मैने, मुझे हिन्दूया मुसलमान न समझा जाये''।

विचार

नारी की पूजा कहां होती है ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है और आज मैं भोपाल आया हूं। कई महिला पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए लेकिन आज भी पत्रकारिता तो क्या, सभी क्षेत्रों में क्या हम महिलाओं को समुचित अनुपात में देख पाते हैं ? मैंने 'समुचित' अनुपात शब्द का प्रयोग किया है, 'उचित' अनुपात का नहीं। उचित का अर्थ तो यह भी लगाया जा सकता है कि दुनिया में जितने भी काम-धंधे हैं, उन सब में 50 प्रतिशत संख्या महिलाओं की होनी चाहिए। यह ठीक नहीं है। कुछ काम ऐसे हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या 50 प्रतिशत से भी ज्यादा रखना फायदेमंद है और कुछ में वह कम भी हो सकती है। असली बात यह है कि जिस काम को जो भी दक्षतापूर्वक कर सके, वह उसे मिलना चाहिए। उसमें स्त्री-पुरुष का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जाति और मजहब का भी नहीं लेकिन इस 21 वीं सदी की दुनिया का हाल क्या है ? संयुक्तराष्ट्र संघ की एक ताजा रपट के मुताबिक दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत पुरुष ऐसे हैं, जो महिलाओं को अपने से कमतर समझते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारत,श्रीलंका और इस्राइल की प्रधानमंत्री कौन थीं ? इंदिरा गांधी, श्रीमावो भंडारनायक और गोल्डा मीयर के मुकाबले के कितने पुरुष प्रधानमंत्री इन तीनों देशों में हुए हैं ? क्या ब्रिटेन की प्रधानमंत्री मार्गरेट थेचर और जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल को हम भूल गए हैं ? भारत की कई महान महारानियों के नाम मैं यहां नहीं ले रहा हूं, जिन्होंने कई महाराजाओं और बादशाहों के छक्के छुड़ा दिए थे। इस समय 193 देशों में से सिर्फ 10 देशों में महिलाएं शीर्ष राजनीतिक पदों पर हैं। दुनिया की संसदों में महिलाओं की संख्या 24 प्रतिशत भी नहीं है। डॉक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों और वैज्ञानिकों में उनकी संख्या और भी कम है। भारत में महिलाओं से भेदभाव करनेवाले पुरुषों की संख्या 98.28 प्रतिशत है तो पाकिस्तान हमसे भी आगे है। उसमें यह संख्या 99.81 प्रतिशत है। यूरोप, अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों में इधर 40-50 वर्षों में काफी बदलाव आया है। उसी का नतीजा है कि ये देश महासंपन्न और महाशक्ति कहलाने लगे हैं। अपने आधे समाज के प्रति उपेक्षा और हीनता का भाव हम छोड़ सकें तो हमारे दक्षिण एशिया के सभी देश शीघ्र ही संपन्न और सुखी हो सकते है। हमारे यहां अभी यह सिर्फ कहावत ही रह गई है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'। अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है।

दिनदहाड़े होलिका जलाई

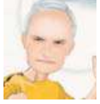

गिरीश पंकज

> पिताजी मुस्करा पड़े और बोले, ''अरे इसे प्यार करने आ रहा हूँ।'' फिर मुझे अपने गले से लगा कर बोले, ''ऐसा नहीं करते बेटे. तुम्हारे कारण मुझे अपनी महीने की आधी कमाई लकड़ी खरीदने के लिए देनी पड़ गई. आखिर तूने ऐसा किया क्यों?'' मैंने धीरे-से कहा, ''देखने के लिए कि होली दिन में जले तो कैसी दिखेगी।'' अब पिताजी जोर से हँस पड़े और बोले, ''देख लिया न? कैसी लगी होली?'' मैंने सोचा पिता जी मेरी बहादुरी पर अब शायद खुश हो रहे हैं इसलिए मैंने भी आँसू पोछते हुए कहा, ''बहुत अच्छी लगी.'' मेरा इतना बोलना ही था कि पिताजी ने फिर अपना हाथ उठाया लेकिन माँ ने रोक दिया और हँस कर बोली, ''जाने दो न, नादान है. बच्चा है. बेचारे को भले-बुरे का ज्ञान नहीं है।

होली क्या आती है, मुझे अपने बचपन का वो दिन याद आ जाता है, जब होली की पूर्व संध्या में अपन की जम कर ठुकाई हुई थी। उस दिन तो पिता ने पीटा था, तो रुलाई छूटी थी, आज याद करता हूँ तो हँसी छूटती है। बात उन दिनों की है जब हम मिडिल स्कूल के शरारती छात्र हुआ करते थे। और याद करता हूँ वो दिन, जब अपन ने दिन दहाड़े होलिका दहन कर दिया था. आपस में चंदा एकत्र करके मोहल्ले वालों ने लकड़ियां खरीदी और होलिका की साज-सज्जा कर दी थी. लेकिन जिस शाम को होली जलने वाली थी, उसी दिन सुबह-सुबह भविष्य के खतरनाक व्यंग्यकार यानी मुझको एक खुराफात सूझी। मैंने सोचा, रात को तो सभी होलिका दहन सभी करते हैं। क्यों न इस बार नया प्रयोग किया जाए, और दिन में ही होलिका को निबटा कर मज़ा लूटा जाए. बस अपना क्रांतिकारी दिमाग सक्रिय हो गया। चुपचाप रसोईघर में घुस कर सबसे पहले माचिस को जेब के हवाले किया और बची-खुची मलाई को मुखस्थ करके हम वीरोचित भाव से बाहर निकल आए. भरी दुपहरिया थी. सब अपने काम-धाम में लगे थे. जहाँ होलिका सजाई गयी थी. वहाँ आसपास कोई नज़र नहीं आया. मैंने पास जा कर देखा, होलिका में जल्दी-से आग पकड़ने का सुंदर बन्दोबस्त किया गया था. वहां एक जगह पैरा और रद्दी अखबार ठूंस-ठूंस कर भर दिए गए थे. मैंने गब्बर की तरह मन-ही-मन कहा, ''अब आएगा मज़ा.'' और धीरे-धीरे होलिका के निकट पहुँच कर माचिस निकाली और फटाक से तीली जला कर होलिका-दहन का एकल 'उद्घाटन' कर दिया. आग फौरन भड़क उठी तो हम भाग खड़े हुए. लेकिन 'बैडलक' खराब था कि पड़ोसी सत्यनारायण की नज़र मुझ पर पड़ गई. वो चीखा, ''अरे-अरे, देखो, उपाध्याय जी के लड़के ने का कर दौ? अरे बाप रे, होली फूंक दई ससुरे ने. पकड़ो इसे। इतना सुनना था कि आसपास के लोग जमा हो गए. सबने देखा होली जल रही है। लोग अपने घरो से पानी ले कर आते, तब तक आग तो जवानी की तरह मचलने लगी थी. आग बुझी तब तक होलिका की अंत्येष्टि हो चुकी थी. और हम नौ दो ग्यारह। हम हसदो नदी के किनारे बैठे इस भय से काँप रहे थे कि आज तो जम कर ठुकाई होगी. और दूसरे दिन होली बिस्तर पर ही मनेगी। मोहल्ले के लोग भयंकर गुस्से में थे. वे सीधे घर पहुँच गए। उस वक्त पिता आराम फरमा रहे थे. उन्हें उठाया गया और सारा किस्सा सुना दिया गया। शांत स्वभाव वाले और गांधीवादी के रूप में लोकप्रिय पिताजी शिकायत सुन कर गुस्से में भर कर बोले- ''हद है. आने दो उसे. अच्छी खबर लेता हूँ उसकी। माफ़ कीजिएगा, उसके कारण आपको तकलीफ हुई. अच्छा, शाम को मिलते हैं'' एक सज्जन आगे आए, '' अरे,माफी माँगने से का होगा उपाध्यायजी ? शाम को होलिका दहन करना है. उसके लिए

लकड़ी का इंतज़ाम करना है अब. लकड़ी टाल जाना होगा।'' पिताजी मासूमियत से बोले, ''तो जाइए न, कुछ चन्दा मैं भी दे दूँगा।'' मोहल्ले के कल्लू दादा सामने आकर बोले, ''आपको पूरा पैसा देना होगा.हम लोग तो दे चुके हैं। आपने वैसे भी इस बार ठीकठाक चन्दा भी नहीं दिया था.'' पिताजी क्या बोलते. बेटे की गलती, बाप ही भुगते। वे भीतर गए और अपनी हैसियत से कहीं ज़्यादा रुपये देकर हाथ जोड़ लिया. लोग चले गए और पिताश्री हमारे आगमन की प्रतीक्षा में बैठ गए. बहुत दिनों से तेल पिला-पिला कर रखे गए डंडे का उपयोग नहीं हुआ था. पिताजी उसे हस्तगत करके घर के बाहर टहलने लगे। शाम हो गई. मैं घर नहीं पहुँचा। दूर से देखा कि पिताजी डंडा हाथ में लेकर बाहर टहल रहे हैं। मैं समझ गया कि 'साकिया आज मोहे नींद नहीं आएगी ' क्योंकि पिटाई से पूरा शरीर हाय-हाय करेगा। बेटा, आज तो तुम गए काम से। तुम्हारा हो गया कल्याण (जी आनन्दजी) लेकिन मुझे घर तो आना ही था. स्कूल में पिटाई खाने की पुरानी आदत के कारण हिम्मत के साथ घर पहुँच ही गए. मुझे देख कर पिताजी मेरी तरफदौड़े और डंडा उठा कर शुरू होने ही वाले थे कि माँ ने रोक लिया और बोली, ''आपको मेरी कसम जो डंडे से पीटा तो.''

माँ समझदार थी. जानती थी कि डंडे से बच्चे को अधिक चोट लग सकती है. कल बेचारे को होली भी खेलनी है। गांधीवादी पिता ने भी सोचा, डंडा अधिक हिंसक हो सकता है इसलिए उन्होंने डंडा माँ के हवाले किया और अपने कठोर हाथो का डट कर इस्तेमाल शुरू कर दिया। माँ बीच-बचाव करती रही इसलिए मार का प्रभाव मिलाजुला बना रहा। बाहर कुछ लोग खड़े तमाशा देख रहे थे और खुश हो रहे थे कि अच्छी पड़ रही है पट्ठे को बताइये, दिन-दहाड़े होली जला दी ? आज तक ऐसी बदमाशी किसी ने नही की भाई. और इस गांधीवादी बाप की औलाद को देखो। कुछ देर पीटने के बाद पिताजी को लगा कि काफी डोज़ दे दिया. पहली बार मुझे इतना पीटा था। थक-हार कर वे एक जगह बैठ गए तो तमाशबीन समझ गए फिल्म का 'द ऐंड' हो गया है, इसलिए सब आगे बढ़ गए. माँ अपने रोते हुए लाल को छाती से चिपका कर चुप कराने लगी। कुछ देर बाद पिताजी फिर मेरे पास आए. मैं जोर-जोर से रोने लगा, तो माँ ने फिर कसम दे दी, ''खबरदार जो अब हाथ उठाया। तुम्हे मेरी कसम। '' पिताजी चुप हो गए, जैसे आज मैं चुप हो जाता हूँ। अब लगता है कि पत्नी के कहने पर चुप हो जाना हमारी खानदानी परम्परा है. खैर, शाम हो चुकी थी। रात को होलिका दहन का कार्यक्रम होना था. पिताजी के दिए गए पैसो से एक ट्रक भर लकड़ियाँ लाई जा चुकी थी. स्वाभाविक था कि होलिका दहन के मुख्य अतिथि टाइप के कुछ अतिथि पिताजी ही बनाए गए थे. पिताजी और मुझे भी अपने साथ में ले गए। माँ भी पूजा का सामान लेकर आ गई। होलिका दहन- स्थल में हर कोई मुझे देख कर हँस रहा था. हर कोई एक-दूसरे को इशारे से बता रहा था, ''यही है वो 'खुराफाती।'' मैं चुपचाप माँ का पल्लू पकड़े मुस्करा रहा था

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जिस पुरुष में थोड़ा सा भी स्त्री

जिस पुरुष में थोड़ा सा भी स्त्री तत्त्व होता है वो संवेदनशील होता है,उसे दूसरों के दुख तकलीफ़ पीड़ा समझ में आती है और जिस स्त्री में थोड़े से पुरुष तत्त्व मौजूद होते हैं,वो क्रूर हो जाती है उसे दूसरों को पीड़ा देने में भी सुखानभूति होती है। **आरती तिवारी**

मिले जो आस्मां.... तो बस इतना मिल

मिले जो आस्मां.... तो बस इतना मिल जाये आस्मां को छू लूं मैं और पांव रहें जमीं पर मिले जो खुदा.... तो बस इतना मिल जाये खुदा मेरे अंदर बसे और इंसा मैं बन जाउं मिलो जो तुम.... तो बस इतना मिल जाना मुझ में मैं, तुम में तुम जिओ और मुझको तुम मिल जाओ। **आभा चन्द्रा**

ख़ास पाती | खुद में झांक कर देखें आज तो

खुद में झांक कर देखें आज तो बाकायदा हक़ के साथ कि रोज़ इक महिला को जीते हुए क्या अब भी कुछ महिला सा बचा है खुद में ? अगर इक क़तरा भी महिला सा कुछ दिखता है भीतर तो आप बेहद हो आप बेशक हो फख्र हासिल है आपको हर अंतर पाटने का हर खुशी बांटने का तो चलिए मानते हैं महिला दिवस। **कल्पना पाण्डेय**

बेटियां हैं धरोहर मेरे देश की

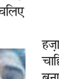

बेटियां हैं धरोहर मेरे देश की।।? बेटियां हैं सरोवर मेरे देश की।। जो चमकती है हरदम कोहिनूर सी।। बेटियां है मनोहर मेरे देश की।। हम खुशी हैं इक मां ने पाला हमें।। उसी मां ने दिया है निवाला हमें।। अब तक जो भी हैं उसका ही आशीष है।। बेटियों से बचा देश का सीस हैं।। बेटियां है धरोहर मेरे देश की। बेटियां है मनोहर मेरे देश की।। बेटियां, मिताली ,गार्गी भी हैं।। बेटियां घर के तालो की चाभी भी है।। बेटियां है अमानत और शोहरत सभी।। बेटियां है ना पनपे नफरत कभी।। बेटीयां हैं सरोवर मेरे देश की। बेटियां हैं धरोहर मेरे देश की।। **मनिष भट्ट शर्मा**

चिराग है, चाँद है या सूरज है वो

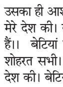

चिराग है, चाँद है या सूरज है वो ही जाने उसके होने से घर में रोशनी बहुत रहती है हवा है, पानी है या भोजन है वो ही जाने उसके होने से घर में ज़िन्दगी बहुत रहती है संतूर है, सितार है या वीणा है वो ही जाने उसके होने से घर में झंकार बहुत रहती है धूप है, छाँव है या बारिश है वो ही जाने उसके होने से घर में रौनकें बहुत रहती है बहन बेटी है, पत्नी है या माँ है वो ही जाने उसके होने से घर में मोहब्बतें बहुत रहती है। **डॉ. फतेह सिंह भाट्टी**

आँसू, आँखें, सपने और उनमें

आँसू, आँखें, सपने और उनमें लाखों हसरतें जिसकी खातिर हम जिये जाते ज़िन्दगी एक दिन मरना भी है उन्हीं लोगों के वास्ते तुम्हारा यूँ रूठ कर चले जाने पर और मुझसे बातें नहीं करने पर कर लूँ तुमसे हज़ार हज़ार कुट्टियाँ और दे दूँ तुम्हें लाखों करोड़ों बोसे फ़क़त इक तुम्हारी वापसी के वास्ते। **रश्मि सुमन**

हज़ारों फूल चाहिए एक माला

हज़ारों फूल चाहिए एक माला बनाने के लिए हज़ारों दीपक चाहिए एक आरती सजाने के लिए हज़ारों बूंद चाहिए समुद्र बनाने के लिए पर एक स्त्री अकेली ही काफी है...घर को स्वर्ग बनाने के लिए। **मोनिका शर्मा**

नारी ही दुनिया की खेवन हार है

नारी ही दुनिया की खेवन हार है, नारी है तो सारा ये संसार है। जोड़ कर रखती है वो परिवार को, रिश्तों की मजबूती की आधार है। धर्म ,मज़हब, शिक्षा की बुनियाद वो, नारी है तो दुनिया में संस्कार है। उसके आगे झुकते,हैं भगवान भी, स्वर्ग में भी उसकी जैजैकार है। नारी ही प्रारंभ वो ही अंत भी, शुन्य में भी नारी का अधिकार है। **डॉ संजय दानी**

नारी दिवस पर नारी सशक्तीकरण

नारी दिवस पर नारी सशक्तीकरण के नाम पर एक हथौड़े की चोट वाली कविता या फिर सुरक्षा-सम्मान और उसकी समिजिक वर्जनाओं और उपलब्धियों पर एक धमाकेदार आलेख या फिर अंतस को कुरेदती अत्यंत सुन्दर काव्य शिल्प या बहर में कही गयी कोई कोमल या करूण गीत - गजल के रचने या कहने से कहीं बेहतर है हम पुरूष साफकर ले आज अपने -अपने आंखों के जाले। **अमित कुमार अम्बष्ट**

QUIZ TIME

1) किस राज्य सरकार द्वारा 21 दिन में बलात्कारी को फाँसी दिए जाने को लेकर कानून बनाने हेतु एक प्रस्ताव मंजूर किया गया है? (तेलंगाना / आंध्रप्रदेश)

2) हज यात्रा प्रक्रिया को डिजिटल बनाने वाला पहला देश कौन-सा है?
(क) पाकिस्तान (ख) मलेशिया
(ग) ईरान (घ) भारत

3) किस देश में दुनिया के पहले पूरी तरह इलेक्ट्रिक कमर्शियल विमान का सफल परीक्षण किया गया?

4) नवम्बर, 2019 में दार्जिलिंग चाय की किस किस्म को जीआई टैग मिला है?

5) किसने दुनिया की सबसे पुरानी कामकाजी भाप लोकोमोटिव एक्सप्रेस फेयरी क्वीन एक्सप्रेस को सफलतापूर्वक चलाने के लिए गिनीज बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) आंध्रप्रदेश (2) भारत (3) कनाडा (4) ग्रीन- टी और व्हाइट- टी (5) अश्विनी लोहानी

आज का इतिहास

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 09 मार्च की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं- 1776 - अर्थशास्त्र पर एडम स्मिथ की मशहूर पुस्तक 'द वेल्थ ऑफनेशन्स' का प्रकाशन। 1822 - चार्ल्स एग ग्राहम ने पहली बार नकली दांतों का पेटेंट कराया। 1860 - जापान ने पहली बार अमेरिका में अपना राजदूत नियुक्त किया। 1842 - कैलिफोर्निया गोल्ड में पहली बार सोने की खोज की गई। 1916 - जर्मनी ने पुर्तगाल के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1918 - रूसी बोल्शेविक पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी बनी। 1934 - रूसी सोवियत पायलट और कॉस्मोनॉट यूरी गैगरिन का जन्म हुआ था। 1938 - प्रसिद्ध बाल साहित्यकार एवं संपादक हरिकृष्ण देवसरे का जन्म। 1951 - मशहूर तबला वादक उस्ताद ज़ाकिर हुसैन का जन्म।

तखतपुर में सारे पदों पर महिलाएं काबिज, महिला दिवस पर हुईं सम्मानित

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। इन दिनों तखतपुर विधानसभा में महिलाओं का ही प्रतिनिधित्व है जिसमें विधायक जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष नगरपालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित अन्य क्षेत्रों में दमदारी के साथ अपनी स्थिति दर्ज करा रही है प्रतिवर्ष 8 मार्च को महिला को समर्पित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है इस अवसर पर महिलाओं ने अपना विचार रखा विधायक श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा कि आज महिलाओं के लिए परिस्थितियां बहुत बेहतर हुई है उन्हें वह दर्जा मिला है जिसे कल तक असंभव सा समझा जाता था अब तो ग्रामीण इलाकों की महिलाएं भी आत्मनिर्भर हुई है यह एक समाज में सकारात्मक बदलाव है राष्ट्रीय महिला आयोग सलाहकार श्रीमती हर्षिता पांडे ने कहा कि आधी आबादी के लिए अभी भी बड़ा बदलाव होना बाकी है जब तक सभी महिलाएं अपने निर्णय खुद नहीं ले पाएंगे उन्हें पूरा आदर सम्मान नहीं मिलता तब तक पूरी तरह सशक्तिकरण होने की बात नहीं कही जा सकती है नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा श्रीवास ने कहा कि कहा कि महिलाएं यदि कामयाब होना चाहती हैं तो उन्हें अपने आप को मजबूत करना होगा संघर्ष करना होगा और उसे पूरा करने के लिए प्रयास करना होगा सफलता जरूर मिलेगी और यह आज महिलाएं बखूबी सिद्ध कर रही हैं नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना सिंह ने कहा कि महिलाओं को अपने हुनर को पहचानना चाहिए और उसे निहारते हुए आगे बढ़ना चाहिए जब ऐसा होगा तो निश्चित रूप से महिलाओं के जीवन में एक बहुत बड़ा बदलाव होगा और यह तभी संभव होगा जब स्वयं हम अपने विचार को सकारात्मक रखेंगे शिक्षिका श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि महिलाओं के जीवन में बहुत कुछ बदला है अब पढ़ लिखकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं जिसमें कभी सिर्फ पुरुषों का वर्चस्व हुआ करता था इस परिवर्तन की आंधी में कम से कम लोग अब बेटी और बेटों के बीच मतभेद नहीं कर रहे हैं अब लोग बेटी को भी उतना ही शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं जितना बेटों को जनपद अध्यक्ष श्रीमती राजेश्वरी कौशिक ने कहा कि महिलाओं की बदलती भूमिका का सबसे बड़ा उदाहरण मैं स्वयं हूं मैं केवल ग्रहणी हुआ करती थी लेकिन परिवार और समाज की सहयोग सहयोग से एक जनप्रतिनिधि बन गइ हूं और यह तभी संभव हुआ है जब लोगों का सोच बदला है जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती दिव्या मिश्रा ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना हुनर दिखा रही हैं अब घर की चारदीवारी से निकलकर उन्होंने अपना लोहा हर क्षेत्र में मनाया है और अब हर सेक्टर में महिलाएं अपना योगदान देकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ममता क्षत्री ने कहा कि जहां आज बड़े शहरों में महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं वही अभी भी छोटे शहर और गांव में महिलाओं के जीवन में कई समस्याएं मौजूद है जिससे हमें हल करने के लिए प्रयास करना होगा ।

गृहणी श्रीमती अनुपमा पाण्डेय ने कहा कि महिलाएं चाहे आज की हो या पिछली पीढ़ियों कि उन्होंने हमेशा अपने दायित्व बखूबी निभाया है हां यह जरूर है कि अब महिलाएं बंदिशों से आजाद हैं और स्वाभिमान से सिर उठाकर चल रही है। श्रीमति विमला जांगड़े ने कहा कि विश्व स्तर पर अब नारी ने अपनी पहचान बना ली है अब नारी शक्ति को कम नहीं आंका जाता और बेटियां भी अब हर मोर्चे पर सफल हो रही हैं आज महिलाओं को जो सम्मान मिल रहा है वह आगे भी जब मिलेगा तब महिलाओं को हर क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुरेंद्र कौर मक्कड़ ने कहा कि अब हर क्षेत्र में महिलाएं कार्य कर अपना हुनर दिखा सकती है पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती नूरिता कौशिक ने कहा कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में कार्य कर दिखाया है कि वह किसी से भी कम नहीं है आज जमीन से लेकर आसमान तक महिलाओं का कार्यक्षेत्र में होना यह बताता है कि महिलाओं में भी हुनर है केवल उसे तराशने की जरूरत है।

पार्षद श्रीमति लवली हूरा ने कहा कि हर संघर्ष की स्थिति में महिलाएं निपटना जानते हैं आज महिलाएं हर परिस्थिति में हर क्षेत्र में कार्य कर अपना नाम रोशन कर रहे है पलकों को चाहिए कि वे अपने घर की बच्चियों को अवसर प्रदान करें ताकि वे भी अपना हुनर दिखा सके।

जिला खनिज न्यास में करोड़ों, पर शहर में पानी के लिए राशि की मांग पूरी न कर सके प्रभारी मंत्री

शहर के रेत घाटों से करोड़ों की कमाई मगर निगम को नहीं मिल सका एक भी धेला

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। नगर निगम सीमा क्षेत्र में कई रेत घाट संचालित है जिनसे शासन को करोड़ो का राजस्व मिलता है मगर नगर निगम ने शहर में पानी के लिए जिला खनिज न्यास मद से जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू से राशि की मांग की तो उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में चर्चा कर बताएंगे। यह भी अपने आप में चौंकाने वाला है कि दोनों स्थानों पर एक ही दल की सत्ता होने के बावजूद शहर सरकार को पानी की व्यवस्था करने हाथ फैलाने पड़ रहे हैं।जिले के प्रभारी और प्रदेश के गृह मंत्री 2 दिन पूर्व बिलासपुर आये। अधिकारियो की बैठक में जिला खनिज न्यास की राशि की जब चर्चा हुई तो नगर निगम ने प्रभारी मंत्री से शहर में पेयजल व्यवस्था के लिए जिला खनिज न्यास से राशि मंजूर किये जाने की मांग की । बैठक में मौजूद निगम के अधिकारी , महापौर को तब निराश होना पड़ा जब प्रभारी

मंत्री ने कहा कि वे चर्चा कर बताएंगे। उनकी बात से स्पष्ट नहीं हो सका कि वे किससे चर्चा करेंगे। बैठक में कलेक्टर ,खनिज विभाग के अधिकारी मौजूद थे मगर प्रभारी मंत्री इन लोगो से शायद नही पूछना चाहते थे । यह उल्लेखनीय है कि बिलासपुर नगर निगम सीमा में वृद्धि किये जाने के बाद निगम सीमा में कई रेत घाट है जिनसे रॉयल्टी के रूपमे शासन को करोड़ो का राजस्व मिलता है कायदे से रेत घाटों से मिलने वाली रॉयल्टी राशि मे नगर निगम का भी हिस्सा होना चाहिए । सम्भवतया इसी कारण प्रभारी मंत्री से निगम ने शहर में पेयजल की व्यवस्था के लिए खनिज न्यास मद में से राशि की मांग की मगर प्रभारी मंत्री की बात से मानों सबको निराश ही हाथ लगी। राशि देने के लिए प्रभारी मंत्री आखिर किससे चर्चा करना चाहते थे यह अभी स्पष्ट नही हो पाया है ।

होली के अवसर पर मदिरा दुकान बंद रहेंगी

बिलासपुर । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 के तहत 10 मार्च 2020 को होली के अवसर पर शुष्क दिवस रहने की घोषणा की गई है। उन्होंने 10 मार्च 2020 को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की समस्त देशी/विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें, एफएल.-2 रेस्तरां, बार तथा भण्डारण मद्य भाण्डागार में मदिरा विक्रय, परोसना, परिवहन, धारण करना पूर्णतः प्रतिबंधित किया है। कलेक्टर ने आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल के अधूरे कार्यों को पूरा किया जाएगा डीएमएफटी से

■ **शासी परिषद की बैठक में प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने दिया निर्देश**

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल के अधूरे कार्यों को डीएमएफ्टी से पूरा किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन तथा जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज शासी परिषद की बैठक में यह निर्देष देते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता के अनुसार इन विभागों के अधूरे कार्यो को पूर्ण करने की स्वीकृति दी जाएगी। कलेक्टर कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आज जिला खनिज संस्थान न्यास के शासी परिषद की बैठक प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में इस वित्तीय वर्ष हेतु प्रस्तावित 1 हजार 386 कार्यों जिनकी प्रस्तावित लागत 89 करोड़ 25 लाख 62 हजार रूपये है, का अनुमोदन किया गया। जिसमें पेयजल आपूर्ति हेतु 16 करोड़ 92 लाख के 555 कार्य, स्वास्थ्य देखभाल हेतु 19 करोड़ 66 लाख के 361 कार्य, शिक्षा हेतु 40 करोड़ 74 लाख के 458 कार्य, महिला एवं बाल कल्याण हेतु 8 करोड़ 63 लाख के तीन कार्य, कौशल विकास और रोजगार हेतु 1 करोड़ 38 लाख के दो कार्य, सार्वजनिक परिवहन हेतु 17 लाख का एक कार्य, युवा गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु 1 करोड़ 72 लाख के 6 कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों के कार्यों के ऑडिट रिपोर्ट का भी अनुमोदन किया गया।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले में जितने भी अधूरे स्कूल, स्कूलों में कमरे, आंगनबाड़ी के अधूरे कार्य, पेयजल के लिये पाईप लाईन, अस्पताल के कार्य और उपस्वास्थ्य केन्द्रों में छोटी-छोटी आवश्यकताओं के कार्य डीएमएफ्टी की राशि से स्वीकृत किये जायें। गांवों की छोटी-छोटी आवष्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। बिलासपुर विधायक श्री शैलेष पाण्डेय ने ग्रीष्मकाल में पेयजल की भीषण समस्या को देखते हुए शहर के विभिन्न स्थलों में बोर खनन के लिये ध्यान आकृष्ट कराया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस संबंध में डीएमएफ्टी की गाईड लाईन के अनुसार कार्य किया जाएगा।

मरवाही के विधायक प्रतिनिधि श्री उपाध्याय ने बैगा बाहुल्य ग्राम करंगरा के प्राथमिक पाठशाला भवन और मरवाही विकासखंड के ग्राम भसकुरा और बसंतपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र के अधूरे कार्य की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। इन कार्यों को डीएमएफ्टी से पूर्ण करने हेतु स्वीकृति दी गयी। गनियारी और नगोई में बनाये गये आजीविका प्रशिक्षण केन्द्रों में महिला स्व-सहायता समूहों को डीएमएफ्टी से प्रशिक्षण देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। तखतपुर विधायक श्रीमती रष्मि सिंह ने स्कूलों में शौचालय विशेषकर बालिकाओं के लिये शौचालय बनाने के लिये ध्यान आकर्षित कराया। स्कूलों में अंशकालीन स्वीपर एवं पेयजल प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गयी।

नशीली दवाइयों के साथ नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। नशीली टेबलेट के साथ 1 नाबालिग सहित 3 आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने इनके पास से 350 नग प्रतिबंधित नशीली दवाई जप्त की है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत का है, मालूम हो कि आगामी त्यौहार होली के मद्देनजर शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने पुलिस कप्तान प्रशांत अग्रवाल ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है, इसी तारतम्य में थाना सिविल लाइन की पुलिस टीम को सूचना मिली की क्षेत्र अंतर्गत अवैध टेबलेट व मादक पदार्थो की बिक्री करते हुए सतीश गढेवाल पिता संतोष गढेवाल उम्र 20 वर्ष व अजय बंजारे पिता छन्नू लाल बंजारे उम्र 23 वर्ष सहित 1 नाबालिग के कब्जे से कुल 350 नग प्रतिबंधित नशीली दवाई नाइट्रोसन 10 टेबलेट को जप्त कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करी, मालूम हो कि पुलिस कप्तान प्रशांत अग्रवाल के निर्देश में लगातार आदतन अपराधियों व अवैध नशीले सामान की बिक्री करने वालों पर कार्यवाही कर रही है जिसने अवैध रूप से शराब गांजा नशीले पदार्थ बिक्री पर अंकुश लगाया जा सके, इस पूरी कार्यवाही में मुख्य रूप से को उप निरीक्षक मोहन भारद्वाज, संजय कुमार बरेठ, प्रधान आरक्षक अशोक कश्यप, चंद्रकांत डहरिया, आरक्षक जय साहू, संजीव जांगड़े, विवेक राय, दीपक उपाध्याय, तदबीर सिंह व गोविंद शर्मा की मुख्य भूमिका रही।

रानीगांव में स्थिति सामान्य, स्वास्थ्य टीम की सतत निगरानी

बिलासपुर । कोटा तहसील के रानीगांव में स्थिति सामान्य है। स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा घर-घर भ्रमण किया गया। सामान्य सर्दी और बुखार के कुछ लोग पाए गए, जिनका उपचार किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.प्रमोद महाजन ने बताया कि रानीगांव में प्राथमिक उपचार के लिये स्वास्थ्य विभाग के टीम को लगाया गया है। यहां सामान्य सर्दी एवं बुखार से पीड़ित लोगों का उपचार किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है और स्वास्थ्य टीम की सतत् निगरानी में है। 7 मार्च रात्रि को तहसीलदार रतनपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, ग्राम सरपंच, पटवारी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और मितानिन रानीगांव पहुंचे और मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ किया गया। सर्दी, बुखार से पीड़ित लोगों के घर में भी गये, जिनका उपचार किया जा रहा है।

गांव में सामान्य रूप से पीड़ित लगभग 29 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। उनमें सामान्य सर्दी और बुखार के लक्षण पाये गये। जिनका स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा उपचार किया गया। अब स्थिति सामान्य रूप से नियंत्रण में है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छत्तीसगढ़)

Annexure-1

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक 80/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2019-20 रामानुजगंज, दिनांक 05/03/2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा तृतीय बार आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेण्डर नम्बर	अनुमानित लागत (राशि रु.लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	प्री. मैट्रिक बालक छात्रावास बसंतपुर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत बसंतपुर जनपद पंचायत वाड्रफनगर	61899	15.38	11.03.2020
2	हाई स्कूल बसंतपुर में प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य ग्राम पंचायत बसंतपुर जनपद पंचायत वाड्रफनगर	61898	16.65	11.03.2020

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदी दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://cgeprocurement.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://cgres.cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

(जितेन्द्र कुमार देवांगन)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज
जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

जी-77721/3

न्यायालय नायब तहसीलदार (नजूल) कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2019-20

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका जुबेदा मेनन पिता/पति अब्दुल मजीद निवासी महादेव वार्ड कांकेर द्वारा मोहल्ला भंडारीपारा कांकेर में स्थित शीट नंबर 7 सी प्लाट नं. 01 कुल रकबा 3590 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 10 वर्गमीटर भूमि रिक्त है, उक्त नजूल भूमि को आबंटन के तहत भूमिस्वामी हक प्रदान करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर/मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 6/3/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

सील नायब तहसीलदार (नजूल)
जिला-उ.ब. कांकेर

न्यायालय नायब तहसीलदार (नजूल) कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2019-20

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अब्दुल कादिर शेखानी पिता/पति मो. हनीफ शेखानी निवासी गोविंदपुर कांकेर द्वारा मोहल्ला भंडारीपारा कांकेर में स्थित शीट नंबर 7 सी प्लाट नं. 01 कुल रकबा 3590 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 10 वर्गमीटर भूमि रिक्त है, उक्त नजूल भूमि को आबंटन के तहत भूमिस्वामी हक प्रदान करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर/मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 6/3/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

सील नायब तहसीलदार (नजूल)
जिला-उ.ब. कांकेर

न्यायालय नायब तहसीलदार (नजूल) कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2019-20

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अब्दुल रउफ शेखानी पिता/पति हाजी अब्दुल सकुर निवासी मांझापारा कांकेर द्वारा मोहल्ला भंडारीपारा कांकेर में स्थित शीट नंबर 7 सी प्लाट नं. 01 कुल रकबा 3590 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 10 वर्गमीटर भूमि रिक्त है, उक्त नजूल भूमि को आबंटन के तहत भूमिस्वामी हक प्रदान करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर/मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 6/3/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

सील नायब तहसीलदार (नजूल)
जिला-उ.ब. कांकेर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (वि./यां.) खण्ड लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, अम्बिकापुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक 481/2019-20/त.शा./का.अ.(वि./यां.) खण्ड/लो.स्वा.यां.वि./अम्बिकापुर, दिनांक 05.03.2020

-:: संक्षिप्त विक्रय घोष सूचना विज्ञप्ति :-

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निष्प्रयोजित पुरानी टाटा डी माडल ट्रक जहां है जैसी है के आधार पर विक्रय हेतु मुहरबंद निविदाएं दिनांक 25.03.2020 को शाम 3.00 बजे तक प्रपत्र जी में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिन 04.00 बजे को खोली जावेगी। निविदाकार अथवा उनके अधिकृत निविदा खोलने के समय उपस्थित रह सकते हैं, ताकि उनके समक्ष निविदा खोली जा सके। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19.03.2020 एवं निविदा प्रपत्र इस कार्यालय से दिनांक 23.03.2020 को शाम 5.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। निष्प्रयोजित निविदा ट्रक का विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	निविदा क्रं.	निष्प्रयोजित पुराने रिंग युनिट का विवरण	कुल मात्रा	अपलेखित मूल्य (रु.)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)	सामग्री (रिंग युनिट) जहां निरीक्षण हेतु उपलब्ध है
01	13	पुरानी ट्रक टाटा 1210 डी मॉडल सी.जी. 02/2238	01 नग	55000.00	1650.00	750.00	सहायक अभियंता (वि./यां.) उपखण्ड,
02	14	पुरानी ट्रक टाटा एम.पी.एस. 9758 जिस पर ड्रिलिंग रिंग फीटिंग स्थापित है।	01नग	75000.00	2250.00	750.00	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग वन विभाग नाका अजिरमा के पास
03	15	पुरानी ट्रक टाटा 1210 डी मॉडल सी.जी. 02/3471	01नग	55000.00	1650.00	750.00	अम्बिकापुर (छ.ग.)

उपरोक्त पुरानी ट्रक का अवलोकन एवं विस्तृत विवरण कार्यालयीन अवधि में निविदा जमा करने के पूर्व तक किया जा सकता है। निविदा की शर्तें एवं नियम अधोहस्ताहरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता (वि./यां.) खंड,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
अम्बिकापुर (छ.ग.)

जी-77761/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि., चांपा संभाग चांपा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-1256/NIT-6/2019-2020/व ले लि दिनांक : 04/03/2020

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 13/03/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 18/03/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 19/03/2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानि. लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में)
1	2	3
	N.I.T. SCHEDULE FOR REPAIR OF DEPOSIT WORK AND UNDER P.G. WORK & MISCELLANEOUS WORK OF BUILDING	
6 T0052	CHAMPA SUB DN. CHAMPA प्रथम आमंत्रण	20.00 15000.00 300000.00
6 T0053	HANJGIR SUB DN. JANJGIR प्रथम आमंत्रण	20.00 15000.00 300000.00
6 T0054	PAMGARH SUB DN. PAMGARH प्रथम आमंत्रण	20.00 15000.00 300000.00
6 T0055	SAKTI SUB DN. SAKTI प्रथम आमंत्रण	20.00 15000.00 300000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।
प्रत्येक कार्य के लिए निविदा प्रपत्र की कीमत रु. 750 है एवं ठेकेदार की श्रेणी 'अ' वर्ग से 'द' वर्ग है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि., चांपा संभाग
चांपा

जी-77681/3

दो साल में ही संविलियन के निर्णय से शिक्षकों के परिवार में खुशी की लहर

- जिले में 808 शिक्षाकर्मियों का होगा संविलियन

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस वर्ष बजट में दो वर्ष हो चुके शिक्षाकर्मियों को बड़ी सौगात दी है। जिससे शिक्षकों के परिवार में खुशी की लहर छाई हुई है। राजनांदगांव जिले में दो वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके 808 ऐसे पंचायत एवं नगरीय निकाय संवर्ग के शिक्षक है जिनका एक जुलाई से संविलियन होगा। इनमें 527 व्याख्याता पंचायत एवं नगरीय निकाय, 21 शिक्षक पंचायत एवं नगरीय निकाय तथा 260 सहायक शिक्षक पंचायत एवं नगरीय निकाय शामिल है। पंचायत संवर्ग में 548 और नगरीय निकाय संवर्ग में 260 है। इससे शिक्षाकर्मियों में खासा उत्साह देखने को मिला है। संविलियन होने से शिक्षकों को आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिससे उन्हें अपने परिवार का बेहतर उज्ज्वल भविष्य बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा पर खुशी जाहिर करते हुए शासकीय हाई सेकेण्डरी स्कूल पेण्ड्री के शिक्षक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि उन्होंने 8 फरवरी 2018 से शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे है। वे अंग्रेजी विषय के

शिक्षक हैं। उन्होंने कहा सरकार से बहुत लंबे समय से मांग रही है कि शिक्षकों को पूर्ण संविलियन किया जाए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने वादा के अनुरूप शिक्षकों के सपनों को साकार किया है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री बघेल को आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा इस वर्ष के बजट में सभी वर्गों को ध्यान में रखा गया है। इसी स्कूल की बॉयोलाजी की अध्यापिका रेणुका साहू ने कहा कि शिक्षकों के संविलियन होने से आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और अपना भविष्य बेहतर रूप से प्लान कर सकते है। उन्होंने बजट के बारे में बताते हुए कहा है कि लोगों की मांग के अनुसार ही श्री बघेल ने उसे पूरा किया है। विभिन्न क्षेत्रों के लिए जिन योजनाओं की घोषणा की है जनता के लिए काफी फायदे मंद है। अलग-अलग क्षेत्रों में नये महाविद्यालय खुलने से युवाओं में को एक नया प्लेटफार्म मिलेगा। जिससे वे इन क्षेत्रों में अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकेंगे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सलोनी के शिक्षक भीष्म ने बताया कि अपने परिवार में एक मात्र नौकरी करने वाले है। भाई को पढ़ाने के साथ-साथ बहुत सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां भी हैं। संविलियन के लिए 6 साल का इंतजार करना पड़ता। वर्तमान में 8 वर्ष की सेवावधि पूर्ण करने पर संविलियन का प्रावधान था, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बाद अब 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने पर आगामी जुलाई 2020 से शेष बचे सभी शिक्षकों का संविलियन हो जाएगा।

न्यूज गैलरी

बाइक से गिर कर चालक की मौत

महासमुंद। ग्राम साल्हेझरिया के पास शादी कार्यक्रम से वापस लौटते समय मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अरुण यादव 6 मार्च को सुबह 10 बजे अपनी मोटरसाइकिल सीजी 06 जीके 5471 सुपर स्प्लेंडर से झारबंद ओडिशा से अपने रिश्तेदार के यहां शादी कार्यक्रम से वापस घर अरेकेल आ रहा था कि शाम को फुलवारी मोड़ से पहले ग्राम साल्हेझरिया के पास अनियंत्रित होकर गिर गया। गंभीर चोट लगने से घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक के विरूद्ध धारा 304(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

धमकी देकर नाबालिग से अनाचार

महासमुंद। स्थानीय नयापारा वार्ड 05 की एक 17 वर्षीय नाबालिग से उसकी बड़ी बहन का अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दो युवकों ने पांच माह तक अनाचार किया। दोनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ जारी है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गंजपारा निवासी बिंदल सिंह पट्टी पिता बग्गा सिंह (29) और बम्हनी निवासी निलेश साहू पिता तमलिया साहू (24) ने नाबालिग की बड़ी बहन का अश्लील वीडियो बना लिया था। जिसे वायरल करने की धमकी देकर अगस्त से दिसंबर 2019 तक नाबालिग से अनाचार करते रहा। त्रस्त होकर कोतवाली में मामला दर्ज कराया गया है। नाबालिग की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफभादवि की धारा 376, 363, 506 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

खेलते-खेलते तार से चिपका बालक, मौत

महासमुंद। करंट से चार वर्षीय बालक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर निवासी राहुल निषाद पुत्र चतुर सिंह निषाद घर में शनिवार की दोपहर साढ़े 12 बजे जीआई तार से खेल रहा था। खेलते-खेलते तार घर में लगे एमसीबी से टच हो गया और करंट की चपेट में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला विवेचना में लिया है।

सट्टा-पट्टी के साथ दो पकड़ाए

महासमुंद। पुलिस ने अलग-अलग जगह से दो सटोरिए को सट्टा खिलाते पकड़ा। शुक्रवार रात साढ़े 8 बजे वार्ड 14 में दबिश देकर मनहरण लाल ध्रुव को सट्टा खिलाते पकड़ा। उनके कब्जे से नगदी 2620 रुपए, 4 नग सट्टा पट्टी, एक नग मोबाइल बरामद की। इसी तरह पौने 9 बजे वार्ड 19 गंजपारा में अनिल शर्मा को घर के सामने सट्टा खिलाते पकड़ा। इनके कब्जे से 5260 रुपए नगदी, एक नग सट्टा-पट्टी, एक नग मोबाइल बरामद की। जिस पर सट्टा एक्ट 4 क के तहत कार्रवाई की गई।

रंग पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता

महासमुंद। गुड शेपर्ड स्कूल में छात्र-छात्राओं ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर रंग पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्राचार्या अनिता वंजारी, वरिष्ठ शिक्षिका नंदा रंगारी, अरुण एक्का, दुर्गेश यादव, तौसिफ खान, जाबीर खान, श्रीमती शबनम नकवी, श्रीमती आयुषी मिश्रा आदि शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

साढ़े पांच लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

महासमुंद। कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर मृतक व्यक्तियों के परिवारजनों के लिए आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इनमें फुलवारी पारा बागबाहरा निवासी विरेन्द्र नायक की मृत्यु 07 जून 2015 को पानी में डूबने से होने पर उनकी माता कुमारी बाई नायक के लिए एक लाख पचास हजार रुपए तथा पिथौरा विकासखंड के ग्राम ढोढरकसा निवासी देवेन्द्र भोई की मृत्यु 28 अप्रैल 2018 को आग में जलने से होने पर उनके पिता चेतन भोई को चार लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

जिले के दो हितग्राहियों के लिए स्वेच्छानुदान राशि जारी

महासमुंद। प्रदेश के खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने जिले के दो हितग्राहियों के लिए स्वेच्छानुदान राशि स्वीकृत की है। इनमें बसना विकासखंड के ग्राम कोलिहादेवरी निवासी तुलाराम एवं सेतमोती शामिल है। संबंधित हितग्राहियों को राशि प्राप्त करने के लिए मतदाता फोटो परिचय पत्र, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, स्वयं की दो फोटो एवं अन्य दस्तावेज संस्था का पंजीयन प्रमाण पत्र एवं साक्ष्य के साथ संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालय के पास प्रस्तुत करना होगा।

नई प्रक्रिया और व्यवस्था में जिला स्तरीय जन चौपाल की परंपरा शुरू

- खैरागढ़ विकासखंड के लछना में लगाई गई पहली जन चौपाल
- क्लस्टर के 11 ग्राम पंचायतों के निवासियों के 452 आवेदनों का निराकरण

राजनांदगांव। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में नई व्यवस्था और प्रक्रिया के तहत जिला स्तरीय जन चौपाल लगाने की परंपरा शुरू हो गई। इस साल की पहली जन चौपाल खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम लछना में लगाई गई। नई व्यवस्था के तहत जिला स्तरीय जन चौपाल के लिए पहले 10-12 ग्राम पंचायतों का कलस्टर बनाया जाता है। जिला स्तरीय जन चौपाल की तारीख के 15 दिन पूर्व कलस्टर के सभी गांवों में मुनादी कराकर ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा आवेदन लिए जाते हैं। ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा ऐसे आवेदन स्वीकार किए जाते हैं जिनका निराकरण संभव है। इन आवेदनों को संबंधित एसडीएम को उपलब्ध कराया जाता है। एसडीएम द्वारा आवेदनों को विभागवार निराकरण के लिए भेजा जाता है। नई व्यवस्था की जिला स्तरीय जन चौपाल में विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदनों के निराकरण को मौके पर आम लोगों को सुनाया जाता है।

लछना के जिला स्तरीय जन चौपाल में राजस्व विभाग के 4, जनपद पंचायत खैरागढ़ के 160, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 7, छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल के 37, खाद्य विभाग के 242, लीड बैंक के 2 इस तरह 452 आवेदनों के निराकरण कर वस्तु स्थिति को सुनाया गया। लछना के जिला स्तरीय जन चौपाल में आस-पास के 11 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया था। इन्हीं ग्राम पंचायतों के गांवों के निवासियों के आवेदनों के निराकरण कर चौपाल में सुनाया गया। जिन ग्रामीणों को राशन कार्ड, जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र बनाकर वितरित किया गया। इनके नामों की घोषणा भी की गई।

मोबाइल को लेकर विवाद बहन ने की भाई की हत्या

महासमुंद। मोबाइल को लेकर हुए विवाद में छोटी बहन ने भाई के सिर पर खाट की पाटी से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद बहन, पिता और मां के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामला बेमचा जेल पारा का है जहां बीते माह 20 फरवरी को मोबाइल लेकर भाई और बहन में विवाद हुआ। इस दौरान माधुरी यादव ने आवेश में भाई आसकुमार यादव (30) के सिर में खाट की पाटी से वार कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने लहुलूहान हालात में उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से राजधानी के एक अस्पताल में रिफर किया गया। उपचार के दौरान तीन मार्च को युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को नहीं दी थी। मर्ग जांच में पुलिस ने पाया कि 20 फरवरी की शाम 7 बजे मोबाइल को लेकर माधुरी और आसकुमार के बीच विवाद हुआ। इसमें माधुरी के हाथों भाई की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के पिता और माता ने घटनास्थल से साक्ष्य मिटा दिए थे। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण सिर में संघातिक चोट दर्शाया गया। पुलिस ने इस मामले में माधुरी यादव पति हरिशंकर (20), लीला राम यादव पिता विसंभर (60) और कुमारी बाई पति लीलाराम (50) के खिलाफ धारा 302, 201, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

केंदुआ में आयोजित शिविर स्थगित

महासमुंद। कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने सरायपाली विकासखंड के ग्राम केदुआ में 25 मार्च को आयोजित होने वाले जिलास्तरीय जन समस्या निवारण शिविर को स्थगित किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण एवं फैलाव को रोकने, कम करने के लिए ऐसे कोई भी कार्यक्रम जिसमें अनेक जन-साधारण एकत्रित हो रहे हों, जन-समारोह इत्यादि वर्तमान में स्थगित रखें जाएं। उपरोक्त निर्देशों के परिपालन पर 25 मार्च को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर को स्थगित किया गया है।

गोहत्या बंदी को लेकर पदयात्रा कर रहे संत अशोक पहाड़े

महासमुंद। दुर्ग निवासी संत अशोक पहाड़े (67) विश्व शांति और समृद्धि के लिए गोहत्या बंदी के उद्देश्य को लेकर पूरे भारत भ्रमण के लिए विगत तीन मार्च से पदयात्रा पर निकले हैं। शनिवार को महासमुंद नगर प्रवेश पर अध्यक्ष जनपद पंचायत भागीरथी चंद्राकर, अध्यक्ष भारत स्वाभिमान मंच एवं वेदमाता गायत्री गोशाला तिलक साव, सुशीलराज साहू अधिवक्ता, डॉ. रामगोपाल यादव एवं राजेश्वर खरे ने फूलमाला व गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद पहाड़े स्थानीय गायत्री मंदिर पहुंचे जहां जिला संयोजक बोधराम साहू, व्यवस्थापक ललित मेश्राम, ट्रस्टी प्रमुख शांतुलाल साहू, संरक्षक श्याम कुमार दुबे, प्रभात उपाध्याय, बाबूराम साहू, परिवाजक धनीराम चक्रधारी, भुखनलाल निषाद, देव संस्कृति विद्यालय अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, रामकुमार चंद्राकर, जगमोहन लाल साहू, चंद्रलेखा, दुर्गा साहू ने स्वागत किया। पहाड़े ने बताया कि यात्रा के दौरान सुविधा, सुरक्षा सब भगवान भरोसे है। महासमुंद उनका पांचवा पड़ाव है। उम्र के इस पड़ाव में जब लोग सुख सुविधा देखते हैं तब वे पदयात्रा पर निकले हैं, के जवाब में उन्होंने कहा कि भरा पूरा परिवार है। यायावरी जिंदगी मेरी शगल में है, इसलिए उन्हें कोई रोक-टोक नहीं करते। वे सपत्निक नेत्रदान एवं देहदान की घोषणा कर चुके हैं। इसके पूर्व वे तीन हजार चार सौ किलोमीटर नर्मदा परिक्रमा नौ मार्च से 26 जून 2017 तक साढ़े तीन महीने में पूरा किए हैं। इसके पूर्व लगभग हजार किलोमीटर चारधाम यात्रा कर चुके हैं। चाय, नशा पान से दूर पहाड़े एक वक्त का भोजन करते हैं।

बारिश से दलहनी फसलों को नुकसान, सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। समस्त कृषकगण जो हजारों की संख्या में जय स्तंभ चौक से रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। कृषकगण के द्वारा रबी फसल चना का क्षति मुआवजा नहीं मिलने पर आने वाले समय पर समस्त कृषकगण के द्वारा कलेक्टर परिसर के सामने चक्काजाम व धरना प्रदर्शन करेंगे।

जनप्रतिनिधि जनपद सदस्यगण मिश्रीलाल मारकंडे, श्रीमती धनकुवंर, संतोष वर्मा, पिताम्बर कंवर, पूर्व जनपद सदस्य लखन जंघेल, प्यारे नेताम, एवं सरपंचगण दीपक पटीला, दिनेश वर्मा, सकुन मण्डावी, थानु मंडावी, युवराज कंवर, लखन सिंह वर्मा, मनोज वर्मा, दिनी बाई, हेमकुंवर साहू, लेखराम वर्मा, राजेन्द्र कुमार वर्मा, सुमन परमेश्वर मेश्राम, बुधारू राम धुर्वे, टकेश्वर साहू, इंदुमति रामनाथ वर्मा, गोमती देवी सालिक मरकाम, योगेश संचेती, चुम्मन सिन्हा, हीरू वर्मा, मोहारा, ढारा, देवकट्टा, पलान्दुर, जारवाही, सहसपुर, मुढ़िया, सिवनीकला, केसली, चैतुखपरी, डारागाँव, बिजनापुर, छपारा, ठाकुरटोला, सलौनी, घोटिया, तोतलभर्री, तेन्दुभाठा, सलटिकरी, गाड़ाभवर, कोलिहापुरी, कातलवाही, भानपुरी, ठेलकाडीह, घुमका, पटेवा, उपरवाह, तिलई, मुढ़ीपार, पाड़ादाह, देवरी, विक्रमपुर, टोलागाँव, भण्डारपुर, बढ़ईटोला, ऐसे समस्त आसपास के कृषकगण बड़ी संख्या में पहुचे और मुआवजा का मांग किया गया है।

मारवाड़ी गौड़ ब्राह्मण महिला मंडल ने स्कूली बच्चों संग मनाई होली

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। श्री मारवाडी गौड़ ब्राह्मण महिला मंडल के द्वारा शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला खैरा कन्हारपुरी में स्कूल के बच्चों के साथ महिला दिवस के उपलक्ष्य होली मनाई गई।साथ ही उन्हें पिचकारी गुलाल ए टोपीए और मिठाई बांटे गए। पदाधिकारियों ने कहा कि बच्चों के साथ होली मना कर बहुत अच्छा लगा। बच्चे भी बहुत खुश हुए। समाज की अध्यक्ष संगीता रामकृष्ण जोशी, सचिव वीना सूरज शर्मा, कोषाध्यक्ष भारती मनोज शर्मा, सहसचिव नीतू शर्मा, सुनीता जोशी, अनुराधा शर्मा, रानू शर्मा, संध्या महेश शर्मा, खेमचंद देवांगन, पुष्पलता, गीता अली, सरपंच सभी मौजूद थे।

नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए पंजीयन 20 तक

राजनांदगांव। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पेण्ड्री राजनांदगांव में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत संस्था में पंजीकृत व्यवसाय सेक्टर ऑटोमोबाईल के टैक्सी ड्राईवर कोर्स में प्रशिक्षण नि:शुल्क दिया जाना है। इसके लिए इच्छुक हितग्राही 20 मार्च 2020 तक संस्था में अपना नाम योजना प्रभारी के पास पंजीयन करा सकते हैं।

आस्था | केसरिया रंगों से रंगेंगे भक्त एवं भगवान, सुमधुर भजनों के साथ नृत्य करेंगे युवक, बच्चे एवं बुजुर्ग

भगवान राधाकृष्ण भक्तों के संग होली खेलने निकलेंगे मंदिर से

राजनांदगांव। संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव में पिछले 29 वर्षो से रंगोत्सव का त्यौहार श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के तत्वावधान में नागरिकों की रंगोत्सव समिति द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भक्ति एवं श्रद्धा पूर्ण मनाया जाता है। फागुन शुक्ल पूर्णिमा को होलिका दहन के पश्चात चैत्र कृष्ण एकम को श्री सत्यनारायण मंदिर में विराजित अखंड ब्रम्हाण्ड नायक भगवान राधाकृष्ण स्वयं अपने भक्तों के साथ रंग खेलने के लिए भव्य रथ पर सवार होकर शहर के प्रमुख मार्गों से निकलते हुए फागुन महोत्सव का आनंद भक्तों को प्रदान करते हैं।

ज्ञातव्य है कि भगवान राधाकृष्ण मंदिर के गर्भगृह में विराजमान होते है, वर्ष में केवल दो दिन फागुन शुक्ल पूर्णिमा को भक्तों के साथ होली खेलने एवं भादवा शुक्ल ग्यारस को डोला में बैठकर जलक्रीड़ा करने ही भगवान मंदिर से निकलते है। इन दो महोत्सव अवसर पर आमजन बिना किसी भेदभाव के अपने आराध्य को स्पर्श करके पूजन, अभिषेक कर सकते है।

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति हिंदू संस्कृति के विभिन्न त्योहारों को सार्वजनिक रूप से मनाती आ रही है। इसी तारतम्य में 29 वर्ष पूर्व यह परंपरा प्रारंभ की गई। यह आयोजन संस्कारधानी नगरी की गरिमा के अनुरूप मनाया जाता है। इस वर्ष 10 मार्च को रंगोत्सव का त्यौहार धूमधाम से मनाए जाने हेतु व्यापक तैयारियां की जा रही है। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति एवं नगर के श्रद्धालु भक्तगणों की आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष रंगोत्सव पर भव्य रथ को तैयार किया जावेगा। जिसमें राधाकृष्ण स्वरूप की मूर्तियों के हाथ में रखी पिचकारी से केशरिया रंग की फुहार निकलेगी, जो सभी भक्तों को केशरिया रंग से सराबोर कर देगी। श्री सत्यनारायण मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठित भगवान राधाकृष्ण रथ के अग्र भाग में विराजित होंगे। भगवान राधाकृष्ण के ऊपर कोई भी भक्त बिना किसी ऊंच-नीच, धर्म-जाति, अमीर-गरीब के भेदभाव के स्वयं अपने हाथों से रंग, गुलाल, जल, प्रसाद इत्यादि का अर्पण कर सकेगा। भव्य रथ की तैयारी हेतु अनेक भक्त दिनरात जुटे हुए है।

श्री सत्यनारायण मंदिर रंगोत्सव समिति की ओर से जानकारी दी गई है कि भगवान राधाकृष्ण की भव्य शोभायात्रा सुबह 9 बजे प्रारंभ होगी। शोभायात्रा कामठी लाइन से भारतमाता चौक, आजाद चौक, मानव मंदिर चौक, गांधी चौक से गौशाला पारा से तेलीपारा होते हुए सदर बाजार, भारतमाता चौक से तिरंगा चौक, रामाधीन मार्ग, श्री श्याम मंदिर गली से कामठी लाइन स्थित मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा के मार्ग में अनेक भक्तों द्वारा स्वप्रेरणा से अपने आराध्य भगवान राधाकृष्ण एवं उनके ग्वाल-बालों का स्वागत सत्कार ठंडाई, शीतल पेय, पेयजल, जलपान, फल इत्यादि से किया जाता है। इस वर्ष अनेक स्थानों पर रंगों के फुहारे से केशरिया रंग की बारिश किये जाने की तैयारियां की जा रही है। शोभायात्रा को भव्यता प्रदान करने सभी भक्तों की एकरूपता को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी सभी भक्तों के लिए विशेष रंग-बिरंगी पगड़ी मंगाई गई है। रंगोत्सव समिति द्वारा मंदिर के समक्ष रथयात्रा प्रारंभ होने के समय उपस्थित सभी भक्तों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया जावेगा। शोभायात्रा की विशेषता यह होती है कि प्रत्येक भक्त केशरिया रंग में रंगा होता है। रंगोत्सव समिति ने आमजनों से आग्रह किया है कि शोभयात्रा में शामिल भक्तो के ऊपर लाल, गुलाबी एवं केशरिया रंगों एवं गुलाल का प्रयोग करे। संस्कारधानी के सभी प्रमुख भजन मंडलियों एवं भजन गायकों को इस अवसर पर फागुन के भजन गायन के लिए आमंत्रित किया गया है। अनेक भजन मंडलियों एवं गायक कलाकारों से चर्चा कर सहमति प्राप्त कर ली गई है।

होली के रंग में रंग गया बाजार, सज गई दुकानें

होली की तैयारियों में बाजारों में लगी भीड़

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। होली के लिए अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। देखा जाए तो अभी से होली का माहौल दिखने लगा है। शहर में जगह-जगह होली की दुकानें सच चुकी हैं। हर चौक चौराहे पर आपको होली के सामानों के साथ दुकान सजे हुए मिल जाएगी। बाजार भी गुलजार नजर आ रहा है। क्योंकि होली का त्योहार जो है, बाजार में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। दुकानों में खरीददारी करने के लिए ग्राहक पहुंच रहे हैं। होली की तैयारी में कोई भी कमी नहीं छोडऩा चाहता है।

होली के सामानों से सजा बाजार

नगर का पूरा बाजार होली के दुकानों से सजा हुआ है। होली रंगों का त्योहार है, तो दुकानें भी रंग बिरंगी दिख रही हैं। जगह-जगह रंग बिरंग पिचकारियों से दुकानें सजी हुई हैं। आकर्षक पिचकारी बच्चों को लुभा रहे हैं। अलग-अलग कलर के लिए बच्चे उत्सुक नजर आ रहे हैं। तो वहीं दुकानदार भी पिछली बार से ज्यादा सुविधा अपने ग्राहकों को दे रहे हैं। और नए अंदाज में दुकानों को सजाए हुए हैं। होली के इस त्योहार में होली की स्पेशल सामग्री के साथ दुकान में बैठे व्यापारियों का मानना है कि अभी जितने ग्राहकों की उन्हें उम्मीद है उतने तो नहीं आ रहे हैं। लेकिन कल से ग्राहकी बढऩे की उम्मीद है। नगर के मुख्य बाजार, मुख्य मार्ग सहित प्रमुख स्थानों पर रंग बिरंगी पिचकारी की दुकानें खुल गई हैं। व्यापारियों द्वारा रंग, गुलाल, स्प्रे पेंट सहित तरह-तरह के प्लास्टिक आइटम बेचे जा रहे हैं। अलग-अलग कीमतों की सामग्री बाजार में उपलब्ध है। दुकानदारों ने बताया कि इस बार नई नई वैरायटी की पिचकारी,एवं अलग अलग स्टाइल के हेयर बाजार में उपलब्ध हैं, जिनको बच्चे खासा पसंद कर रहे हैं।

होलिका दहन के बाद मनाया जाएगा रंगों का पर्व होली

मुंगेली। नगर में आज देर रात होलिका दहन किया जाएगा, होली पर्व को लेकर बच्चों समेत बड़ों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, हफ्ते भर पहले से बच्चों ने होलिका दहन के लिए सूखी लकड़ियों को इकट्ठा करना शुरू कर दिए थे, आचार्यों की मानें तो इस बार सोमवार 09 मार्च को प्रातः काल 10 बजकर 45 से भद्राकाल प्रारंभ हो जाएगा और सायंकाल 06 बजकर 59 तक रहेगा, इसके बाद 07 बजकर 28 मिनट से रात्रि तक होलिका दहन किया जा सकता है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि माना जाता है कि भद्रा में होलिका दहन नहीं किया जाता है, इसलिए होलिका दहन फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को भद्रा समय के बाद किया जाएगा। दूसरी ओर सभी लोग अपनी क्षेत्र परंपरा के अनुसार होलिका दहन करेंगे, वैसे तो माना जाता है कि भद्रा में होलिका दहन

नहीं होना चाहिए, इसके अलावा प्रतिपदा चतुर्दशी भद्रा और दिन में होलिका जलाना सर्वथा त्याग योग्य समझा जाता है। होलिका दहन का सामाजिक और पौराणिक दोनों दृष्टियों से महत्व है, इसे होली के एक दिन पूर्व की सन्ध्या को किया जाता है। होली में जितना महत्व रंगो का है उतना ही होलिका दहन का भी है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा करके आप अपनी कोई भी कामना पूरी कर सकते है। सामाजिक दृष्टि से कहते हैं कि होलिका की अग्नि में किसी भी बुराई को जलाकर खाक कर सकते है। होलिका पूजन के लिए रोली, कच्चा सूत, चावल, पुष्प, साबुत हल्दी, बतासे, श्रीफल और बल्ले आदि का महत्व है जिसे होलिका दहन के पहले एक थाली में समस्त पूजन सामाग्री रखकर पूजा की जाएगी। देर शाम होलिका दहन के पश्चात् अगले दिन 10 मार्च को होली खेली जाएगी। पर्व को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है।

बाजार सजे हुए - त्यौहार के अंतिम धंटो मे भी शहर सहित क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर रंग-गुलाल की बाजार मे भारी भीड नजर आया। कोरोना का भय बाजार मे देखने को मिल रहा है। होली के लिए लगे दुकान के स्टॉल में कई प्रकार की टोपी व पिचकारी भी मौजूद रहे और लोग खरीददारी मे जुटे रहे, खासकर बच्चों को चश्में वाली पिचकारी पहली पसंद बना हुआ है, जिसमें गुलाल डालकर किसी पर छोड़ सकते है।

न्यूज गैलरी

छात्राओं को वितरित की गईं साइकिलें

मुंगेली। शासकीय हाइस्कूल प्रतापपुर में निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत 20 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। मुख्य अतिथि नवनियुक्त जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजीत बनर्जी, सरपंच वकार अली, समन्वयक जिला राम यादव, प्राचार्यएम. आर. पोर्ते, मेघनाथ कोसरिया, राजेश पांडेय, विजय यादव, तारचंद महिलांगे, संदीप जांगड़े, नागवंशी सर, उमेश साहू, आमीन कौशल मैडम,राजकुमारी जोशी मैडम, ग्रामीण सभी लोग उपस्थित थे।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

मुंगेली। नगर के बड़ा बाजार कुम्हार पारा में फांसी लगाने की घटना की जानकारी होने पर सनसनी फैल गई घटना में घर में दिन-दहाड़े दोपहर में 32 वर्षीय शादीशुदा युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सिटीकोतवाली के बड़ा बाजार स्थित कुम्हार पारा की है जिसमें बन्टी धोबी के मकान में दोपहर1 बजे से 5.30 बजे के बीच की है मृतिका सुनिता यादव का पति रमेश यादव शाम को 5.30 बजे घर पहुचे तो देखा की कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नही होने पर दरवाजे को धका देकर खोलने पर देखा पत्नी सुनिता यादव पंखे के हुक से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली है। तब रमेश यादव ने आस-पास के लोगो को बुलाया और थाने में जाकर घटना की सूचना दी। आत्महत्या के कारण का पता नही चल पाया है मुंगेली पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है। बताया जाता है कि पति रमेश यादव की यह दूसरी शादी थी वहीं सुनिता यादव की भी यह दूसरी शादी थी।

सूरजपुर पुलिस अधीक्षक ने ली एन्टी ह्युमन ट्रैफिकिंग यूनिट की पहली बैठक

सूरजपुर। जिले में शुक्रवार 06 मार्च 2020 को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री राजेश कुकरेजा ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की पहली बैठक ली। बैठक में पुलिस के अधिकारी, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू), लेबर आफिसर, लाइल्ड लाईन व बाल संरक्षण विभाग के अधिकारी एवं हेल्ड डेवलपमेंट के डॉक्टर मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बालकों/जुबेनाईल संबंधित मामलों को हैंडल करने की प्रक्रिया व पुलिस रिस्पांस एवं व्यवहार को किशोर न्याय अधिनियम तथा मानव तस्करी रोकने के लिए ग्राम सरपंच, ग्राम रक्षा समिति एवं चाईल्ड लाईन, बाल संरक्षण विभाग को पुलिस की मदद करने के लिए कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मानव तस्करी से जुड़े मामलों पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है और जितने भी संदिग्ध गतिविधियां मानव तस्करी से जुड़ी प्राप्त होगी उस पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मानव तस्करी की घटनाएं न हो इस हेतु सभी के सहयोग से बेहतर कार्य किए जायेंगे। जानकारी के अभाव अथवा थोड़ी सी रकम के लालच में लोग नाबालिग को क्षेत्र से बाहर काम करने के लिए भेज देते हैं, जिसका नाजायज फायदा उठाया जाता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जिले के दुरस्थ क्षेत्रों में इस पर कार्यशाला आयोजित कर ग्रामीणों को इसके बारे में जागरूक किया जाएगा तथा उन्हें शासन की योजनाओं के बारे में अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कही भी कोई व्यक्ति किसी युवती या युवक को कही बाहर काम दिलाने के लिए ले जाने के लिए आते है अथवा ले कर जाते हैं इसकी सूचना तत्काल ही पुलिस को दी जाए। पुलिस को जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने एएसपी हरीश राठौर को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट का प्रभारी बनाया है साथ ही पुलिस सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी व सदस्य बनाया है।

लड़की हुई गायब, पिता की शिकायत पर पुलिस ने लड़के संग पकड़ा, दोनों नाबालिग

सूरजपुर। 8 मार्च 2020 को माईनस कालोनी भटगांव निवासी एक व्यक्ति ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक लड़की 07 मार्च के रात्रि 8.30 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है तथा संदेह जाहीर किया कि जरही निवासी एक नाबालिक लड़के ने इसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है रिपोर्ट पर थाना भटगांव में गुम इंसान क्र. 05/20 दर्ज कर अपराध क्रमांक 27/20 धारा 363 भादवि के तहत् मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज, सरगुजा श्री रतनलाल डांगी ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही को लेकर निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री राजेश कुकरेजा ने तत्परता से मामले का संज्ञान लेते हुए भटगांव की पुलिस टीम को आवेदक व अन्य लोगों से जानकारी मालुमात करते हुए पतासाजी कर दस्तयाब करने के निर्देश दिए। इस मामले में भटगांव पुलिस की टीम ने सक्रियता बरतते हुए नाबालिक लड़की एवं नाबालिक लड़के को ग्राम कोरंधा के पास से बरामद कर लिया है।

कमेला के गौठान में ग्रामीणों संग सीईओ जिला पंचायत ने सुनी लोकवाणी

कोंडागॉव। सीईओ जिला पंचायत देवनारायण कश्यप के निर्देशन में मुख्यमंत्री लोकवाणी कार्यक्रम का श्रवण कार्यक्रम को ग्राम पंचायत कमेला के गौठान स्थल पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा महिला दिवस पर नवाचार से समृद्धि के द्वारा एक दुकान सबो समान के तर्ज पर स्कूल आश्रम छात्रावास एवं शासकीय संस्थाओं में जरूरत के अनुसार सामग्री प्रदान करने की व्यवस्था पर प्रकाश डाला गया थानों में महिला डेस्क की स्थापना महिला हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर ,महिला पुलिस स्वयं सेविका योजना ,महिला जागृति शिविर योजना ,महिला शक्ति कृत योजना ,महिला स्व आधार योजना ,महिला उज्जवला गृह योजना ,महिला कामकाजी हॉस्टल योजना ,पर विस्तार से जानकारी दिया गया।

निधन

श्रीमती तारा पाण्डे

मुंगेली। पुराना बस स्टैण्ड सरदार पटेल वार्ड निवासी स्व. रामसुंदर

पाण्डे की धर्मपत्नि श्रीमती तारा पाण्डे का 78 वर्ष की उम्र में आज 7 मार्च शनिवार को निधन हो गया। वे रायबहादुर पाण्डे की भाभी एवं संजय पाण्डे की मां थी। उनका अंतिम संस्कार खर्राघाट स्थित मुक्ति धाम में किया गया।

कलेक्टर-एसपी ने अरनपुर-पोटाली सड़क निर्माण का लिया जायजा

नव प्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। डीआईजी सीआरपीएफ श्री डीएन लाल सहित कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा, एसपी डॉ अभिषेक पल्लव और सीईओ जिला पंचायत श्री सच्चिदानंद आलोक ने जिले के कुआकोंडा ब्लॉक अंतर्गत अरनपुर-पोटाली सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया ।

उक्त कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर अतिशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। अपने भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने बुरगुम में उचित मूल्य दुकान निर्माण कार्य को देखा तथा इसे जल्द पूरा करने कहा, जिससे उक्त उचित मूल्य दुकान में अप्रैल महीने का चावल और अन्य जरूरी सामग्री का भंडारण कर आगामी माह से ग्रामीणों को वितरित किया जा सके।डीआईजी श्री डीएन लाल कलेक्टर श्री वर्मा सहित एसपी डॉ पल्लव एवं सीईओ जिला पंचायत श्री एस आलोक ने बुरगुम एवं पोटाली में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण कार्य की भी शुरुआत की और ग्रामीणों को उक्त रोजगारमूलक कार्य में नियमित रूप से काम करने की समझाईश दी। इस दौरान सभी ने पोटाली पटेलपारा निवासी श्रीमती मंगरी पति श्री

हिड़मा मरकामी के घर में बिजली जलाकर विद्युत आपूर्ति की शुरुआत किया। इस दौरान कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि अब इस दूरस्थ ईलाके के गांवों में अंधियारा दूर होगी और विकास को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि पोटाली के अन्य 6 मजरे-टोले में अतिशीघ्र विद्युतीकरण पूर्ण किया जायेगा और हरेक घर में एकलबत्ती कनेक्शन प्रदान किया जायेगा। इसके साथ ही बुरगुम में भी जल्द बिजली पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने पोटाली में आश्रम भवन निर्माण को भी शीघ्र आरंभ करने आश्वस्त किया। वहीं पोटाली पटेलपारा निवासी घनाराम पिता श्री कोसा मरकामी की मांग पर उसे मोचोबाड़ी योजनान्तर्गत लाभान्वित करने की स्वीकृति दी।

लोगों ने तन्मयता के साथ सुनी लोकवाणी

दंतेवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 8 वीं कड़ी को जिले के लोगों ने तन्मयता के साथ श्रवण किया। इस दौरान जिला ग्रंथालय दन्तेवाड़ा में अधिकारियों-कर्मचारियों सहित गणमान्य नागरिकों के साथ ही आश्रम-छात्रावासों तथा आवासीय विद्यालयों के बच्चों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल की लोकवाणी का श्रवण किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनजर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की लोकवाणी में इस बार का विषय महिलाओं को बराबरी के अवसर पर आधारित था। रेडियो वार्ता की शुरुआत मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सहित होली पर्व की शुभकामनाओं के साथ की। वहीं उन्होंने भक्त माता कर्मा जयंती एवं वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी का स्मरण कर उनके पराक्रम एवं बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ-शक्ति के बिना इस संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। हमारे छत्तीसगढ़ में तो देवी को अपने हर स्वरूप में मां माना जाता है।

नए किचन शेड और कार पार्किंग का शुभारंभ

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। 230 बटालियन के हेड ऑफिस थाना परिसर के अंदर बचेली में एनएमडीसी के सहयोग से 230सीआरपीएफ बटालियन व पुलिस विभाग के लिए किचन शेड के साथ-साथ कार पार्किंग के लिए नए शेड का निर्माण कराया गया जिसका शुभारंभ बचेली एनएमडीसी के अदिशासी निदेशक श्री ए के प्रजापति ने फीता काट कर किया इस कार्य की अनुमानित लागत साढ़े नो लाख रूपय है । जवानों के लिए बनाया गया किचन व डायनिग हाल यह सुविधा युक्त है ।जिसमे किचन के साथ साथ कई जवान एक साथ बैठ कर खाना भी खा सकते हैं । यह कार्य सिविल विभाग के प्रमुख श्री मनोहर चौकसे की अद्यक्षता में किया गया । जिसमे सिविल विभाग के श्री सचिन पाठक व साइड इंचार्ज श्री जायसवाल ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया । इस उद्घाटन समारोह में एनएमडीसी के जीएम मजूमदार, पर्सनॉल विभाग के प्रदीप सक्सेना, बासु वही सिविल विभाग के अभिषेक प्रसाद, राहुल तिवारी, आर साहू , गुप्ता, श्रीनिवासन, श्रीधर, नवीन, मन्ना वही सीआरपीएफ के सीनियर कमांडेंट डब्ल्यू आर जोउसवा, चंद्रशेखर, पांडा जी व अन्य अधिकारियों के साथ सीआईएसएफ बचेली के कमांडेंट नीलेश कुमार, किरंदुल सीआईएसएफ के कमांडेंट अरविंद जी तथा पुलिस विभाग के एसडीओपी देवांश राठौर ,एस आई प्रवीण चौहान, ए एस आई श्री सीमांचलम के साथ साथ सभी सीआरपीएफके जवान व अन्य कई लोग उपस्थित थे ।

सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में होली मनाने की अपील

नव प्रदेश संवाददाता

कांकेर। होली एवं रंगपंचमी के त्यौहार को सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से की गई है। जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष, पार्षदगण एवं पत्रकारो की उपस्थिति में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री के.एल. चौहान की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें होली एवं रंगपंचमी त्यौहार को सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का अनुरोध नागरिकों से किया गया। कोरोना वाइरस को दृष्टिगत रखते हुए नागरिकों को समूह में होली खेलने से बचने की सलाह दी गई है, साथ ही सूखा होली खेलने की अपील किया गया है। कलेक्टर श्री चौहान ने कहा कि होली में किसी व्यक्ति पर बजरदस्ती रंग, गुलाल न लगाई जाय। हर्बल रंग का उपयोग करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि काले तेल और राखड़, वार्निस या ऐसे अन्य पेंटों का उपयोग एवं पानी के गुब्बारा का उपयोग नहीं किया जावे। मुखौटा का उपयोग नहीं करने, वाहनों को रोक कर चंदा वसूली नहीं करने, तेज रफ्तार में मोटर सायकल नहीं चलाने एवं दो से अधिक सवारी नहीं करने की सलाह भी उनके द्वारा दी गई। मद्यपान की स्थिति में मोटरसायकिल, जीप, टैक्सी इत्यादि वाहन नहीं चलाने की भी समझाईश दिया गया।

आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केंद्र मुंगेली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केंद्र मुंगेली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें. एन.एस.डी.सी. के निर्देशित बिंदु के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमे मुख्याअतिथि श्रीमती अंजना ठाकुर जी महिला स्वसहायता समूह की अध्यक्ष उपस्थित रही। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जिसका उदेश्य है कि ''सशक्त नारी, समृद्ध देश कौशल मेरा सम्मान है, नारीत्व ही मेरी पहचान है के साथ आज आईसेक्ट में इसे बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया जिसमें महिलाओं ने भाग लिया साथ ही महिला दिवस पर अपने अनुभव भी बताया कि उन्हें यहां आकर कैसा लगा और वो आज अपने आप को आत्मनिर्भर और किसी पर भी आश्रित नही है समझते स्वयं का कार्य कर रही है और समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है आज हर महिला समाज में कदम से कदम मिला कर चल रही है सभी ने अपने अपने अनुभव व्यक्त किये उसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चआा मुंगेली के सेन्टर हेड अभिषेक तिवारी ने महिला दिवस की बधाई दी और सबका मनोबल बढ़ाया गया इस अवसर पर आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के समस्त स्टाफमौजूद थे।

एक सप्ताह बाद भी नहीं आया धान खरीदी का आदेश, किसान कर रहे केंन्द्रो में रतजगा

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिले मे टोकन काटे गए किसानों के धान खरीदने की घोषणा करने के एक सप्ताह के बाद भी अभी तक किसानों की धान खरीदने का आदेश जिला मुख्यालय में नहीं पहुचा हे जिसके कारण किसान में दुविधा के स्थिति में है और आदेश आने का इंतजार में खरीदी केंन्द्र में रतजगा करने पर मजबूर है वही कइ किसानों ने अपना धान बेचने के लिए खरीदन केन्द्र में लाए किंतु बारदाना नहीं होने के कारण समय पर धान नही खरीदे गया इस बीच जमकर बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई जिससे कई किसानों के धान खुले आसमान के नीचे होने के कारण बाद में कई कटटा धान के उपर जरई आ गई है ऐसी स्थिति में किसानों का ऐसे धान को खरीदने पर अधिकारी भी पेशोपेश की स्थिति में है जबकि जिस परेशानी के कारण किसानों का धान समया परी नही खरीदा गया था वह समस्या अभी तक यहां बनी हुई है क्योकि अभी तक यहां 5 लाख नग बारदान की जरूरत है जो अभी तक जिला मुख्यालय में नहीं पहुचा है वही खरी गए धान को परिवहन की धीमी गति के कारण मात्र 68 प्रतिशत ही परिवहन हो पाया है और जिले के विभिन्न खरीदी केंन्द्र में 15 हजार तीन सौ मैट्रिक टन धान खरीदी केन्द्रों में ड़म्प है।

फाईल फोटो

रतजगाा करने पर मजबूर किसान- बीते 27 फरवरी को मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में टोकन जारी किसानों का धान खरीदी करने की घोषणा किया गया उसके बाद भी एक सप्ताह बाद भी अभी तक धान खरीदी के संबेध में जिला मुख्यालय में आदेश नही आया किसानों के नाम का टोकन जारी होने के बाद किसान अपनी धान को खरीदी केन्द्रो में बेचने के लिए लाया किंतु केन्द्र में बारदाना नही होने के कारण किसानों का धान नही खरीदा गया इस कारण से कई किसानों का धान का कटटा खरीदी केन्द्र में ही रखा रहा जिसकी सुरक्षा व्यवस्था खुद करते हुए रतजगाा करने पर मजबूर है जबकि इस बीच बीते 23 फरवरी की रात मौसम बदलने के साथ ही अचानक जमकर बारिश और ओलावृष्टि हुई किंतु किसानों के धान की सुरक्षा की व्यवस्था नही था इसका कई किसानों के धान बारिश एवं ओलावृष्टि से भीग गया और बाद में कई कटटा धान के उपर जरई आ गई है।

नहीं आया है अभी तक बारदाना- जिले के किसानों का धान बारदाना के अभाव में निर्धारित समया पर नही खरीदा जा सका जिले में लगभग 3 लाख कुंटल धान खरीदना है जिसके लिए बारदाना की जरूरत शुरू से था जो उस समय पर यहां नही आया जिससे किसानों को किसानों का धान नही खरीदा जा सका इस कारण से किसान अभी तक के धान नही बिकने से परेशान है और अभी तक जानकारी के मुताबिक जिले में जरूरत के मुताबिक बारदाना में से एक नग अभी तक किसानों के धान के लिए नही पहुचा है ऐसी स्थिति में किसनों का बचा हुआ धान को कैसे खरीदा जाएगा जिसका जवाब अभी तक फिलहाल किसी के पास नही है।

होली के जायके पर खाद्य विभाग की नजर

नव प्रदेश संवाददाता

खाद्य विभाग द्वारा लगातार की जा रही छापेमार करवाई

कोरबा। होली के त्योहारों पर मिठाइयों की महक से मुंह में पानी भर ही आता है। चकमक करते सिल्वर बर्क के बीच मिठाइयों से सजे बाजार में ढेर सारे खोवा व मावा के बीच छुपे जहर को ढूंढ़ना मुश्किल है। नकली खोवा या वनस्पति घी से बनाई गई मिठाइयों की असलीयत भी तब पता चलती है, जब खरीदार उसे खरीदकर घर ले आते हैं। रंगों का पर्व होली का फायदा उठाकर कुछ ऐसा तो नहीं हो रहा है, इसे लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने निरीक्षण व सैंपलिंग की। इस दौरान एक होटल से बेसन की बर्फी के सैंपल लिए गए।

शनिवार को जिले में संचालित विभिन्न फर्मों का निरीक्षण किया गया और साफ सफाई का जायजा लिया गया। होली के त्योहार को देखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान हरियाणा स्वीट्स से बेसन की बर्फी का नमूना लिया गया। पिछले 11 दिन से जारी सतत जांच अभियान की कार्रवाई अभिहित अधिकारी भीष्म देव सिंह के दिशा-निर्देश से खाद्य सुरक्षा अफसरों विकास भगत एफएसओ एवं आरआर देवांगन एफएसओ की ओर से नमूना संकलन किया गया। होली त्योहार को देखते हुए कोरबा स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों में पिछले 11 दिन से सघन जांच कार्रवाई की जा रही है। इस जांच अभियान के साथ ही प्रतिष्ठान संचालकों को होली त्योहार के मद्देनजर स्वच्छता, हाइजीन व अन्य सावधानियों का ध्यान रखते हुए नियमों का पालन कड़ाई से सुनिश्चित करने दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए हैं।

समेली में महिला समूह सम्मेलन सम्पन्न

नव प्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आज जिले के दूरस्थ कुआकोंडा ब्लॉक अंतर्गत समेली में जिला स्तरीय महिला समूह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस मौके पर धुर नक्सली प्रभावित ईलाके के हजारों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर सम्मेलन में सहभागिता निभायी। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य विमला कुंजाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुआकोंडा जोगी कर्मा और क्षेत्र के महिला जनप्रतिनिधियों सहित डीआईजी सीआरपीएफ श्री डीएन लाल, कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा, एसपी डॉ अभिषेक पल्लव, सीईओ जिला पंचायत श्री सच्चिदानंद आलोक तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीण महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए सभी महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। महिला समूहों के सम्मेलन में दंतेश्वरी फाइटर्स की महिला कमांडो द्वारा स्थानीय गोंडी बोली में कला जत्था कार्यक्रम प्रस्तुति के जरिये नक्सली उन्मूलन सम्बन्धी जागरूकता सन्देश दी गयी। इस अवसर पर डीआईजी सीआरपीएफ श्री डीएन लाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन माताओं-बहनों के लिये गौरवान्वित होने का है , सभी लोग मिलकर इस महत्वपूर्ण दिवस को मना रहे हैं।

प्रदेश में 30 लाख से अधिक हितग्राहियों को मिल रहा पोषण योजनाओं का लाभ : सीएम बघेल

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की 8वीं कड़ी का प्रसारण आज 08 मार्च को किया गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल लोकवाणी में इस बार 'महिलाओं को बराबरी के अवसर' विषय पर प्रदेशवासियों से बात की। लोकवाणी का प्रसारण छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केन्द्रों, एफएम. रेडियो और क्षेत्रीय न्यूज चैनलों से सुबह 10.30 से 10.55 बजे तक किया गया । मुख्यमंत्री श्री बघेल के मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी को मुगेली जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं और छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने तन्मयता से सुना । इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री बघेल के मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी को मुंगेली जिला मुख्यालय के मजगांव पारा स्थित पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास की बालिकाओं और पड़ाव चैक स्थित प्री मैट्रिक छात्रावास के छात्रों ने भी उत्साह पूर्वक सुना । उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरें ने जिले में मुख्यमंत्री श्री बघेल के मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी को सुनने के लिए व्यापक व्यवस्था की थी । मुख्यमंत्री श्री बघेल अपने मासिक रेडियावार्ता 'लोकवाणी' की 8वीं कड़ी में आम लोगों से रू-ब-रू होते हुए प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और रंगो के त्यौहार होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दो दिन बाद होली है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार है। साथ ही रंगों में रंग मिलाने का अर्थात हर इंसान के बीच समन्वय, सद्भाव और सौहार्द्र का त्यौहार है। श्री बघेल ने 20 मार्च को 'भक्त माता कर्मा जयंती' तथा वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस का भी उल्लेख करते हुए कहा कि एक ओर त्याग, भक्ति और अध्यात्म का शिखर तो दूसरी ओर पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान। उन्होने मातृ-शक्ति के इन दोनों स्वरूपों को नमन किया और उन्होंने नवरात्र एवं चैट्रीचंड पर्व की बधाई भी प्रदेशवासियों को दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी का जीवन अपने परिवार की सारी आवश्यकताओं के लिए समर्पित रहता है। नारी को अन्नपूर्णा भी कहा जाता है, यदि माँ कुपोषित, एनीमिया की शिकार रहेगी तो उनके शिशु की सेहत पर भी विपरित प्रभाव पडेंगा । इसलिए प्रदेश मे सुपोषण अभियान 2 अक्टूबर 2019 अर्थात गांधी जयंती के दिन से शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को तथा 15 से 49 वर्ष तक की महिलाओं को खून की कमी और कुपोषण की समस्या से उबारने का लक्ष्य रखा गया है।

महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए पीसीसी चिफ मोहन मरकाम

नव प्रदेश संवाददाता

कोंडागॉव। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पे जिला एवं शहर महिला कांग्रेस कोंडागांव द्वारा स्थानीय कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में छ ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व कोंडागांव विधायक मोहन मरकाम भी शामिल हुए महिला दिवस के अवसर पे एक ओर जहां उनके बीच कुर्सी दौड़,मटका फोड़,मोमबत्ती जलाने,फुगा फोड़ने जैसी प्रतियोगिता आयोजित की वही पार्षद शांति पांडे व अन्य महिलाओं ने सुंदर भजन प्रस्तुत किया।

हल्बी गीत पे अपने आपको थिरकने से नही रोक पाए प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम और जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद महिला दिवस के इस आयोजन में मधुर हल्बी लोक गीतों पर पीसीसी चिफ़ मोहन जिला पंचायत अध्यक्ष मातलाम प्रदेश सचिव मनीष श्रीवास्तव के साथ जमकर नृत्य करते नजर आए। इस अवसर पे उन्होंने प्रतियोगिता में विजेता समस्त प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया वहीं शेष अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया साथ ही कोंडागांव का मान सम्मान बढ़ाने वाली बेटिया जिन्होंने विभिन्न विषयों में स्वर्ण पदक हासिल किया उनका शाल श्रीफल पहनाकर सम्मान किया व मातृ शक्ति को महिला दिवस की बधाई प्रेषित करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और प्रतियोगिता के दौरान सबका उत्साह वर्धन किया इस अवसर पे जिला पंचायत उपाध्यक्ष भागवती पटेल जिला अध्यक्ष सुखबति मरकाम,शहर अध्यक्ष तबसुम बनो,पार्षदगण ललिता नेताम,शांति पांडे,वेदवती पोयाम, डॉ.शिल्पादेवांगन, गुनमति नायक, आरती नेताम, माही रायकवार, ननकी वैष्णव, सरिता देवांगन, चंचला विश्वास, हेमा देवांगन सहित शहर वसुदूर क्षेत्र की महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता गणमान्य महिलाएं व कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

अनियंत्रित कार ने ठोका खड़ी मोटर साइकिल को, बाइक क्षतिग्रस्त

कोंडागांव। बीती शनिवार देर रात सरगीपाल पारा चर्च गली के पास रोड किनारे खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल को तेज स्पीड हरीहर कार ने टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि मोटर साइकिल पल्सर दूर नाली में जा गिरी, टक्कर से पल्सर बाइक क्षतिग्रस्त हो गई वही दुर्घटना स्थल पर किसी के नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना की आवाज सुनते ही मोहल्ले वासी घरों से निकल दुर्घटना स्थल पहुंच गए वहीं मोहल्ले वासियों ने दुर्घटना की शिकायत पुलिस को तत्काल दी। पुलिस ने स्थानीय लोगो से कह क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को नाली से बाहर निकलवाया। वहीं खड़ी गाड़ी को ठोकर मारने वाले वाहन चालक के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया। जानकारी के अनुसार सरगीपाल पारा के मैथोडिस्ट चर्च के पास घर के सामने रात लगभग 10 बजे सड़क किनारे बजाज पल्सर सीजी 27 के 8619 खड़ी थी। वहीं सरगीपाल पारा से बसस्टैंड की ओर जा रही तेज रफ्तार हरियर वाहन क्रमांक सीजी 27 के 8119 चर्च के पास गति तेज होने के कारण अनियंत्रित हो कार चालक ने सड़क किनारे खड़ी पल्सर को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हरियर वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल रोड से घसीटते,सड़क किनारे बनी नाली में जा घुसी। हालांकि इस दौरान कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं हरियर वाहन चालक रिंकू बाघमारे हादसे के बाद अपने आप को बोरिंग गाड़ी का ठेकेदार बताते हुए, बोलने लगा कि मेरा कोई कुछ नही कर सकता और भागने की कोशिश करने लगा। तभी मुहल्ले वालो ने पुलिस थाने फोन कर आरोपी रिंकू बाघमारे को थाने में पहुंचवाया।

सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान द्वारा शिक्षाविद् का सम्मान

नव प्रदेश संवाददाता

बालकोनगर। 'कोमल है कमजोर नहीं तू, शक्ति का नाम ही नारी है, जग को जीवन देने वाली मौत भी तुझ से हारी है।' नारी उस शक्ति का नाम है जो एक मां, बहन, पत्नी व बेटी के रूप में सदैव सबको सुख देने के लिए अपना जीवन कुर्बान कर देती है। सदियों से ही भारत में महिलाओं का सम्मान किया जाता है। घर की रसोई से लेकर परिवार के हर सदस्य की जरूरतों की पूर्ति करने की जिम्मेदारी बखूबी संभालने की वजह से उसे 'अन्नपूर्णा' व 'गृहलक्ष्मी' के नाम से भी पुकारा जाता है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान कोरबा द्वारा बाल्को सिविक सेंटर डांस प्लेनेट में शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी शिक्षाविद सहित राष्ट्रीय स्तर तक अपना गौरव प्राप्त कर चुकी महिलाओं का सम्मान किया गया। ऐसी ही महिलाओं ने मनीषी सिंह और श्रुति यादव का नाम गौरव से लिया जा सकता है इंटरनेशनल बैडमिंटन खेल चुकी मनीषी सिंह जिसका सेलेक्शन विश्व बैडमिंटन 2020 चैंपियन के लिए हुआ है दूसरी ओर श्रुति यादव शूटर के नाम से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी है, का रायपुर में भी आज सम्मान हुआ है इनकी यह उपलब्धि महिला होकर भी आत्मविश्वास के साथ इस बात को दर्शाती है की नारी पुरुष पर आश्रित नहीं बल्कि अपने दम पर मुकाम हासिल कर सकती हैं शिक्षाविद ने सम्मानित करते हुए सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान की ओर से श्रीमती कोमल माथुर ने सभी महिलाओं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पुलिस ने महिलाओं का किया सम्मान

नव प्रदेश संवाददाता

सूरजपुर। माननीय मुख्यमंत्री महोदय छत्तीसगढ़ शासन श्री भूपेश बघेल का रविवार 08 मार्च 2020 को रेडियोवार्ता लोकवाणी की 8वीं कड़ी का प्रसारण के दौरान सूरजपुर जिले के थाना रमकोला, चांदनी एवं पुलिस लाईन सूरजपुर के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी व आसपास क्षेत्र के महिला एवं पुरूष ग्रामीणजनों ने लोकवाणी प्रसारण को ध्यानपूर्वक सुना। लोकवाणी समाप्ति उपरान्त लाईन में रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुर्रे ने महिला कर्मचारियों एवं उपस्थित महिलाओं को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार थाना प्रभारी रमकोला निर्मल राजवाड़े एवं थाना प्रभारी चांदनी शिव खुटे ने भी महिला कर्मचारी एवं उपस्थित महिलाओं को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

जेल बंदी रिहाई मंच ने नंदे लेकाम के संघर्ष को यादकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

नव प्रदेश संवाददाता

दन्तेवाड़ा। दन्तेवाड़ा जिले के कुआकोंडा ब्लाक के समेली गांव में जेल बंदी रिहाई मंच,के सदस्यो द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर क्षेत्र की जनता की एक विशाल जन सभा और भव्य कार्यक्रम समेली,पांडु पारा चौक मैदान में आयोजित किया गया. जिसमें महिला दिवस के अवसर पर क्षेत्रभर की आदिवासी महिलाओं के योगदान,संघर्ष,त्याग और शक्ति को याद करते हुए समेली की नंदे लेकाम के त्याग और संघर्ष के लिए अनेक जगह मठ निमार्ण किया गया व अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नंदे कि माता पाले द्वारा झंडा फहराया गया। आयोजित कार्यक्रम के साथ साथ ग्रामीणों द्वारा नाच-गा कर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में सुजीत कर्मा की अध्यक्षता में जेल बंदी रिहाई मंच द्वारा सदस्यता अभियान भी चलाया गया जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर सदस्यता ली। तथा मंच संचालन और मंच की अध्यक्षता गमावाड़ा की जया कश्यप ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कई बड़े चहरे शामिल हुए, कमला विनय नाग पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत, जया कश्यप पूर्व सरपंच गमावाडा, सामाजिक कार्यकर्ता बेला तेलाम,विमला सोढ़ी,लक्ष्मी कुंजाम, पायके मरकाम, सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी,सर्व आदिवासी समाज अध्यक्ष सुरेश कर्मा, श्रेया, अदिति, ममता कुजूर, ज्योति, हिमांशु कुमार,दुर्गा झा, सीमा, कात्यानी, बनते सुनीति, विज्या मैत्रिया, जैसे मुख्य अतिथियों के अलावा क्षेत्रीय बड़े जन प्रतिनिधि जैसे सुजीत कर्मा, लालू मरकाम,अरविंद नेताम, सुकालू मुड़ामी, शंकर कुंजाम, छन्नू राम ताती, ध्रुवा राम,लिंगा राम कोडोपी, देवा राम इत्यादि मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महिलाओं को मिली...

महिलाओं को आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बनाने के लिए स्वावलंबन और रोजगार के उपायों, महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं :

मुख्यमंत्री ने लोकवाणी के माध्यम से प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दो दिन बाद होली है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार है। साथ ही रंगों में रंग मिलाने का अर्थात हर इंसान के बीच समन्वय, सद्भाव और सौहार्द्र का त्यौहार है। आप सबको होली की शुभकामनाएं।

दो साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षाकर्मी होंगे नियमितः

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षाकर्मियों के नियमितिकरण के मामले को राज्य सरकार ने पूरी संवेदनशीलता से, पूरी जिम्मेदारी से देखा है, उनकी सारी समस्याओं का हल किया है। एकमात्र सवाल और मांग यह रह गयी थी कि 2 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षाकर्मी को भी नियमित कर दिया जाए। अभी हमने वर्ष 2020-21 का बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है, इस बजट में यह मांग भी पूरी कर दी गई है। विधानसभा से बजट पारित होते ही इसकी प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी, इस निर्णय का ज्यादातर लाभ महिलाओं को ही मिलेगा।

यश बैंक मामले में...

दिया गया है। संकट से उबारने के लिए स्टेट बैंक सामने आया है और अपनी स्कीम पर काम कर रहा है। एसबीआई 2450 करोड़ में यस बैंक का 49 फीसदी स्टेक खरीदेगा। राणा कपूर ने बैंकिंग की दुनिया में बहुत तेजी से तरक्की की और यस बैंक को टॉप-5 लेंडर्स की कैटिगरी ला खड़ा किया। उनकी कोशिश यस बैंक को एचडीएफसी और कोटक बैंक जैसे बनाने की थी।

शक होने पर आरबीआई ने शुरू किया रिव्यू

रिजर्व बैंक को जब शक हुआ तो 2015 में असेट क्वॉलिटी रीव्यू को शुरू किया गया। रिजर्व बैंक ने पाया कि 2017 में बैंक ने 2018 करोड़ का एनपीए दिखाया है, जबकि कुल एनपीए 8373 करोड़ का है। मतलब यस बैंक ने 6355 करोड़ का एनपीए छिपाया। इसके बाद रिजर्व बैंक ने आगे की कार्रवाई की। जनवरी 2019 में उन्हें चेयरमैन पद से हटा गया गया।

बीमा प्रीमियम में वृद्धि...

पक्ष के बीमा के प्रीमियम में 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की वृद्धि की प्रस्तावित की गयी है। इसका भार मुख्य रुप से मध्यम वर्ग पर पड़ेगा। कर्मचारी भविष्य निधि की ब्याज दर 15 अंक घटाकर 8.50 प्रतिशत करने का फैसला किया गया है। इससे मजदूरों को 1575 करोड़ रुपए की चोट लगेगी। उन्होंने कहा कि ये दोनों फैसले आम जनता के विरुद्ध है। सरकार के पास अधिकार है कि वह इन फैसलों को लागू करने से रोक सकती है। कांग्रेस की मांग है कि सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये फैसले वापस कराने चाहिए।

मप्रः राज्य सभा चुनाव..

रहे राज्यसभा सदस्य सत्यनारायण जटिया व प्रभात झा के अलावा पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ल भी मौजूद रहे। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि भाजपा चुनाव अभियान समिति की बैठक में नामों पर चर्चा हुई और इन नामों की सूची लिफाफे में बंद कर दिल्ली भेजी जा रही है। राज्यसभा चुनाव से पहले राज्य के 10 विधायकों के लापता हो जाने के बाद से सियासत गरमाई हुई है। कांग्रेस, भाजपा पर सीधे तौर पर खरीद-फरोख्त के आरोप लगा रही है। लापता हुए विधायकों में से सात लौट आए हैं। सभी ने भाजपा की ओर से किसी तरह का प्रस्ताव दिए जाने की बात को सीधे तौर पर नकार दिया है।

कोविंद ने प्रदान...

की पदाला भूदेवी, बिहार में मुंगेर की बीना देवी, जम्मू कश्मीर में श्रीनगर की आरिफा जान, झारखंड में सरायकेला खारस्वान राजनगर की चामी मुर्मू, लद्दाख में लेह की निलजा वांगमो, महाराष्ट्र में पुणे की रश्मि उर्धवारेश, पंजाब में पटियाला की सरदारनी मानकौर, उत्तरप्रदेश में कानपुर की कलावती देवी, उत्तराखंड में देहरादून की ताशी एवं नुंगशी मलिक, पश्चिम बंगाल में कोलकाता की कौशिकी चक्रवर्ती, केरल में अलपुझा कोल्लम की भगीरथी अम्मा कार्थयायिनी तथा भारतीय वायु सेना में मध्यप्रदेश, रीवा की अवनि चतुर्वेदी, बिहार दरभंगा की भावना कंठ एवं उत्तरप्रदेश, आगरा की मोहना सिंह को नारी शक्ति पुरस्कार 2019 प्रदान किया गया। केरल में अलपुझा कोल्लम की भगीरथी अम्मा वृद्धावस्था के कारण पुरस्कार ग्रहण करने राष्ट्रपति भवन नहीं आ सकी। वर्ष 2019 के नारी शक्ति पुरस्कार कृषि, खेल, हस्तशिल्प, वनीकरण, वन्यजीव संरक्षण, सशस्त्र सेनायें तथा शिक्षा के क्षेत्र में प्रदान किये गये हैं।

उपद्रवियों को पोस्टर...

इस मामले पर सुनवाई कर रहा है। इन पोस्टर्स को लेकर प्रियंका गांधी ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है।

कोर्ट ने कहा- यह निजता के अधिकार का उल्लंघन

अपने आदेश में कोर्ट ने कहा है कि पोस्टर्स में इस बात का कहीं जिक्र नहीं है कि किस कानून के तहत पोस्टर्स लगाए गए हैं। हाई कोर्ट का मानना है कि पब्लिक प्लेस पर संबंधित व्यक्ति की अनुमति बिना उसका फोटो या पोस्टर लगाना गलत है। यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है। पहले सुनवाई सुबह 10 बजे होने वाली थी। मौसम खराब होने की वजह से एडवोकेट जनरल को आने में हुई देरी के मद्देनजर सुनवाई 3 बजे के लिए टल गई।

'यह राज्य के प्रति भी अपमान है और नागरिक के प्रति भी'

चीफ जस्टिस गोविन्द माथुर एवं जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने सुनवाई के प्रारंभ में अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी से मौखिक रूप से कहा कि यह विषय गंभीर है। ऐसा कोई भी कार्य नहीं किया जाना चाहिए, जिससे किसी के दिल को ठेस पहुंचे। पोस्टर लगाने को बेंच ने कहा, 'यह राज्य के प्रति भी अपमान है और नागरिक के प्रति भी। यह भी कहा कि आपके पास 3 बजे तक का समय है। कोई जरूरी कदम उठाना हो तो उठा सकते हैं।'

खुद को संविधान से ऊपर समझ रहे अधिकारी- प्रियंका :

इस बीच सीएए हिंसा के आरोपियों के पोस्टर पर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर पूछा, 'यूपी की बीजेपी सरकार का रवैया ऐसा है कि सरकार के मुखिया और उनके नक्शे कदम पर चलने वाले अधिकारी खुद को बाबासाहेब आंबेडकर के बनाए संविधान से ऊपर समझने लगे हैं। उच्च न्यायालय ने सरकार को बताया है कि आप संविधान से ऊपर नहीं हो। आपकी जवाबदेही तय होगी।'

पीएम मोदी के ट्वीटर...

बारे में कदम उठाना चाहिए। मैं स्नेहा मोहनदास हूं। अपनी माता से प्रेरणा लेकर मैंने फूडबैंक की शुरूआत की थी। मेरी माता बेघरों को खाना खिलाती थी। डा मालविका अय्यर ने एक बम विस्फोट में अपने हाथ और एक पैर खो दिया। इससे विचलित हुए बिना उन्होंने पढाई की और पीएचडी की उपाधि हासिल की। उन्होंने ट्विट किया, स्वीकार्यता सबसे बड़ा पुरस्कार है जो हम अपने आपको दे सकते हैं। हम अपने जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते लेकिन हम जीवन के प्रति अपने नजरिये को जरूर नियंत्रित कर सकते हैं। अंत में यही महत्वपूर्ण है कि हम चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं। अरिफा कश्मीर के पारंपरिक शिल्प नर्मदा शिल्प को बढावा देने का काम कर रही हैं। उनका कहना है कि महिलाओं का आत्मनिर्भर होना और दूसरी महिलाओं की मदद करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने ट्विट किया, मैंने हमेशा से कश्मीर के पारंपरिक शिल्प को जिंदा रखने और बढावा देने का सपना देखा क्योंकि इससे स्थानीय महिलाओं की स्थिति मजबूती होती है। मैंने महिला कारीगरों की स्थितिदेखी है इसलिए मैंने नर्मदा शिल्प को जीवित रखने का काम किया।

रानी-मनप्रीत को...

और रानी को इन पुरस्कारों में 25-25 लाख रूपए की पुरस्कार राशि मिली। हरविंदर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड में 30 लाख रूपए दिए गए। दिग्गज खिलाडी हरविंदर ने अपने करियर में एक ओलम्पिक स्वर्ण और दो ओलम्पिक कांस्य पदक के अलावा एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक भी जीता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

करिश्मा ने अभी तक नहीं देखी फिल्म 'अंदाज अपना अपना'

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर का कहना है कि उन्होंने अपनी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' अबतक नहीं देखी है। करिश्मा कपूर लंबे अरसे के बाद एक बार फिर से रूपहले पर्दे पर दस्तक दे रही हैं। करिश्मा वेब सीरीज 'मेंटलहुड' के जरिये कमबैक कर रही है। करिश्मा ने मेंटलहुड के प्रमोशन के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफसे जुड़ी कई सारी शेयर की हैं। करिश्मा ने अपनी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। करिश्मा कपूर ने कहा, मैं ईमानदारी से कहना चाहती हूं कि मैंने इस फिल्म को अभी तक नहीं देखा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उस वक्त हम लोग तीन-चार शिफ्ट में एक दिन में काम किया करते थे। बिल्कुल भी समय नहीं हुआ करता था। इसी वजह से अपनी ही फिल्म नहीं देख पाते थे। शूटिंग के दौरान हम लोग एक दूसरे से बात नहीं करते थे। यह एक क्लासिक मूवी थी। गौरतलब है कि वर्ष 1994 में प्रदर्शित अंदाज अपना अपना में करिश्मा के कपूर के अलावा रवीना टंडन, सलमान खान, आमिर खान, परेश रावल ,शक्ति कपूर जैसे सितारों ने एक साथ काम किया था।

पांच साल तक और एक्शन फिल्में करेंगे अक्षय कुमार

मुंबई(वार्ता)। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार का कहना है कि वह अब पांच साल तक ही एक्शन फिल्मों में काम करेंगे।

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूर्यवंशी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में एक बार फिर अक्षय कुमार जबरदस्त ऐक्शन अवतार में स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। अक्षय कुमार और रोहित शेट्टी ने खुद बताया है कि इस फिल्म के लिए उन्होंने बहुत कम वीएफएक्स का इस्तेमाल किया है और ज्यादातर स्टंट अक्षय ने खुद ही किए हैं।

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म सूर्यवंशी का ट्रेलर काफी पसंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि वह बहुत ज्यादा वक्त तक एक्शन फिल्मों में काम नहीं कर सकेंगे। अक्षय ने कहा, 'मेरे लिए स्टंट करना ऐसा ही होता है जैसे कि कोई बच्चा डिज्नीलैंड जाए। मुझे स्टंट करना पसंद है। ये सारे स्टंट रियल हैं न कि ऐसा कि कोई वीएफएक्स वाला कंप्यूटर पर बैठकर किसी को हीरो बना दे। मैं आने वाले 4-5 सालों तक और एक्शन कर सकता हूं। उसके बाद मेरी उम्र मुझे स्टंट करने की इजाजत नहीं देगी।'

नवाब से कद्दू तक: करीना के इंस्टा पर तैमूर के लिए ये क्या-क्या बोल गए फिल्मी सितारे

अर्जुन कपूर ने तैमूर को नवाब बताया है। वहीं, रितिक रोशन ने सो स्वीट लिखकर प्यार जताया है। इसके अलावा रणवीर सिंह, सोनम कपूर, अरबाज खान सहित कई सितारों ने इस पर टिप्पणी की है।

करीना कपूर खान हाल ही में सोशल मीडिया पर आई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना अकाउंट बनाया है। करीना अब धीरे-धीरे इस पर सक्रिय हो रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने बेटे तैमूर अली खान के साथ एक तस्वीर इंस्टा पर शेयर की है। करीना के शेयर करते ही यह तस्वीर वायरल हो गई।

तैमूर वैसे भी काफी फेमस हैं। उनके भी काफी चाहनेवाले हैं। यहां तक कि फिल्म इंडस्ट्री में भी तैमूर को काफी स्टार्स पसंद करते हैं। ऐसे में करीना ने जैसे ही तैमूर के साथ की तस्वीर शेयर की, बॉलिवुड सितारे इस पर कमेंट लिखना शुरू कर दिए।

कटरीना ने प्यार से कहा- कद्दू

हद तो तब हो गई जब कटरीना कैफने तैमूर को कद्दू बता दिया। हालांकि उनके इस शब्द के पीछे भी प्यार है। इसीलिए इस पर किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। वहीं कई सितारों ने तैमूर के लिए काफी प्यारे शब्दों का प्रयोग किया है।

अर्जुन ने कहा, नवाब

अर्जुन कपूर ने तैमूर को नवाब बताया है। वहीं, रितिक रोशन ने सो स्वीट लिखकर प्यार जताया है। इसके अलावा रणवीर सिंह, सोनम कपूर, अरबाज खान सहित कई सितारों ने इस पर टिप्पणी की है।

दूसरे दिन टाइगर श्रॉफ की 'बागी 3' के बिजनस में थोड़ी गिरावट

टाइगर श्रॉफकी हालिया रिलीज फिल्म बागी 3 को थिअटर्स ने धमाकेदार ओपनिंग की है। फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस का अच्छा रिऐक्शन मिला है। हालांकि रिलीज दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में कुछ कमी आई है। जानें, दूसरे दिन कितना रहा बागी 3 का कलेक्शन। हाल में टाइगर श्रॉफकी फिल्म 'बागी 3' रिलीज हुई है जिसे फिल्म क्रिटिक्स और ऑडियंस का काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। अपने रिलीज के दिन ही इस फिल्म ने 17.50 करोड़ का बंपर बिजनस किया था। हालांकि फिल्म के कलेक्शन में दूसरे दिन कुछ गिरावट आई है। यह गिरावट बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन बिजनस के लिहाज से फिल्म के लिए इसे अच्छा नहीं माना जा सकता है।

बॉक्सऑफिसइंडिया डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने अपने दूसरे दिन 15.50 से 16 करोड़ रुपये के बीच बिजनस किया है। दूसरे दिन फिल्म के बिजनस में लगभग 5 पर्सेंट की गिरावट आई है। वैसे यह फिल्म के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि फिल्म को बड़े स्तर पर 4300 सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है।

वाहेगुरु का आशीर्वाद लेने गोल्डन टेंपल पहुंचे अर्जुन कपूर

अर्जुन अपनी अगली फिल्म की शूटिंग रकुल प्रीत सिंह के साथ कर रहे हैं। यह अनाम फिल्म क्रॉस बॉर्डर लव स्टोरी पर बेस्ड है। यह पहला मौका होगा जब अर्जुन और रकुल किसी फिल्म में एकसाथ नजर आएंगे। बॉलिवुड ऐक्टर अर्जुन कपूर की आखिरी रिलीज फिल्म 'पानीपत' को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अर्जुन एक ऐसे ऐक्टर हैं जो पर्सनल लाइफको लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने चकनाचूर किया भारत का खिताबी सपना

- **भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने में चूक गई**
- **ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत को 85 रनों से शिकस्त दी**
- **मेजबान ने 4 विकेट पर 184 रनों का पहाड़ सरीखा स्कोर खड़ा किया और टीम इंडिया 99 रन ही बना सकी**

यह 5वां मौका है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम की

मेलबर्न। भारतीय महिला टीम का पहली बार आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप-2020 खिताब जीतने का सपना ऑस्ट्रेलिया ने चूर-चूर कर दिया। मेजबान टीम ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत को 85 रनों से शिकस्त दी। मैच को मूनी (नाबाद 78) और हीली (75) की बैटिंग ने काफी हद तक एकतरफा बना दिया था। दोनों की फिफ्टी की बदौलत मेजबान ने 4 विकेट पर 184 रनों का पहाड़ सरीखा स्कोर खड़ा किया और गेंदबाजों ने पहली बार फाइनल खेल रही भारतीय टीम 99 रनों पर रोकते हुए उसके खिताबी सपने को चकनाचूर कर दिया। यह 5वां मौका था जब ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नमेंट का खिताब अपने नाम किया।

कब-कब ऑस्ट्रेलिया ने जीता खिताब

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इस टूर्नमें का खिताब पहली बार 2010 में जीता था। इसके बाद उसने 2012, 2014, 2018 और फिर 2020 में खिताबी पंच जड़ दिया। उसके नाम सबसे अधिक खिताब जीतने का रेकॉर्ड है।

ऑस्ट्रेलियाई पारी का रोमांच: सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी और एलिसा हीली ने शुरुआत में मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अर्धशतकीय पारियां खेली और ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ चार विकेट पर 184 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। मूनी (नाबाद 78 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं, लेकिन हीली ने 75 रन की पारी खेलकर सुर्खियों बटोरीं, जिनका कैच शेफाली वर्मा ने पारी की पांचवीं गेंद (दीप्ति शर्मा के ओवर) पर छोड़ दिया था। इन दोनों ने भारतीय गेंदबाजों पर मैदान के चारों ओर रन जुटाए। उन्होंने 39 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और पांच छक्के जमाए।

बड़े लक्ष्य के दबाव में बिखरीं भारतीय बल्लेबाज

185 रनों के स्कोर का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 18 रन पर उसके 3 अहम विकेट गिर गए। बेजोड़ फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा का खराब शॉट खेलकर पहले ही ओवर में चलती बनीं। उन्हें 2 रनों के निजी स्कोर पर मेगन स्कट ने एलिसा हिली के हाथों कैच आउट कराया। इस बीच हेल्मेट पर गेंद लगने की वजह से तानिया भाटिया को रिटायर्ट हर्ट होना पड़ा। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (0) बगैर खाता खोले चलती बनीं। भारत को तीसरा झटका स्मृति मंधाना के रूप में लगा। वह 11 रन बनाकर मोलिनिक्स का शिकार बनीं।

यूं की आक्रामक शुरुआत: हीली और मूनी ने 11.5 ओवर में पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत कराई, जिसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। हीली की तरह मूनी ने भी कैच छूटने से मिले मौके का फायदा उठाया। चौथे ओवर में राजेश्वरी गायवकाड़ ने अपनी गेंद पर उनका कैच लेने का मौका गंवा दिया जिससे वह 41 गेंद में अपने अर्धशतक पर पहुंची। मूनी ने अपनी 54 गेंद की नाबाद पारी के दौरान 10 बाउंड्री लगाई।

मूनी ने पहुंचाया 150 के बार मेग लैनिंग की अगुआई वाली टीम ने ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया और हीली ने पहली ही गेंद से भारतीय आक्रमण की धज्जियां उड़ायीं। हीली की शानदार पारी का अंत 12वें ओवर में हुआ जब वह बायीं हाथ की स्पिनर राधा यादव की गेंद पर लांग आन बाउंड्री लगाने के चक्कर में वेदा कृष्णमूर्ति को कैच दे बैठीं। हीली के आउट होने के बाद मूनी ने जिम्मेदारी से खेलते हुए कप्तान लैनिंग के साथ 39 रन जोड़े। इसके बाद दीप्ति के 17वें ओवर में दो विकेट चटकाने से थोड़ी देर के लिए भारत ने दबाव बनाया। लैनिंग (6) को दूसरी गेंद पर शिखा पांडे ने कैच लेकर आउट किया जबकि तीन गेंद के बाद एशले गार्डनर को तानिया भाटिया ने स्टंप आउट किया। राशेल हेनेस (04) 19वें ओवर में पूनम यादव की गेंद पर बोल्ड हुईं। मूनी ने जिम्मेदारी से खेलना जारी रखा और निकोला कारे (नाबाद 05) के साथ नाबाद रहीं।

कप्तान फिर रहीं फ्लॉप

3 विकेट जल्दी गिर जाने के बाद उम्मीद थी कि टूर्नमेंट में फीका प्रदर्शन करने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर अपने बर्थडे पर कुछ खास करेंगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बड़े लक्ष्य के दबाव में वह भी एक चौका लगाने के बाद हवाई शॉट खेल बैठीं। जॉनसेन की गेंद पर उन्हें ग्रांडर ने कैच किया। वह 7 गेंदों में 4 रन बना सकीं। इसके बाद भारतीय उम्मीदों ने ढलान लेना शुरू कर दिया।

सुपर बाइक की सवारी... यूं महिला टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल देखने पहुंचीं मिताली राज

मेलबर्न। भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल देखने बड़े ही दिलचस्प अंदाज में पहुंचीं। उन्होंने मैच से ठीक पहले एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बाइक की सवारी करती दिख रही हैं। उन्होंने लिखा- जब मेलबर्न में हमारी लड़कियों और मेजबान टीम के बीच जोरदार मैच हो तो उसे देखने के लिए स्टाइल में पहुंचें...।

भारतीय महिला टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं, जहां उसका उसकी भिड़ंत मेजबान ऑस्ट्रेलिया से हो रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर 184 रनों का पहाड़ सरीखा स्कोर खड़ा किया है। महिला दिवस के दिन हो रहे इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था।

उसके लिए ओपनर एलिसा हिली ने 39 गेंदों में 5 छक्के और 7 चौके की मदद से 75 रन बनाए, जबकि बेथ मूनी ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके जड़ते हुए नाबाद 78 रनों की पारी खेली। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने दो विकेट झटके, जबकि पूनम यादव और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला।

बता दें कि भारतीय महिला टीम 2009, 2010 और 2018 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। यह पहला मौका है, जबकि वह फाइनल खेल रही है। इस मैच को देखने के लिए 85 हजार से अधिक दर्शक मेलबर्न स्टेडियम पहुंचे हैं।

साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, हार्दिक पंड्या की वापसी

मुंबई। साउध अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे इंटरनैशनल मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस सीरीज में हार्दिक पंड्या की वापसी हो गई है। पंड्या ने डीवाई पाटील टी20 टूर्नमेंट में शानदार खेल दिखाया था। इसके साथ ही शिखर धवन भी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार को भी टीम में जगह मिली है। रोहित शर्मा अभी फिट नहीं हो पाए हैं इसलिए वह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारत ने केदार जाधव को टीम में शामिल नहीं किया है। वह इसी महीने 35 साल के हो जाएंगे। इसके अलावा शिवम दुबे, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी और मयंक अग्रवाल को भी वनडे सीरीज में जगह नहीं मिली है। ये सभी खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा थे। हालांकि टीम ने पृथ्वी साव और टीम में रखा है। शुभमन गिल को भी टीम में रखा है जिन्होंने करीब एक साल पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था।

शिखर धवन, पृथ्वी साव, विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, नवदीप सैनी, कुलदीप यादव, शुभमन गिल

■ न्यूज गैलरी

एसएलआरएम सेन्टर नवापारा में स्वच्छता दीदियों ने सुनी लोकवाणी

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियोवार्ता 'लोकवाणी' की 8वीं कड़ी के प्रसारण को आज एसएलआरएम सेन्टर नवापारा के स्वच्छता दीदियों के द्वारा सुना गया। लोकवाणी के 8वीं कड़ी में मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिलाओं को बराबरी के अवसर' विषय पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को मजबूत अधिकारी देकर ही उन्हें मजबूत किया जा सकता है। महिला सम्मान को उनके अधिकारों और स्वावलम्बन से जोडने की रणनीति अपनाई है। महिलाओं का सम्मान तथा सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। आदिवासी अंचलों में महिलाओं की संख्या पुरूषों से अधिक है जो देश और दुनिया के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा महिलाओं के सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नम्बर 1091 स्थापित किया गया है। यदि किसी को आवश्यकता पड़े तो तत्काल मदद मिल सकती है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हमारी सरकार ने हर स्तर पर समुचित कदम उठाएं हैं। महिला हेल्पलाइन 181, सखी वन स्टाप सेन्टर, महिला पुलिस स्वयं सहायिका योजना, महिला जागृति शिविर, स्वधार योजना, कामकाजी महिला हास्टल योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना तथा सहयोग के लिए काम रही है। प्रदेश के 374 थानों में महिला डेस्क स्थापित किए जा चुके हैं और 8 जिले में महिला विरूद्ध अपराध विवेचना इकाई संचालित की जा रही है। इसके साथ ही 4255 सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया गया है तथा स्थानीय स्तर पर संगठनों को प्रेरित किया जा रहा है। महिलाओं से सम्बंधित अपराधों की विवेचना के लिए 6 जिलों में आईयूसीएडब्ल्यू स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त पारिवारिक विवाद महिला उत्पीडन से सम्बधित प्रकरणों के लिए महिला परामर्श केन्द्र महिला पुलिस वालंटियर्स तथा बालिका आश्रम व छात्रावास में सुरक्षा हेतु महिला होमगार्ड की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि महिलाएं सुरक्षा के लिए स्वयं जागरूक हो और दूसरों को भी जागरूक करें।

विधिक जागरूकता पर हाईकोर्ट के ऑडिटोरियम में होगा शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल

अम्बिकापुर। विधिक जागरूकता पर शार्ट फिल्म फेस्टिवल का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस प्रशांत मिश्रा के मार्गदर्शन में 21 व 22 मार्च 2020 को हाईकोर्ट के ऑडिटोरियम में किया जा जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हो रहे शार्ट फिल्म फेस्टिवल में अब तक 54 देशों की 637 एंट्री मिल चुकी है। 5 से 10 मिनट की फिल्मों के लिए चार विषय निर्धारित किये गये हैं। फिल्म फेस्टिवल हेतु जीपीआरएसएस द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जुरी के निर्णय के मुताबिक 22 श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। समाज तक संदेश पहुंचाने के लिए सिनेमा सबसे सशक्त माध्यम है। जिससे लोगों को शीघ्र ही बातों को समझाने में सरलता होती है। देश की आजादी के इतने बरसों के बाद भी अधिकांश लोगों को अपने कानूनी प्रावधानों और अधिकारों की जानकारी नहीं है। आम लोगों को कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया था। राज्य में विधिक जागरूकता को लेकर विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के द्वारा विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

अम्बिकापुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र अम्बिकापुर के द्वारा 5 मार्च 2020 को बतौली के जनपद पंचायत हाल में उद्यमिता जागरूता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रबंधक श्रीमती टी तिग्गा द्वारा उद्यमिता तथा पीएमईजीपी योजना के संबंध मे तथा सहायक प्रबंधक श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। जागरूकता शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, स्टार्टअप, स्टैण्डअप योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं नई औद्योगिक नीति की विस्तृत जानकारी विभागीय अधिकारी द्वारा दी गई। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु पम्पलेट तथा ब्रोसर का वितरण भी किया गया। उद्यमिता जागरूता शिविर में जनपद पंचायत बतौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एसपी गुप्ता तथा एन.आर.एल.एम. के अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

केन्द्रीय जेल में मनाया गया महिला दिवस

अम्बिकापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर के महिला प्रकोष्ठ में महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के सचिव श्री जनार्दन खरे ने महिला कर्मचारियों एवं जेल में निरूद्ध महिला बंदियों को महिला दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ में विविध कार्यक्रम एवं रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित किया गया। जेल अधीक्षक श्री राजेन्द्र गायकवाड ने महिला दिवस पर सम्बोद्धित करते हुए देश के ख्याति प्राप्त एवं प्रेरणादायक महिलाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने मदर टेरेसा, इन्दिरा गांधी, अरूणिमा सिन्हा जैसी महिलाओं की ख्याति को प्रसारित किया। इसके साथ ही जेल में निरूद्ध महिला बंदियों द्वारा कौशल विकास क्षेत्र में की जा रही उल्लेखनीय कार्यों को बताया। अंत में सहायक जेल अधीक्षक सुश्री ममता पटेल ने अतिथियों का अभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सहायक जेल अधीक्षक श्री एमजी गोस्वामी, श्री हितेन्द्र सिंह ठाकुर, मुख्य प्रहरी श्रीमती फ्लोरा लकड़ा, श्री शंकर प्रसाद तिवारी सहित समस्त महिला कर्मचारी एवं अन्य सुरक्षा कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएम ने लोकवाणी की शुरुआत की छत्तीसगढ़ी भाषा में, लोगों ने ली रुचि

कोरिया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की आठवीं कड़ी के प्रसारण में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बराबरी के अवसर विषय पर प्रदेशवासियों के साथ विचार साझा किए। लोकवाणी की आठवीं कड़ी के प्रसारण को जिले के समस्त नगरीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों सहित आम जनता ने बड़ी उत्सुकता के साथ सुना। मुख्यमंत्री ने रेडियोवार्ता की शुरूआत छत्तीसगढ़ी भाषा में की। श्री बघेल ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 8 मार्च ल संयुक्त राष्ट्र संघ ह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित करे हे। बछर म एक दिन महिला दिवस मनाये के ये मतलब नो हे के हमन ल महिला मन के संसो सिरिफएक दिन करे बर हे। ये दिन के मतलब हे जम्मो संसो ल सकेल के आत्मचिंतन करना अउ नवा रद्दा, नवा सुविधा बर विचार करना हे। ये अवसर नवा सोच-बिचार के घलो हे। उन्होंने रेडियोवार्ता में कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है। छत्तीसगढ़ में महिला सम्मान को उनके अधिकारों और स्वावलंबन से जोड़ने की रणनीति अपनाई गई है। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बनाने के लिए स्वावलंबन और रोजगार के उपायों, महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आपराधिक गिरोह का इंटरनेट सर्फिंग से ऑनलाइन फ्राड का नया फंडा

नव प्रदेश संवाददाता

दन्तेवाड़ा। आज हर दूसरे हाथ में आपको कुछ दिखे न दिखे लेकिन मोबाइल सेलफोन नजर आ जायेगा। जिस पर इंटरनेट सर्फिंग करते लोग भी नज़र आ जायेंगे। लेकिन अब इसी इंटरनेट सर्फिंग के दौरान आपराधिक गिरोह कस्टमर कम्प्लेन नाम की प्राइवेट वेबसाईड व अलग अलग सर्च इंजन के विशेषज्ञता का उपयोग कर अपने नम्बरो को फीट कर दिये है। जहाँ से लोग ठगी का शिकार हो रहे है।

जब कस्टमर इन नम्बरो में मदद के लिए फोन करते है। तो काल करने वाले शख्स को रजिस्ट्रेशन फीस, व कारणों का हवाला देकर सम्बंधित व्यक्ति को कुछ राशि ट्रांसफर करने को कहता है। साथ राशि रिफंड का दावा कर बहाने से सारी डिटेल भी ले लेता है। और डिटेल हाथ लगते ही आपके खाते की राशि गोल कर दी जाती है। इस तरह से हाई प्रोफाइल अंदाज़ में आप ठगी के शिकार हो जाते है।

बचाव के उपाय

किसी कंपनी का अगर आपको कस्टम केयर,हेल्पलाइन नम्बर चाहिए तो आप कम्पनी की अधिकृत वेबसाइट से ही लीजिये। किसी भी कंपनी के कस्टमर केयर द्वारा कभी भी कोई रजिस्ट्रेशन फीस पेमेंट की मांग नही की जाती है. नही बैंक डिटेल मांगी जाती है। अगर यह सब जानकारी मांगी जा रही है तो आप ठगी के शिकार हो रहे है। कभी भी ओटीपी/बैंक संबंधित जानकारी दूसरे अपरिचित से शेयर न करे। अत्याधुनिक तकनीक के दौर में सावधानी बरतने से ही आप ठगी के शिकार नही हो सकते।

महिलाओं के संघर्ष, साहस, त्याग, बलिदान एवं उलब्धियां हमारे लिये प्रेरणादयी : सीईओ

बलरामपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मासिक रेडियो वार्ता ''लोकवाणी'' के आठवीं कड़ी के प्रसारण को सुनने की व्यवस्था कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा मार्गदर्शन में जिले के समस्त विकासखण्डों में किया गया था। जिला मुख्यालय बलरामपुर के शासकीय कन्या छात्रावास में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरीष एस. की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं ने लोकवाणी का प्रसारण सुना। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति को नमन करते हुए महिलाओं को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने लोकवाणी के आठवीं कड़ी में कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और इसमें निरंतर सुधार हो रहा है। आजादी की लड़ाई में महिलाओं ने पुरूषों के कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया था और यह साबित कर दिया उन्हें बराबरी का हक है। उन्होंने शासन द्वारा महिलाओं के लिए चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा महिलाओं के साहस, मौलिकता, नवाचारों का अभिनन्दन किया। महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता जैसे विषयों पर पूछे गये सवालों का मुख्यमंत्री ने बड़ी सहजता के साथ विस्तारपूर्वक जवाब दिया।

बाबू ने सीईओ पर लगाया अपमानित करने का आरोप, कलेक्टर से की शिकायत

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। जिला पंचायत सभाकक्ष में शनिवार को जनपद स्तर ग्राम विकास के जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा चल रही थी। इस दौरान जिला पंचायत अधिकारी ने प्रगति कार्यों की जानकारी से अवगत हुए बिना गाली गलौज कर अपमानित किया है, जिससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है।

इस आशय की शिकायत करते हुए करतला जनपद के लेखापाल ओपी राठौर ने न्याय की गुहार कलेक्टर से लगाई है। लेखापाल का कहना है। बैठक के दौरान जिला पंचातत सभाकक्ष में 90 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इनकी उपस्थिति में बार-बार गाली दिए जाने से आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। राठौर का कहना है कि जिला पंचायत सीईओ के इस रवैये से वह अपमानित महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए जाने से वह मानसिक रूप से क्षुब्ध हैं, यदि आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाते हैं तो इसकी जिम्मेदारी जिला पंचायत सीईओ की होगी। प्रताड़ित किए जाने से उनका मानसिक तनाव से गुजरना पड़ रहा है। उल्लेखनीय कि जिला पंचायात सभागृह निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक चल रही थी। इस दौरान बारी-बारी से सभी जनपदों के कार्यों की समीक्षा जिला पंचायत सीईओ एस जयवर्धन कर रहे थे। लेखापाल ओपी राठौर के अनुसार

करतला जनपद की समीक्षा के दौरान जानकारी लिए बगैर गाली गलौज शुरू दी।

यह भी है पर्दे के पीछे की कहानी

सूत्रों की माने तो कोरबा जनपद में रहते हुए सुर्खियों में रहे इंदिरा आवास के प्रकरण में ओपी राठौर निलंबित हो चुके है। बहाली के बाद उननकी पदस्थापना करतला में हुई जंहा ये अपने पुराने कारनामो में लिप्त रहे है। अब जबकि करतला के सीईओ जीके मिश्रा को अचार सहिंता के दौरान फर्जी आहरण मामले में आदिवासी विकास विभाग में अटैच कर दिया गया है। इस पूरे मामले में राठौर की संलिप्तता भी चर्चा में है। इस चर्चा से बाहर आने के लिए राठौर खुद को निलंबित कराने की जुगत में लग गए है , शायद यही वजह है कि जिले के उच्चाधिकारी की शिकायत करने से गुरेज नही कर रहे है। उन्हें निलंबित कर दी जाती है तो उनकी गड़बड़ियों की फाइल अलमारियों में ही धरी रह जाएगी।

गाली गलौज का आरोप बेबुनियाद है

इस मामले में पूछे जाने पर जिला पंचायत सीईओ एस जयवर्धन ने कहा कि समीक्षा बैठक के दौरान सामान्य दिशा निर्देश दिया गया है। गाली गलौज का आरोप बेबुनियाद है।

199 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन

बीजापुर। बीजापुर जनपद के अंतर्गत भैरमगढ़ के पिनकोंडा गॉव में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 199 बटालियन द्वारा सिविक एक्षन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तरफ से आयोजित किए गए सिविक एक्षन कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय ग्रामीणों में पुरूष एवं महिलाओ को निम्नलिखित कृषि यंत्रों, कपड़ों तथा उनके दैनिक जीवन में काम आने वाली निम्न सामग्री का वितरण किया गया फावड़ा-75, गेंती-50, हासिया-50, टोकरी-15, साड़ी-123, धोती-55 व मच्छरदानी 126 तथा इसके अतिरिक्त ग्रामीण बच्चों को अध्ययन सामग्री तथा उनके खेलकूद के निम्न साज-सामानों का वितरण जैसे रस्सा-10, वॉली बॉल-05, नेट-01 एवं केरम-01 एवं 29 किट अध्ययन सामग्री इत्यादि। इस सिविक एक्षन कार्यक्रम में सम्मिलित सभी पुरूषों, महिलाओं तथा बच्चों के लिए नाष्ते एवं भोजन की व्यवस्था वाहिनी के द्वारा कराई गई । इन सिविक एक्षन कार्यक्रम में केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारें में ग्रामीणों को जागरूक किया एवं ग्रामीणों को प्रेरित कर उनकी मानसिकता में परिवर्तन लाना तथा युवाजनों को शिक्षा एवं नई दिशा की ओर अग्रसर करना है।

'आर्थिक व मानसिक रूप से आत्मनिर्भर है नारी '

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। आज की नारी का सफर चुनौतीभरा जरूर है, पर आज उसमें चुनौतियों से लड़ने का साहस आ गया है। अपने आत्मविश्वास के बल पर आज वह दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना रही है। आज की नारी आर्थिक व मानसिक रूप से आत्मनिर्भर है। अगर आजकल की लड़कियों पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि ये लड़कियां आजकल बहुत बाजी मार रही हैं। इन्हें हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ते हुए देखते हैं। विभिन्न परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में लड़कियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। किसी समय इन्हें कमजोर समझा जाता था, किंतु इन्होंने अपनी मेहनत और मेधा शक्ति के बल पर हर क्षेत्र में प्रवीणता अर्जित कर ली है। इनकी इस प्रतिभा का सम्मान किया जाना चाहिए।

परिवार व अपने करियर दोनों में तालमेल बैठाती नारी का कौशल वाकई काबिले तारीफ है। किसी को शिकायत का मौका नहीं देने वाली नारी आज अपनी काबिलीयत व साहस के बूते पर कामयाबी के मुकाम तक पहुँची है।विवाह पश्चात तो महिलाओं पर और भी भारी जिम्मेदारी आ जाती है। पति, सास-ससुर, देवर-ननद की सेवा के पश्चात उनके पास अपने लिए समय ही नहीं बचता है। वे कोल्हू के बैल की मानिंद घर-परिवार में ही खटती रहती हैं। संतान के जन्म के बाद तो उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। घर-परिवार, चौके-चूल्हे में खटने में ही एक आम महिला का जीवन कब बीत जाता है, पता ही नहीं चलता। कई बार वे अपने अरमानों का भी गला घोंट देती हैं घर-परिवार की खातिर। उन्हें इतना समय भी नहीं मिल पाता है वे अपने लिए भी जिएं। परिवार की खातिर अपना जीवन होम करने में भारतीय महिलाएं सबसे आगे हैं। चुनौतियों का हँसकर स्वागत करने वाली महिलाएँ आज हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं।

छात्रों को कराया गया कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण

बलरामपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को विज्ञान विषय के व्यवहारिक ज्ञान तथा अनुप्रयोगों का अनुभव कराने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र जाबर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को विभिन्न विद्यालयों के प्रभारी शिक्षकों तथा केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ सम्पूर्ण परिसर भ्रमण कराया गया।कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख तथा वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. मनीष चैरसिया ने छात्रों को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत् कराया। इस दौरान विभिन्न कृषि वैज्ञानिकों ने छात्रों को मधुमक्खी पालन व मधुमक्खी के विभिन्न प्रजातियां, वैज्ञानिक पद्धति से की जा रही खेती, उत्पादन बढ़ाने के तरीके, कलम लगाने की विधि, पशुपालन के विभिन्न आयाम, पशु सुरक्षा, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मछली पालन की जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ की नारी के हम सब हैं आभारी: मुख्यमंत्री बघेल

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 8 वीं कड़ी में 'महिलाओं को बराबरी के अवसर पर' प्रदेशवासियों से अपने विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रदेशवासियों को सद्भाव एवं सौहार्द्र के त्यौहार होली की शुभकामनाएं भी दी। कलेक्टोरेट रायगढ़ के सृजन सभाकक्ष में बड़ी संख्या में महिलाओं ने लोकवाणी के प्रसारण को उत्साहपूर्वक सुना।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रेडियोवार्ता में कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है, रायगढ़ जिले में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सराहनीय कार्य किए जा रहे है। महिलाओं के आगे बढने के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गत सवा साल से छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने यह प्रयास किया है कि महिलाओं के सम्मान को उनके अधिकारों एवं स्वावलंबन से जोड़ा जा सके। शासन की ऐसी पहल महिलाओं की पक्ष में तेजी से सकारात्मक बदलाव लाती है। हमने जहां-जहां महिलाओं को जिम्मेदारियां दी है, उसका सफल निर्वहन कर महिलाएं सफलता की कहानी लिख रही है।

अपने अधिकारों एवं जरूरतों के प्रति जागरूक बने महिलाएं : कलेक्टर

रायगढ़। विश्व महिला दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट के सृजन सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री यशवंत कुमार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि आज महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। रायगढ़ जिले की बात करें तो यहां की महिलाएं खेल, कला, शिक्षा, साहित्य सभी क्षेत्रों में अपना अलग मुकाम हासिल कर रही है तथा उनकी उपलब्धियां समाज में सभी के लिए अनुकरणीय है। कलेक्टर श्री यशवंत कुमार ने यह भी कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत जिले में किए जा रहे कार्य से लिंगानुपात में तेजी से सुधार हो रहा है। इसका श्रेय मुख्यतः महिलाओं की जाता है। हालांकि कुछ मामले जैसे कुपोषण, घरेलू हिंसा, लैंगिक उत्पीडन् अभी भी समाज में व्याप्त है, जिनसे निपटने के लिए शासन-प्रशासन स्तर पर हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

आर्थिक और सामाजिक स्तर पर सशक्त हो रही हैं प्रदेश की महिलाएं : सीएम

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की आठवीं कड़ी का प्रसारण महिलाओं को बराबरी के अवसर विषय पर केंद्रित था। मुख्यमंत्री ने रेडियोवार्ता में कहा कि मातृशक्ति के बिना इस संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्त्री-पुरूष अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रायगढ़ एवं बीजापुर जिला देश भर में उभर कर सामने आया है। इक्कीसवीं सदी में महिलाओं के आगे बढ़ने के रास्ते में बाधाओं के बारे में उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में महिलाओं ने पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया था। यह साबित करता है कि बाधाएं तो ऐतिहासिक, सामाजिक कारणों से है तथा मनोवृत्ति की वजह से है। शासन की सोच और पहल महिलाओं के पक्ष में अग्रसर है। महिला सम्मान को उनके अधिकारों और स्वावलंबन से

जोड़ने की रणनीति अपनाई है। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बनाने के लिए स्वावलंबन और रोजगार के उपायों, महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कैंपा में फंड की कमी नहीं, हाथियों के भोजन व पानी की व्यवस्था होगी

नव प्रदेश संवाददाता

कैम्पा मद से तैयार होगा एलिफेंट कॉरिडोर

कोरबा। लेमरू में बनने वाले एलिफेंट कॉरिडोर के लिए कैम्पा मद की राशि का उपयोग करने की तैयारी की जा रही है।4 वन मंडल को शामिल कर हाथी उत्पात की समस्या को कम करने प्रस्तावित लेमरू एलीफेंट रिजर्व के लिए कैंपा (क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) से राशि खर्च की जाएगी। बजट में एलीफेंट रिजर्व का प्रावधान नहीं होने के कारण लोगों में संशय की स्थिति थी।

वहीं कैंपा से ही प्रोजेक्ट के लिए फंड मुहैया होगा। अगले महीने अप्रैल से काम शुरू होने की संभावना है। वहीं इस बार तमिलनाडु मॉडल के तहत पावर फेंसिंग की योजना बनाई गई है। हालांकि अभी यह योजना में ही है। फंड बढ़ने के बाद ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। लेमरू एलीफेंट रिजर्व में 100 करोड़ का रेस्क्यू सेंटर बनाया जाएगा। इसके लिए स्थल चिन्हित किया जा रहा है।

रिजर्व को 4 वन मंडल के 10 परिक्षेत्र के 1995 वर्ग किलोमीटर में ही प्रस्तावित किया गया है। 20 साल से वनमंडल कोरबा में जारी हाथी उत्पात की समस्या से निपटने चौथी बार लेमरू एलीफेंट रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता दिवस पर रायपुर में इसकी घोषणा की थी। सीएम ने 100 करोड़ में रेस्क्यू सेंटर बनाने की घोषणा की है। इसके बाद प्रभावित क्षेत्रों में काम कराने के लिए 100 करोड़ का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है।

अप्रैल से प्रोजेक्ट पर शुरू करेंगे काम : सीसीएफ

बिलासपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक अनिल सोनी का कहना है कि लेमरू एलीफेंट रिजर्व के लिए कैंपा से राशि की मांग की गई है। इसकी वजह से ही बजट में प्रावधान नहीं किया गया है। नए वित्तीय वर्ष अप्रैल से शुरुआत में रेस्क्यू सेंटर, भोजन की व्यवस्था व गांवों की सुरक्षा को लेकर काम शुरू किया जाएगा।

27 जिले के 14 वनमंडल प्रभावित

प्रदेश में अभी हाथियों की अनुमानित संख्या 221 है। इसमें से सरगुजा वन वृत्त में 93, बिलासपुर वृत्त में 88 व रायपुर वन वृत्त में 40 हाथी हैं। वनमंडल सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, धरमजयगढ़, कटघोरा, मरवाही, कोरबा, रायगढ़, महासमुंद, बलौदा बाजार, खैरागढ़ सबसे प्रभावित है।हाथी उत्पात रोकने हर साल एक करोड़ से अधिक खर्चजिले के दोनों वन मंडल कोरबा व कटघोरा हाथी उत्पात से प्रभावित है। लोगों को कुचलकर मारने व फसल क्षति होने पर दोनों ही वन मंडल में लगभग 100 करोड़ रुपए का मुआवजा बांटा जा चुका है। हाथियों की निगरानी व मशाल, जागरूकता प्रशिक्षण के नाम हर साल एक करोड़ से अधिक खर्च होता है।

आईआईएम इंदौर के छात्रों को मिला 100 फीसदी प्लेसमेंट

- पीजीपी 2018-20 और 5 वर्ष की आईपीएम बैच के सभी 578 छात्रों का विभिन्न कंपनियों में चयन
- बैच का औसत वेतन 22.92 लाख रुपए प्रति वर्ष तक रहा

इंदौर/नवप्रदेश। भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर (आईआईएमआई) ने पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) 2018-20 और 5 वर्ष के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) के सबसे बड़े आउटगोइंग बैच 578 छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट की प्रक्रिया को 100 फीसदी प्लेसमेंट हासिल करने के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। बैच का औसत वेतन 22.92 लाख रुपये प्रति वर्ष तक रहा और आईआईएम इंदौर में दिया जाने वाला उच्चतम घरेलू पैकेज पिछले वर्ष के 40.5 लाख प्रति वर्ष की तुलना में 23.5 फीसदी बढ़कर 50 लाख प्रति वर्ष हो गया। बैच के लिए औसत वेतन 22 लाख प्रति वर्ष था। परामर्श, बिक्री व विपणन एवं वित्त के डोमेन में ऑफर की गई भूमिकाओं की सबसे अधिक मांग थी। बैच के दो उम्मीदवारों को इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय ऑफर भी प्राप्त हुए।

160 से अधिक रिक्रूटर्स ने लिया भाग

आईआईएम इंदौर प्लेसमेंट 2019-20 में 160 से अधिक रिक्रूटर्स ने भाग लिया। इनमें एक्सेंचर, आदित्य बिड़ला ग्रुप, अमेजन, अमेरिकन एक्सप्रेस, आर्सेलर मित्तल एंड निप्पन स्टील, एशियन पेंट्स, एस्ट्राजेन्डा, एक्सिस बैंक, बैन कैपेबिलिटी सेंटर, बजाज ऑटो, बैंक ऑफ अमेरिका, बार्कलेज, ब्रिजस्टोन, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, बाइटडांस, कैपजेमिनी इलीट और क्रिसलिस, सिप्ला, क्रेडिट सुइस, क्रिसिल, डे शॉ, डेलोइट एस एंड ओ, डेलोइटी यूएसआई, डॉयचे बैंक, डोलकेरा, एडेलवेइस, एवरेस्ट ग्रुप, ईवाई, फिडेलिटी इनवेस्टमेंट्स, फ्लिप, इंवेस्टमेंट, फ्लिपकार्ट इंवेस्टमेंट ग्रुप, गोदरेज एंड बोयस, गोल्डमैन सैश, गूगल, ग्रुपएम, जीएसके, एचसीएल, एचडीएफसी, हीरो मोटोकॉर्प, हिमालय ड्रग कंपनी आदि कंपनिया शामिल हैं।

ये संस्थान की गुणवत्तायुक्त शिक्षा व छात्रों की कड़ी मेहनत का नतीजा : राय

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा, 'हमें खुशी है कि एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमारे छात्रों पर अपना विश्वास व्यक्त है। हमारे छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तायुक्त व्यावसायिक शिक्षा इन प्लेसमेंट परिणामों में परिलक्षित होती है। आने वाले वर्षों में हम उद्योग के साथ अपनी भागीदारी को अधिक मजबूत करते रहेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम सामाजिक रूप से जागरूक जिम्मेदार नेताओं का सृजन करते रहें जो इस विश्व को एक बेहतर स्थान बनाने में मदद करते हैं।'

संस्थान ने ये उपलब्धियां भी की अपने नाम

- बीता वर्ष आईआईएम इंदौर के लिए अभूतपूर्व रहा है। संस्थान को एनआईआरएफ रैंकिंग में पांचवां स्थान प्रदान किया गया था, और हाल ही में प्रतिष्ठित एक्विस प्रत्यायन से सम्मानित किया गया। ट्रिपल क्राउन - ,ष्टस्क्, ,स्क्र तथा श्वत्तहूस की मान्यता के साथ, आईआईएम इंदौर इस उपलब्धि को हासिल करने वाला आईआईएम कोलकाता के अलावा भारत का एकमात्र बी-स्कूल बन गया है।
- एफटी रैंकिंग में पदार्पण करते हुए, आईआईएम इंदौर को 81वें स्थान से सम्मानित किया गया और इसे अपनी पहली क्यूएस रैंकिंग 2020 में 101+ बैंड में रखा गया है। संस्थान की उपलब्धियों को देखते हुए उद्योग की प्रतिक्रिया भी बेहद अनुकूल थी। इसके अलावा, प्लेसमेंट में भी वृद्धि हुई, दोनों मार्की नियोक्ताओं और नए नियोक्ताओं की एक बड़ी संख्या द्वारा अंतिम प्लेसमेंट में प्रतिभागियों को भूमिकाओं की पेशकश की गई ।

शेयर बाजार पर दिखेगा यस बैंक संकट और कोरोना वायरस का दबाव

- निवेशकों की नजर यस बैंक संकट तथा कोरोना वायरस पर है। दोनों के कारण कारोबारी धारणा पर असर पड़ा है। पिछले सप्ताह बाजार में काफी निराशा देखी गई थी। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 900 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

नई दिल्ली। होली की छुट्टी के चलते कम कारोबारी दिवस वाले आगामी सप्ताह में बाजार दबाव में रह सकता है। निवेशकों की नजर यस बैंक संकट तथा कोरोना वायरस पर है। इन दोनों के कारण कारोबारी धारणा पर असर पड़ा है। शेयर बाजार मंगलवार को होली के कारण बंद रहेगा। कई आर्थिक आंकड़े सप्ताह के दौरान आने हैं। औद्योगिक उत्पादन और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े बृहस्पतिवार को और थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े शुक्रवार को जारी होंगे।

सैमको सिक्यॉरिटीज ऐंड स्टॉकनोट के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिमीत मोदी ने कहा, 'उतार-चढ़ाव और मौजूदा माहौल के कारण आशंका को देखते हुए निवेशक वित्तीय संकट (यस बैंक और कोरोना वायरस) को लेकर चीजें साफ होने तक बाजार से दूर रह सकते हैं और निवेश घटा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि निवेश को लेकर रूचि कम होने तथा सक्रिय निवेशकों की गतिविधियां कम होने से बाजार नीचे रहने की संभावना है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'कोरोना वायरस और यस बैंक संकट तथा इसके वित्तीय प्रणाली पर पड़ने प्रभाव के कारण भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तीव्र गिरावट रही। बाजार में जब तक स्थिति सामान्य नहीं रहती, बाजार में दबाव और उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के कारण भी उठा-पटक बढ़ सकती है।'

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 720.67 अंक यानी 1.88 प्रतिशत नीचे आया। यस बैंक पर नियामकीय पाबंदियों के कारण शुक्रवार को चौतरफा लिवाली के कारण सेंसेक्स 894 अंक टूटा। रिजर्व बैंक के यस बैंक पर पाबंदी के बाद बैंक का शेयर शुक्रवार को 55 प्रतिशत से अधिक नीचे आया। केंद्रीय बैंक ने एक महीने में प्रति खाते 50,000 रुपये की निकासी की सीमा लगाई है और उसके निदेशक मंडल को हटाकर दूसरे बोर्ड को नियुक्त किया है। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। और स्पेशल कोर्ट में पेशी के बाद 11 मार्च तक ईडी की कस्टडी में भेज दिया गया है।

शेयर खान बाई बीएनपी परिबा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख (पूंजी बाजार रणनीति एवं निवेश) गौरव दुआ ने कहा, 'एक और बैंक संकट में फंसा है। इस बार निजी क्षेत्र का प्रमुख बैंक यस बैंक है। हालांकि आरबीआई ने कदम उठाया है...लेकिन पहले से कमजोर धारणा पर और असर पड़ा है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय वित्तीय क्षेत्र में बार-बार समस्याएं सामने आने से विदेशी निवेशकों को गलत संदेश गया है। निकट भविष्य में एक नकारात्मक रुख देखने को मिल सकता है।'

इस सप्ताह सोने और चांदी के बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के दुनिया के 100 से अधिक देशों तक फैलने के कारण शेयर बाजार में गिरावट के बाद निवेशक के सुरक्षित निवेश की ओर रूख करने लगे हैं। इसी वजह से बीते सप्ताह कीमती धातुओं में जबदरस्त तेजी दर्ज की गई। इस दौरान दिल्ली सराफा बाजार में सोना 2540 रुपये चमककर 45410 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। चाँदी 2650 रुपये की उछाल लेकर 48350 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई। संभावना जताई जा रही है अगर कोरोना वायरस का प्रकोप कम नहीं हुआ तो इस सप्ताह सोने और चांदी के दाम में तेजी रहेगी। बीते सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में भारी बढोतरी दर्ज की गई। लंदन और न्यूयार्क के बाजार में दोनों कीमती धातुओं में भारी तेजी रही। सप्ताह के दौरान सोना हाजिर 68.30 डॉलर की तेजी लेकर 1676.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

'आपकी राह के हर अवरोध का टूटकर बिखर जाना तय'

- महिला दिवस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्टील सेक्टर की महिला कर्मियों को दी शुभकामना
- सभी प्रकार की असमानताएं भी होंगी खत्म

हैदराबाद/नवप्रदेश। केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने महिला दिवस के अवसर पर रविवार को महिलाओं को अपनी शुभकामनाएं प्रषित की हैं। इस क्रम में उन्होंने स्टील सेक्टर में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए प्रेषित अपने शुभकामना संदेश में लिखा है- 'आपकी राह में आने वाले हर अवरोध का टूटकर बिखर जाना तय है, सभी प्रकार की असमानताओं का खत्म होना भी तय है।'

प्रधान ने लिखा- 'अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर आपको यह संदेश लिखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। भारतीय महिलाएं आज विभिन्न उद्यमों में काफी बेहतर काम व इनका नेतृत्व भी कर रही हैं। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि इस्पात क्षेत्र में महिलाएं जोखिमभरी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं- फिर चाहे बात क्रेन ड्राइवर की हो या बोर्ड मेंबर की। मैंने संयंत्रों, खदानों व इस्पात कंपनियों के दफ्तरों दौरों में मुझे कई स्टील निर्माण के विभिन्न पहलुओं से जुड़ी महिला कर्मियों से बातचीत का मौका मिला। उनके दृढ़ निश्चय व समर्पण ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत कर दिया कि विकास की अगली लहर महिलाओं की ताकत से आएगी।' उन्होंने आगे लिखा- हमारे देश ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन कच्चे इस्पात के उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिए बड़ कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। और 'टीम स्टील' में आपका योगदान इस प्रयास को और मजबूत बनाता है।

'इस्पाती इरादा' का उत्सव मनाने का अवसर

यह महिला दिवस आपके आगे बढ़ने, सेवा व प्रेरित करने संबंधी 'इस्पाती इरादा' का उत्सव मनाने का अवसर है। स्टील क्षेत्र की महिला होने के कारण इस्पाती इरादों को आपसे बेहतर कौन जान सकता हैं। आपकी राह में आने वाले हर अवरोध का टूटकर बिखर जाना तय है, सभी प्रकार की असमानताओं का खत्म होना भी तय है।

नई होंडा सिटी बाजार में आने को तैयार

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी होंडा भारत में जल्द होंडा सिटी सेडान के न्यू जनरेशन मॉडल को लॉन्च करने जा रही है। यह कार अंदर और बाहर से नई डिजाइन के साथ आएगी और इसमें कई नए फीचर्स देखने को मिलेंगे। थाईलैंड में *नई होंडा सिटी से नवंबर 2019 में पर्दा उठाया गया था।

1.5 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन का विकल्प : 2020 होंडा सिटी का डिजाइन तो नया होगा मगर इसके इंजन विकल्पों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले की तरह इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन के विकल्प ही मिलेंगे। इतना जरूर है कि कंपनी ने इन दोनों इंजन को बीएस6 मानकों के अनुसार उन्नत कर दिया है।

नई होंडा सिटी में ऑटो एसी, सनरूफ ऑटो एलईडी हेडलैंप, पार्किंग कैमरा साथ ही इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स देखने को मिल सकते हैं।

महिलाओं पर मेहरबान हुई कार कंपनियां, दे रहीं कई तरह की छूट और शानदार ऑफर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी 8 मार्च को खास बनाने में कार कंपनियों ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति से लेकर हुंडई और रेनॉ इंडिया ने महिला दिवस पर कारों की सर्विस कराने पर महिलाओं के लिए विशेष छूट के साथ कई अन्य रियायतों की भी घोषणा की है।

मारुति करेगी सरप्राइज : मारुति सुजुकी इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश भर में फैले डीलरशिप में सर्विस कैंप लगाने के घोषणा की है।

सर्विस कैंप का आयोजन 8 से 30 मार्च तक किया जा रहा है। कार की सर्विसिंग के लिए आने वाली महिला ग्राहकों के लिए 8 मार्च को सरप्राइज गिफ्ट भी दिए जाएंगे। इसमें महिलाओं के लिए कार सर्विस पर विशेष छूट मिलेगी।

हुंडई सर्विस भी सिखाएगी: हुंडई 750सर्विस स्टेशन पर पावर वुमन कैंप का आयोजन 2 मार्च से 8 मार्च तक कर रही है। यहां महिलाएं कार से जुड़ी जानकारियां लें सकती हैं। इसमें हिस्सा लेने वाली महिला ग्राहक को एक साल के लिए रोड साइड असिस्टेंस बिल्कुल मुफ्त दिया जा रहा है।

महिलाओं को मिलती हैं कई छूट, जरूर उठाएं फायदा

- महिलाओं के लिए खास बचत खातों की स्कीम, तमाम तरह के रिवॉर्ड और कैशबैक ऑफर दिए जाते हैं
- बच्चों की एजुकेशन के लिए बचत की खातिर कामकाजी महिलाएं 'जूनियर/किड अकाउंट' खुलवा सकती हैं

नई दिल्ली। आज महिलाएं समय से आगे निकल रही हैं। ऐसे में उनकी राह में आर्थिक समस्याएं भी पैदा हुईं, लेकिन इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकारी और निजी संस्थाएं आगे आई हैं। इसी का नतीजा है कि आज महिलाएं आर्थिक रूप से निर्भर हो रही हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कई प्रकार की छूट भी मिली हुई हैं। जानें ऐसी कुछ छूटों के बारे में:

प्रॉपर्टी की खरीद में लाभ

कई राज्य सरकारें महिलाओं के नाम प्रॉपर्टी पर स्टांप ड्यूटी और ट्रांसफर ड्यूटी में छूट देती हैं। इससे प्रॉपर्टी सस्ती पड़ती है। दिल्ली में महिला खरीदारों के लिए स्टांप ड्यूटी 4 फीसदी है जबकि पुरुषों के लिए यह 6 फीसदी है।

लोन पर कम ब्याज दर

कई बैंकों में महिलाओं के लिए होम लोन की ब्याज दरें कम हैं। यह अंतर करीब 0.05 फीसदी तक होता है। लंबी अवधि के लोन में यह बड़ा फर्क पैदा करता है। कार लोन के लिए भी यही बात लागू है।

उद्यमिता को बढ़ावा

महिलाओं में उद्यमिता यानी आंत्रप्रेन्यरशिप को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई नीतियां बनाने के साथ कई स्कीम शुरू की हैं। 'स्टैंड अप इंडिया' के तहत महिला उद्यमी को मैन्यूफैक्चरिंग या ट्रेडिंग सेक्टर के क्षेत्र में 10 लाख रुपये से लेकर 100 लाख रुपये तक बैंक लोन दिया जाता है।

सेविंग्स अकाउंट

बैंकों में महिलाओं के लिए खास बचत खातों की स्कीम मौजूद हैं। इनमें तमाम तरह के रिवॉर्ड और कैशबैक ऑफर दिए जाते हैं। बच्चों की एजुकेशन के लिए बचत की खातिर कामकाजी महिलाएं 'जूनियर/किड अकाउंट' खुलवा सकती हैं। इसमें मिनिमम बैलंस की अनिवार्यता से छूट दी गई है।

आज का भविष्यफल

मेषः ग्रह-नक्षत्र के अनुसार आपका आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है।

वृषभः आपकी राशि का स्वामी शुक्र मेष राशि में संचार कर रहा है। शुक्र संपूर्ण शुभ दृष्टि से तुला राशि को देख रहा है। राज्य मान-प्रतिष्ठा तथा उत्तम प्रकार की धन संपत्तिदायक है। आज चंद्रमा भी पंचम भाव में सुख शांति कारक है।

मिथुनः आपकी राशि का स्वामी बुध नवम भाग्य भाव में सूर्य से तप्त एवं विकल है। इसके फलस्वरूप आज का दिन भाग दौड़ और विशेष चिंता में व्यतीत होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

कर्कः कर्क राशि चंद्रमा की राशि है। आज राशि से तृतीय चंद्रमा उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है, जिसमें कुछ खर्चा भी संभव है। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार व परिवार में आमोद-प्रमोद का वातावरण रहेगा। बहुत समय से रुके हुए किसी कार्य को बनाने की चेष्टा करें।

सिंहः राशि का स्वामी सूर्य कुंभ राशि का होकर सप्तम सुख भाव में भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। शुक्र के साथ होने से कार्यस्थल में स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा।

कन्याः आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आने की आशंका है, आपको लेकिन सबका ध्यान रखते हुए सभी का सम्मान करना चाहिए। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे।

तुलाः आपकी राशि का स्वामी शुक्र राशि से सप्तम भाव में पराक्रम वृद्धि व मन संतोष कारक है। आज का दिन आनंद में बीतेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक से कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

वृश्चिकः आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान देगा। किसी जानकार व्यक्ति से सलाह लेना आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध हो सकता है। आपके खुशहाल दिन आने वाले हैं, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

धनुः आपकी राशि का स्वामी देव गुरु बृहस्पति है, जो कि बीते कई दिनों से धनु राशि के प्रथम भाव में चल रहा है, चंद्रमा भी आज सप्तम भाव में अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराकर कोषवृद्धि कर सकता है।

मकर : आपकी राशि का स्वामी शनि राशि से पहले घर में और चंद्रमा नवम भाव में कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं। व्यापार-व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुंभः आज आपकी राशि का स्वामी शनि द्वादश भाव में आपकी भाग्य में वृद्धि करता दिखेगा। धन धर्म कीर्ति में भी बढ़ोतरी होगी। शत्रु चिंता का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में सर्वत्र विजय विभूति सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे।

मीनः आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति धनु राशि का होकर दशम भाग्य पिता भाव में चल रहा है। ग्रह-नक्षत्र के अनुसार, ऐसा योग मनोरथ सिद्धि कारक होता है।

सू- दोकू

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें [illegible] वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक [illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 56 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

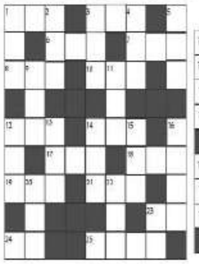

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

संकलनकर्ता : – डेमन प्रसाद सिन्हा, संवाददाता (छुरा), मो. नं.– 70890–78193